@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 10 सितंम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 301 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सीएम की अध्यक्षता में डीएम, एसडीएम, सब-रजिस्ट्रार के साथ की गई समीक्षा बैठक

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने डीएम, एसडीएम, सब रजिस्ट्रार आदि (राजस्व विभाग) के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक में कहा कि आपको ईमानदारी, जनहित व पारदर्शिता से काम करना चाहिए, क्योंकि आपकी इमेज के साथ ही सरकार की इमेज भी तय होती है। मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि आपने कांवड़ यात्रा व बाढ़ के दौरान उल्लेखनीय काम कर उदाहरण पेश किए हैं। उम्मीद है कि इस तरह के कार्य आगे भी करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने इन उच्च अधिकारियों से यह भी कहा कि आपके सही निर्णय के साथ वह आपके साथ हें। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि प्रशासनिक कार्यप्रणाली में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए शीघ्र ही वार्षिक पुरस्कार की शुरुआत की जाएगी, जिसके अंतर्गत हर वर्ष उन अधिकारियों और विभागों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में अनुकरणीय प्रदर्शन किया है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव श्री धमेंद्र, डिविजनल कमिश्नर नीरज सेमवाल व अन्य आला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की प्राथमिकताओं की जानकारी दी और बताया राजधानी को सही मायनों में 'विकसित दिल्ली' बनाने के लिए तेज गति से मेहनत करनी होगी। इसके लिए आप लोगों के

सहयोग से प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर उन अधिकारियों की सराहना कि जिन्हांने राजधानी में बाढ़ जैसी आपात स्थिति को संभालने और कांवड़ यात्रा प्रबंधन में 24 घंटे समर्पण भाव से काम लिया। मुख्यमंत्री ने बैठक में डिविजनल कमिश्नर सहित डीएम श्री चैतन्य, अमोल श्रीवास्तव, श्री जी. सुधाकर के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में आप लोगों को रामलीला और दुर्गा पूजा जैसे आयोजनों में कांवड़ प्रबंधन की तरह ही सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी ताकि जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश कि सभी आवश्यक अनुमतियां समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाएं और सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा यातायात प्रबंधन की पूरी जिम्मेदारी के साथ देखभाल की जाए इस उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि राजधानी में सरकारी ज़मीनों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिए कि कब्ज़ा हटाने, बाउंड्री वॉल बनाने और भविष्य में अवैध कब्ज़ा रोकने के ठोस उपाय किए जाएं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का आचरण ही सरकार का प्रतिबिंब है, जहां उनकी ईमानदारी सरकार की साख को मजबूत करती है, वहीं उनकी लापरवाही से सरकार की आलोचना होती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रत्येक जिले में नियमित जनसुनवाई आयोजित की जाए।

शेष पृष्ठ 3 पर

पंजाब बाढ़ संकट: पीएम मोदी ने किया सर्वे

1600 करोड़ की अतिरित सहायता की घोषणा

एजेंसी

गुरदासपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पंजाब का दौरा कर भारी बारिश से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद गुरदासपुर में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने राहत और पुनर्वास कार्यों की प्रगति का आकलन किया। प्रधानमंत्री ने पंजाब के लिए 1,600 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता की घोषणा की। यह राशि राज्य के पास पहले से मौजूद 12,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त होगी। उन्होंने कहा कि राज्य को एसडीआरएफ की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी और पीएम किसान सम्मान निधि के तहत भी राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र और प्रभावित लोगों को उबारने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया जाएगा, जिसमें पीएम आवास योजना के तहत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत, स्कूलों का पुनर्निर्माण, पीएमएनआरएफ से सहायता और पशुधन के लिए मिनी किट का वितरण शामिल होगा। कृषि समुदाय को विशेष राहत देने के लिए प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि जिन किसानों के पास बिजली कनेक्शन नहीं है उन्हें अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। सिल्ट से भर गए या बह गए

बोरवेल की मरम्मत के लिए राज्य सरकार के प्रस्ताव पर राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत मदद दी जाएगी। डीजल से चलने वाले पंपों के लिए सौर पैनल और सूक्ष्म सिंचाई के लिए 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' योजना के अंतर्गत सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत राज्य सरकार के 'विशेष प्रोजेक्ट' प्रस्ताव पर ग्रामीण इलाकों में क्षतिग्रस्त घरों के पुनर्निर्माण के लिए पीड़ित परिवारों को वित्तीय सहायता दी जाएगी। हाल ही में बाढ़ से क्षतिग्रस्त सरकारी स्कूलों को समग्र शिक्षा अभियान के तहत सहायता दी जाएगी। जल संचय जनभागीदारी कार्यक्रम के तहत जल संरक्षण ढांचे की मरम्मत और नई संरचनाओं के निर्माण का काम पंजाब में बड़े पैमाने पर किया जाएगा, ताकि वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिल सके और दीर्घकालिक जल स्थिरता सुनिश्चित हो। केंद्र सरकार ने नुकसान का आकलन करने के लिए अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल भी पंजाब भेजे हैं। उनकी विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे की सहायता पर विचार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने बाढ़ और आपदा में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति होंगे

एडीए कैंडिडेट को 452 वोट मिले, इंडिया गठबंधन के बी सुदर्शन रेड्डी को 152 वोट से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन देश के नए उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। आज हुए मतदान में सीपी राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। राधाकृष्णन ने 152 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उपराष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा, मैं नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन को उनके कार्यकाल की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हालांकि परिणाम मेरे पक्ष में नहीं है, फिर भी

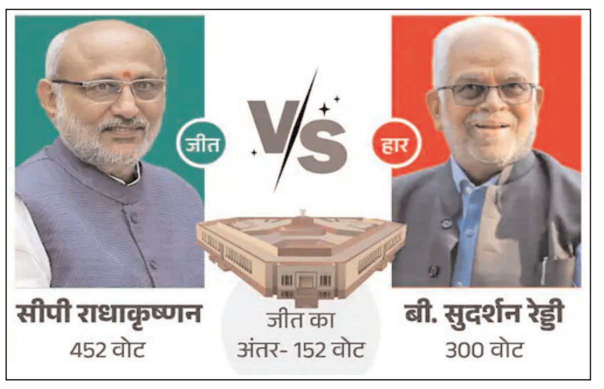

वैचारिक लड़ाई और अधिक जोश के साथ जारी रहेगी। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 98 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। शाम पांच बजे मतदान समाप्त होने के एक घंटे बाद छह बजे मतगणना प्रारंभ हुई। मतगणना समाप्त होने के बाद आज देर शाम नतीजे घोषित किए गए। जिसमें एनडीए उम्मीदवार को कुल 452 वोट मिले। जबकि विपक्ष के उम्मीदवार को 300 वोट मिले। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 वोट डाले गए। जिनमें से 752 वैध और 15 अवैध थे। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार के पक्ष में 315 सांसदों के मतदान का दावा किया था। वहीं बीआरएस और बीजेडी ने चुनाव में भाग नहीं लिया, जबकि राज्यसभा में बीआरएस के चार और बीजेडी के सात सांसद हैं। वहीं अकाली दल के सांसद ने बाढ़ के चलते मतदान में हिस्सा लेने से मना कर दिया था।

● दक्षिण भारत से थे दोनों उमीदवार

संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण यह चुनाव हुआ। इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं। उप राष्ट्रपति पद के राजग उम्मीदवार राधाकृष्णन तमिलनाडु की एक प्रमुख ओबीसी जाति गौंडर से आते हैं और आरएसएस की पृष्ठभूमि वाले हैं। राधाकृष्णन को 2023 में झारखंड का राज्यपाल बनाया गया था और फिर जुलाई 2024 में उन्हें महाराष्ट्र स्थानांतरित कर दिया गया था। अपने पूर्ववर्ती धनखड़ के विपरीत, राधाकृष्णन ने राज्यपाल के रूप में विवादास्पद राजनीतिक मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से काफी हद तक परहेज किया है। वह 1998 में कोयंबटूर से पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए और 1999

सीपी राधाकृष्णन को अमित शाह ने दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। । राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन भारत के उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने सीपी राधाकृष्णन को बधाई दी है। मंगलवार को उन्होंने एक्स पर अपने बधाई संदेश में कहा कि सीपी राधाकृष्णन को भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई। मुझे पूरा विश्वास है कि समाज के निचले स्तर से उठे एक नेता के रूप में आपकी दूरदर्शिता और प्रशासन के बारे में गहन ज्ञान, हाशिए पर रहने वाले लोगों की

सेवा के लिए हमारे संसदीय लोकतंत्र में सर्वश्रेष्ठ लाने में हमारी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि उच्च सदन की पवित्रता के संरक्षक के रूप में उनकी यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

नेपाल हिंसा- पूर्व पीएम की पत्नी को जिंदा जलाया

संसद भवन में घुसे प्रदर्शनकारी, सुरक्षाबलों के हथियार लूटे

एजेंसी

काठमान्डू। नेपाल में प्रदर्शनों के बीच ही एक ऐसी खबर आ रही है जो हैरान करने वाली है. प्रदर्शनकारियों की एक भीड़ देश के पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल के घर पर हमला बोला और आग लगा दी. इस घटना में खनाल की पत्नी राज्यलक्ष्मी चित्रकार को भी प्रदर्शनकारियों ने निशाना बनाया. वह बुरी तरह से जल गई थीं और उनकी मौत हो गई है. यह घटना दल्लू स्थित उनके आवास पर हुई, जहां प्रदर्शनकारियों ने उन्हें घर के अंदर घेरकर आग लगा दी थी. प्रदर्शनकारियों ने देश की संसद और सुप्रीम कोर्ट को भी जला दिया है।

खनाल को सेना ने बचाया

सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के नेता नरेश शाही के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने घर के अंदर आग लगा दी जिसकी वजह से वह गंभीर रूप से घायल हो गई. उनके अनुसार, जब प्रदर्शनकारियों ने

आग लगाई, तब वह अपने बेटे निर्भीक खनाल के साथ घर पर थीं. आग की लपटों में घिरने के बाद, उन्हें छावनी स्थित नेपाली सेना के अस्पताल ले जाया गया था. शाही के अनुसार उनका इलाज यहां पर आईसीयू में हुआ लेकिन वह काफी जल गई थीं. इस वजह से उन्हें कीर्तिपुर अस्पताल ले जाया गया. झालानाथ खनाल, को घर में आग लगने से पहले नेपाली सेना ने बचा लिया था. झालानाथ खनाल नेपाल के 35वें प्रधानमंत्री रह चुके हैं और फरवरी 2011 से अगस्त 2011 तक उन्होंने इस पद की जिम्मेदारी संभाली. वह नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के चेयरमैन भी रहे हैं और सीपीएन की संविधान सभा संसदीय दल के नेता के तौर पर भी सेवाएं दे चुके हैं।

इलाज के दौरान हुई मौत

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, उन्हें गंभीर हालत में कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया था. यहां पर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई है. इस घटना से हताहतों की बढ़ती संख्या में इजाफा हुआ है. जेन-जी प्रदर्शन जो सोमवार से शुरू हुआ था अब और हिंसक हो गया है. अधिकारियों की तरफ से अभी तक इस हमले के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है।

अपने विकास की जिम्मेदारी ले जनजातीय समुदाय और खुलकर विचार रखे : राष्ट्रपति

बैठक में आदि कर्मयोगी अभियान पर बनी एक फिल्म भी दिखाई गई।

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से मंगलवार को विभिन्न राज्यों से आए प्रतिष्ठित जनजातीय लोगों के समूह ने मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि वास्तविक सशक्तीकरण केवल योजनाओं से नहीं आता, बल्कि अधिकारों की मान्यता और सम्मान से होता है।

उन्होंने जनजातीय समुदायों से अपनी विकास यात्रा की जिम्मेदारी लेने और विभिन्न मंचों पर खुलकर अपने विचार रखने का आग्रह किया। उन्होंने आदिवासी समाज की परंपराओं और संस्कृति को सुरक्षित रखते हुए उन्हें तकनीक के माध्यम से मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर दिया।

राष्ट्रपति ने हाल ही में शुरू किए गए एआई-आधारित अनुवाद उपकरण 'आदि वाणी' का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह आदिवासी भाषाओं और शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। सितंबर 2025 में लॉन्च हुआ यह बीटा संस्करण दुनिया का पहला एआई संचालित स्वदेशी भाषा सेतु उपकरण है। यह सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक समावेशन के लिए अहम साबित होगा। उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम जनजातीय कार्य मंत्रालय के 'आदि कर्मयोगी अभियान' के तहत आयोजित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत जनजातीय नेताओं की कई बैठकें राष्ट्रपति भवन में हो चुकी हैं। आज की यह मुलाकात इस श्रृंखला की अंतिम बैठक थी।राष्ट्रपति ने उपस्थित जनजातीय प्रतिनिधियों से कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान संवाद और सहयोग का एक अनोखा प्रयास है। इसका उद्देश्य न सिर्फ जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण का सक्रिय भागीदार बनाना भी है। उन्होंने कहा कि हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि आदिवासी समुदाय केवल लाभार्थी न रहकर भविष्य के सह-निर्माता बनें।

बैठक में आदि कर्मयोगी अभियान पर बनी एक फिल्म भी दिखाई गई। इस अवसर पर केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम और राज्यमंत्री दुर्गादास उइके भी मौजूद रहे।

कलाम मेमोरियल के व्याख्यान में नितिन गडकरी का ग्रामीण विकास पर जोर

● 'जल, जंगल और जमीन के विकास पर उतना ध्यान नहीं दिया गया'

एजेंसी

नई दिल्ली, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का कहना है देश की आजादी के समय 85-90 फीसदी आबादी गांवों में रहती थी। इसीलिए गांधी जी ने ग्रामीण उद्योग, कृषि, कुटीर उद्योग, हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट को बढ़ावा देने की वकालत की थी, ताकि ग्रामीण भारत का विकास हो। बाद मे औद्योगिक विकास को प्राथमिकता दी गई, लेकिन जल, जंगल और जमीन के विकास पर उतना ध्यान नहीं दिया गया। इस वजह से धीरे-धीरे 30 फीसदी आबादी शहरों की ओर पलायन कर गई। उन्होंने कहा कि ग्रामीण भारत के विकास के लिए सड़क बुनियादी ढांचे को मजबूत करना आवश्यक है, क्योंकि यह न केवल गांवों को शहरों से जोड़ता है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक प्रगति का आधार भी बनता है। नई दिल्ली में आयोजित 5वें एपीजे

अब्दुल कलाम मेमोरियल व्याख्यान में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि देते हुए गडकरी ने उनके जीवन और योगदान को प्रेरणादायक बताया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण भारत के विकास और सड़क बुनियादी ढांचे की भूमिका पर जोर दिया। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद और जदयू नेता केसी त्यागी सहित अनेक गण्यमान्य जन मौजूद थे।

अपने व्याख्यान में गडकरी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब वे महाराष्ट्र सरकार में मंत्री थे, तब अटल जी ने उन्हें दिल्ली बुलाकर देश के गांवों में सड़कें बनाने की योजना तैयार करने का निर्देश दिया था। उन्हें देश का पहला मुंबई-पूणे एक्सप्रेसवे और वर्ली-बांद्रा सी लिंक प्रोजेक्ट को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत पूरा करने का मौका मिला। इन परियोजनाओं के सफल होने के बाद अटल जी ने उनसे कहा, नितिन, तुमने शहरों में बहुत काम किया।

डॉ पंकज ने नि:शुल्क 'लिवर हेल्थ कैंप' और परामर्श शिविर का उद्घाटन किया

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कल पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी विधानसभा के कुंवर सिंह नगर में नि:शुल्क 'लिवर हेल्थ कैंप' एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्घाटन किया। आज 9 सितंबर से लेकर 13 सितंबर यानी पांच दिनों तक चलने वाले इस नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में रोजाना सुबह 10 बसे से लेकर 12 बजे तक कोई भी नागरिक अपना पंजीकरण करा कर स्वास्थ्य जांच का लाभ उठा सकता है। इस नि:शुल्क 'लिवर हेल्थ कैंप' का आयोजन इंस्टिट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (ढ्ढरुक्च) के सहयोग से किया जा रहा है, जिसमें हर नागरिक को लिवर जांच के साथ नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। जिसमें मेडिकल और क्लीनिकल जांच जैसे ब्लड प्रेशर, वजन, लंबाई एवं कमर और हिप का अनुपात,

ब्लड जांच (लिवर फंक्शन टेस्ट (स्नत्रञ्ज), शुगर की जांच, लिपिड्स, रक्त की संपूर्ण जांच (ष्टक्चष्ट) के साथ हेपेटाइटिस बी और सी की स्क्रीनिंग), फैटी लिवर और फाइब्रोसिस का पता लगाने के लिए फाइब्रोस्कैन, चिकित्सकों से विशेषज्ञ परामर्श, आहार एवं पोषण से संबंधी जरूरी मार्गदर्शन भी शामिल हैं। विकासपुरी के कुंवर सिंह नगर में लगाए गए इस नि:शुल्क 'लिवर हेल्थ कैंप' के पहले ही दिन 100 से अधिक स्थानीय निवासियों ने स्वास्थ्य जांच और सेवाओं का बढ़-चढ़कर लाभ उठाया। जो स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह के सामुदायिक पहल के प्रति लोगों की गहरी रुचि और विश्वास को दर्शाता है। कुंवर सिंह नगर में लगा यह नि:शुल्क 'लिवर हेल्थ कैंप' पांच दिनों तक चलेगा, तो वहीं नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच अभियान अगले एक महीने तक आसपास के पूरे इलाके में जारी रहेगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को स्वास्थ्य शिविर का लाभ मिल सकें।

शेष पृष्ठ 3 पर

मोदी ने राधाकृष्णन को दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री सी पी राधाकृष्णन को उप राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर बधाई दी है। श्री मोदी ने एक बधाई संदेश में कहा कि श्री राधाकृष्णन का जीवन सदैव समाज की सेवा और गरीबों एवं वंचितों के सशक्तिकरण को समर्पित रहा है। उन्होंने कहा, ÷ मुझे पूरा विश्वास है कि श्री राधाकृष्णन देश के एक बेहतरीन उप राष्ट्रपति होंगे। वह हमारे संवैधानिक मूल्यों और संसदीय संवाद को मजबूत करेंगे।

गौरतलब है कि श्री राधाकृष्णन को आज उप राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित घोषित किया गया है। उन्होंने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी को पराजित किया।

राहुल गांधी मानहानि प्रकरण – गवाह की गवाही दर्ज, बचाव पक्ष की जिरह अधूरी

सुलतानपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में मंगलवार को अहम कार्यवाही हुई। अदालत में कोतवाली देहात क्षेत्र के पीताम्बरपुर निवासी गवाह अनिल मिश्र की गवाही दर्ज की गई। इस दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने गवाह से जिरह शुरू की, लेकिन जिरह पूरी नहीं हो सकी। न्यायालय ने शेष जिरह के लिए 23 सितंबर की तिथि नियत की है। परिवादी भाजपा नेता एवं कोआपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि मामला वर्ष 2018 का है। 4 अगस्त को विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का वाद दाखिल किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने बेंगलुरु की एक जनसभा में उस समय भाजपा अध्यक्ष रहे अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इससे आहत होकर उन्होंने मुकदमा दर्ज कराया। जिसमे कोर्ट ने बीते साल 27 नवम्बर को राहुल गांधी को तलब करने का आदेश दिया था। कोर्ट में हाजिर होकर राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को जमानत कराई थी तथा 25 जुलाई को उनका बयान कोर्ट में दर्ज हुआ था। बयान में उन्होंने इस मुकदमे को राजनीतिक साजिश बताया था। अब न्यायालय में 23 सितंबर को गवाह से बचाव पक्ष की आगे की जिरह होगी, जिस पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

अब्बास अंसारी की राज्य विधानसभा सदस्यता बहाल

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा दो साल की जेल की सजा रद्द करने के बाद, उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने अब्बास अंसारी की राज्य विधानसभा सदस्यता बहाल करने का आदेश जारी किया है। अब्बास अंसारी 2022 में मऊ से विधायक चुने गए थे। 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने के मामले में उन्हें 31 मई, 2025 को सांसद/विधायक कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधायकी रद्द कर दी गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ के डालीबाग इलाके में गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की अवैध रूप से कब्जा की गई जमीन को खाली कराया। इस जमीन पर 72 आवासीय फ्लैट बनाए गए हैं, जिनकी कीमत 9 लाख से 9.5 लाख के बीच है। इनका आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा और इसके लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए अदालत के फैसले के खिलाफ याचिका, आदेश को दी गई चुनौती

मुंबई (एजेंसी)। 2008 के मालेगांव ब्लास्ट मामले में, पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और कर्नल पुरोहित सहित सात लोगों को एक विशेष एनआईए अदालत ने 31 जुलाई को बरी किया था। अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है और मात्र संदेह वास्तविक सबूत की जगह नहीं ले सकता। हालांकि, पीड़ितों में से एक, निसार अहमद सैयद बिलाल और पाँच अन्य लोगों ने फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि एनआईए अदालत का 31 जुलाई का आदेश गलत था और आदेश को रद्द किया जाना चाहिए। यह मामला महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए एक विस्फोट से संबंधित है, जिसमें छह लोग मारे गए थे और 101 घायल हो गए थे। यह घटना एक दोपहिया वाहन में हुए विस्फोट के कारण हुई थी। अदालत ने कहा कि मामले को साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। यह भी कहा गया कि किसी भी सबूत के अभाव में आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए। न्यायाधीश ने कहा कि सभी साक्ष्य अभियुक्तों को दोषी ठहराने के लिए विश्वसनीय नहीं हैं। अदालत ने यह भी फैसला दिया कि इस मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं। अदालत ने अभियोजन पक्ष के उस दावे को भी खारिज कर दिया कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल ठाकुर के नाम पर रजिस्टर्ड थी, यह साबित नहीं हो पाया था।

अपनी तस्वीरों के गलत इस्तेमाल को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची ऐश्वर्या राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने दिल्ली हाई कोर्ट पहुंची है। ऐश्वर्या का आरोप है कि एक वेबसाइट उनकी तस्वीरों और एआई जनरेटेड तस्वीरों का इस्तेमाल कर अपने सामन बेच रही हैं, जो कानूनन अपराध है। इससे उनकी छवि प्रभावित हो रही है। न्यायमूर्ति तेजस करिया ने मौखिक रूप से संकेत दिया कि वह प्रतिवादियों को चेतावनी देकर एक अंतरिम आदेश पारित करुंगा। ऐश्वर्या राय की ओर से पेश वरिष्ठ वकील संदीप सेठी ने कहा कि अभिनेत्री अपने प्रचार और व्यक्तिगत अधिकारों का इस्तेमाल करना चाहती हैं। उन्होंने तर्क दिया कि कुछ पूरी तरह से अवास्तविक अंतरंग तस्वीरें इंटरनेट पर अपलोड की जा रही हैं। ऐश्वर्या के वकील सेठी ने तर्क दिया, उनकी (राय) तस्वीर, पसंद या व्यक्तित्व का उपयोग करने का आरोपियों के पास कोई अधिकार नहीं है। एक शख?स केवल मेरे नाम और चेहरे से पैसे बना रहे हैं। उनका नाम और पसंद किसी की यौन इच्छाओं की पूर्ति के लिए इस्तेमाल हो रही है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐश्वर्या राय की ओर से पैरवी करने वाले अधिकवक्ताओं में प्रवीन आनंद और ध्रुव आनंद भी शामिल हैं।

दिनदहाड़े एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, पारिवारिक विवाद का मामला आया सामने

झांसी(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में झांसी के सीपरी बाजार इलाके में दिनदहाड़े एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना कथित तौर पर लंबे समय से चले आ रहे पारिवारिक विवाद के कारण हुई। पीड़ित की पत्नी ने दावा किया कि आधा दर्जन से ज्यादा लोगों ने उसके पति पर गोलियां चलाईं और बैंक से निकाले गए 2 लाख रुपये लूट लिए। महिला ने बताया कि हमले के दौरान उसके साथ मारपीट हुई। 40 वर्षीय पीड़ित अपनी पत्नी के साथ बैंक से घर लौट रहा था, तभी हमलावरों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

उद्धव ठाकरे के कई विधायक शिंदे गुट के संपर्क में, जल्द होंगे पार्टी में शामिल

–विधायक कृपाल तुमाने ने किया दावा– यूबीटी के लोग राउत के रवैये से तंग आ चुके

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले एक बार फिर हलचल तेज हो गई। शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक कृपाल तुमाने ने दावा किया है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के सिर्फ दो विधायकों को छोड़कर बाकी सभी विधायक एकनाथ शिंदे गुट के संपर्क में हैं और जल्द ही उनकी पार्टी में शामिल हो जाएंगे। तुमाने ने मंगलवार को कहा कि यूबीटी के लोग संजय राउत के रवैये से तंग आ चुके हैं। यही वजह है कि उनके दो विधायकों को छोड़कर बाकी सभी हमारे संपर्क में हैं। मुंबई के 80 फीसदी पूर्व नगरसेवक भी शिंदे गुट के साथ जुड़ने को तैयार हैं। उन्होंने दशहरा मेला के अवसर पर बड़े खुलासे और पार्टी प्रवेश समारोह की संभावना का भी जिक्र किया।

बता दें 2022 में महाराष्ट्र की राजनीति में उस समय भूचाल आ गया था, जब तत्कालीन सीएम उद्धव ठाकरे के खिलाफ एकनाथ शिंदे ने बगावत कर दी थी। इस बगावत के परिणामस्वरूप शिवसेना टूट गई और शिंदे के साथ 39 अन्य विधायकों ने उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर बीजेपी के साथ गठबंधन कर लिया था। इस घटना ने महाविकास अघाडी (एमवीए) गठबंधन सरकार, जिसमें शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-शरद गुट) और कांग्रेस शामिल थे, को सत्ता से बाहर कर दिया था। शिंदे गुट और उद्धव ठाकरे गुट के बीच तनातनी अब भी जारी है। फिलहाल, बीएमसी चुनाव से पहले शिंदे गुट का यह दावा महाराष्ट्र सियासत में बड़े बदलाव का संकेत है।

यह दावा ऐसे समय में भी किया जा रहा है, जब बीएमसी चुनाव से पहले ठाकरे ब्रदर्स एकजुट हो रहे हैं। करीब 20 साल के बाद राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक साथ आए हैं। इसके कारण महाराष्ट्र के राजनीतिक समीकरण पहले ही बदल चुके हैं। ठाकरे ब्रदर्स पहली परीक्षा में असफल रहे हैं। बता दें महाराष्ट्र में बेस्ट एम्प्लॉयीज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी के चुनावों में दोनों भाइयों उद्धव और राज ठाकरे की पार्टियों ने मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन खाता भी नहीं खुला।

बिहार–छत्तीसगढ़ में हुई एफआईआर को जोड़ने की रामदेव की याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने योग गुरु बाबा रामदेव की याचिका पर सुनवाई टाल दी है जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ बिहार और छत्तीसगढ़ में हुई एफआईआर को जोड़ने की बात कही थी। सुप्रीम कोर्ट में रामदेव के खिलाफ छत्तीसगढ़ में दर्ज एफआईआर पर क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है। बता दें ये मामला कोविड काल के दौरान एलोपैथी के खिलाफ टिप्पणी करने से जुड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि अगर रामदेव के खिलाफ केवल बिहार में दर्ज एफआईआर ही बची है, तो क्या एफआईआर को एक साथ जोड़ने की उनकी याचिका बरकरार रहेगी? इस मामले में रामदेव के खिलाफ बिहार और छत्तीसगढ़ में एफआईआर दर्ज की गई थी। रामदेव इस मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे और दोनों एफआईआर को जोड़ने की मांग की थी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने टाल दिया है। सुप्रीम कोर्ट को मंगलवार को कहा कि छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने योगगुरु और पतंजलि आयुर्वेद के संस्थापक रामदेव के खिलाफ कोविड-19 महामारी के दौरान एलोपैथिक दवाओं के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर दर्ज एफआईआर के संबंध में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। इस पर जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस सतीशचंद्र शर्मा की पीठ ने पूछा कि एफआईआर को एक साथ जोड़ने की रामदेव की याचिका बरकरार नहीं रह सकती क्योंकि बिहार में केवल एक एफआईआर ही लंबित है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस घटनाक्रम की जानकारी दी। सॉलिसिटर जनरल ने टिप्पणी की कि ये एफआईआर स्पष्ट रूप से प्रायोजित व्यक्तियों द्वारा दर्ज की गई थीं। रामदेव के वकील ने अनुरोध किया कि आदेश में बयान दर्ज किया जाए। हालांकि पीठ ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि यदि शिकायतकर्ता विरोध याचिका दायर करता है तो कार्यवाही फिर से शुरू हो सकती है और इसलिए मामले का निपटारा करने से पहले बिहार में दर्ज एफआईआर की स्थिति का पता लगाया जा सकता है।

अरविंद केजरीवाल को अदालत से मिली विदेश जाने की अनुमति

सुलतानपुर (एजेंसी)। उप्र के सुलतानपुर की एक एमपी-एमएलए अदालत ने चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के मामले का सामना कर रहे आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल को विदेश यात्रा पर जाने की अनुमति दे दी। केजरीवाल के वकील रूद्र प्रताप सिंह मदन ने मंगलवार को बताया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल से संबंधित मामले की सुनवाई आठ सितंबर को हुई।

जिसके बाद अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने आदेश सुरक्षित रख लिया था और बाद में उन्हें विदेश जाने की अनुमति दे दी। आठ सितंबर को मदन ने संवाददाताओं को बताया था कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल के खिलाफ अमेठी में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया, ''इससे पहले, अदालत ने इस शर्त पर केजरीवाल को पासपोर्ट के नवीकरण की अनुमति दे दी थी कि वह विदेश यात्रा पर जाने से पहले अदालत की अनुमति लेंगे। आज, हमने अदालत से उस शर्त को हटाने का अनुरोध किया, क्योंकि उन्हें विदेश यात्रा पर जाना है। सुनवाई हुई और आदेश सुरक्षित रख लिया गया।''

उल्लेखनीय है कि अगस्त में, अदालत ने केजरीवाल को अपने पासपोर्ट का नवीकरण कराने की अनुमति दे दी थी और अदालत की पूर्व मंजूरी के बिना देश से बाहर नहीं जाने का निर्देश दिया था। केजरीवाल के खिलाफ यह मामला 2014 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा है। उस समय केजरीवाल अमेठी में आप प्रत्याशी कुमार विश्वास का चुनाव प्रचार करने आए थे। इसी दौरान अमेठी जिले के गौरीगंज और मुसाफिरखाना थाने में उनके खिलाफ आदर्श आचार संहिता का कथित तौर पर उल्लंघन करने के लिये दो मामले दर्ज किए गए थे। केजरीवाल इन मामलों में जमानत पर हैं। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर वर्तमान में इस मामले में कार्यवाही स्थगित है।

ब्रिक्स का पूरा ध्यान अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाने पर होना चाहिए:जयशंकर

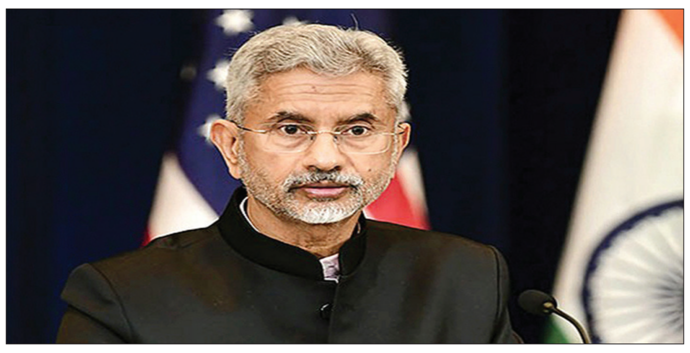

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी टैरिफ की वजह से विश्व में मची आर्थिक उथल-पुथल के बीच ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के आह्वान पर ब्रिक्स समूह की एक आपातकालीन वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शामिल हुए। जबकि भारत की तरफ से विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने इस बैठक में भाग लिया।

जयशंकर ने अपने संबोधन की शुरुआत में ही टैरिफ संकट से पार पाने के लिए समूह को एक जरूरी सुझाव देते हुए कहा कि बीते कुछ वर्षों में दुनिया का सामना भीषण चुनौतियों और संघर्षों से हुआ है। जिन्हें देखते हुए वर्तमान में ब्रिक्स का पूरा ध्यान वैश्विक अर्थव्यवस्था और वर्ल्ड ऑर्डर को स्थिर बनाने पर केंद्रित होना चाहिए। साथ ही अमेरिका का नाम लिए बगैर उसे संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि विश्व को रचनात्मकता और सहयोग की भावना के साथ व्यापार को बढ़ावा देना चाहिए। बाधाओं को बढ़ाना और वित्तीय आदान-प्रदान को जटिल बनाना कहीं से भी मददगार साबित नहीं होगा। गौरतलब है कि अमेरिका ने ब्रिक्स देशों पर ही सबसे ज्यादा टैरिफ लगाया है। जिसमें भारत पर 50 फीसदी, ब्राजील पर 50 फीसदी, चीन पर 30 फीसदी और दक्षिण अफ्रीका पर भी 30 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति ने रूस पर द्वितीयक पाबंदियां बढ़ाने को लेकर भी अपनी मंशा साफ कर दी है। जिससे रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ में और अधिक बढ़ोतरी की आशंका गहरा गई है। भारत भी इसमें शामिल है।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी से लेकर यूक्रेन, मध्य-पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों, व्यापार-निवेश संकट और अप्रत्याशित जलवायु संबंधी घटनाओं ने न केवल सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के हमारे एजेंडे की रफ्तार को धीमा किया है। बल्कि दुनियाभर में फेल हो रही बहुपक्षीय व्यवस्था के सच को भी उजागर कर दिया है। गंभीर तनाव के कई मुद्दे आज भी बिना किसी समाधान के यूं ही पड़े हुए हैं। जिनका विश्व व्यवस्था पर प्रभाव पड़ रहा है। यह एक सामूहिक चिंता का मसला है। जयशंकर ने कहा कि ब्रिक्स हालांकि विविधतापूर्ण समाज का प्रतिनिधित्व करता है। जिस पर उक्त घटनाक्रमों का गहराई से प्रभाव पड़ता है। पूर्व में समूह देश अपनी राष्ट्रीय नीतियों के मद्देनजर एक समान विचार को खोजते थे। जिसके तहत हमें आगे बढ़ना होता था। लेकिन आज हमारा ध्यान वैश्विक अर्थव्यवस्था और वर्ल्ड ऑर्डर की स्थिरता पर केंद्रित होना चाहिए। लेकिन यहां ये भी महत्वपूर्ण है कि हम अपना ध्यान संघर्षों पर भी लेकर जाएं। क्योंकि इनका विकास और सप्लाई चेन प्रभावों से सीधा संबंध है। उन्होंने ब्रिक्स के अन्य भागीदार देशों के राष्ट्राध्यक्षों का ध्यान न्यूयॉर्क में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के आगामी सत्र की ओर ले जाते हुए कहा कि यह हमारे लिए अवसर होगा। जब हम बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधारों को लेकर विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। यूएनएससी और यूएन में सुधारों की नितांत आवश्यकता पर जयशंकर ने बल देते हुए कहा कि ब्रिक्स को इसके लिए सामूहिक रूप से आवाज उठानी चाहिए।

ग्लोबल साउथ की अनदेखी पड़ेगी भारी

विदेश मंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में जारी संघर्षों का तत्काल समाधान ढूंढने की आवश्यकता है। ग्लोबल साउथ के देश खासतौर पर खाद्य, ऊर्जा और उर्वरक संकट से जूझ रहे हैं। जब शिपिंग को निशाना बनाया जाता है तो उससे केवल व्यापार ही नहीं बल्कि जीविका पर भी खतरा उत्पन्न हो जाता है। चुनिंदा संरक्षण वैश्विक जवाब नहीं बन सकता है। शत्रुता को शीघ्र समाप्त करने और कूटनीति के मार्ग पर लौटना ही एक मजबूत और वास्तविक समाधान है। उन्होंने कहा कि भले ही दुनिया नीतिगत चुनौतियों का सामना कर रही है। लेकिन हमें बड़ी समस्याओं जैसे जलवायु परिवर्तन से मुंह नहीं चुराना चाहिए। यह बेहद दुखद है कि आज की हकीकत में जलवायु कदम और जलवायु न्याय जैसे मुद्दे पिछड़ते हुए नजर आ रहे हैं। इस संबंध में हमें नए विचारों और कदमों की जरूरत है। जयशंकर ने भारत द्वारा उठाए गए ग्लोबल सोलर अलायंस, सीडीआरआई और ग्लोबल बॉयोफ्यूल अलायंस का भी उल्लेख किया।

अगले साल अप्रैल से शुरु होगी पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना

–34 लाख कर्मचारी स्मार्टफोन से इस काम को देंगे अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले साल शुरु होने वाली जनगणना देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। इस कार्य में लगने वाले 34 लाख प्रगणक यानी कर्मचारी पहली बार अपने ही स्मार्टफोन से इस काम को अंजाम देंगे। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारत के महापंजीयक द्वारा तैनात किए गए पर्यवेक्षक और ऐसे कर्मचारी जनगणना कार्य के लिए अपने एंड्रॉयड या आईओएस ऑपरेटिंग सिस्टम वाले फोन से डेटा एकत्र कर एक ऐप के जरिए सेंट्रल सर्वर में डेटा ट्रांसफर करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सभी जनगणना कर्मी इस प्रक्रिया में एक ऐसे मोबाइल एप्लीकेशन ऐप का इस्तेमाल करेंगे, जिसे 2021 की जनगणना कार्य के लिए डेवलप किया गया था। यह एप्लिकेशन एंड्रॉइड और आईओएस दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम के फोन को सपोर्ट करेगा और अंग्रेजी के साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी ऐप उपलब्ध होंगे। सूत्रों के मुताबिक चार साल पुराने इस एप्लिकेशन में अब कई तकनीकी सुधार किए गए हैं, ताकि कोई भी जनगणना कर्मी इसे सहजता और सरलता से चला सके और सेंसस के लिए डेटा उसमें अपलोड कर सके।

बता दें इससे पहले 2011 में हुई सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना में भी गणना कर्मियों ने बिना कागज के इस काम को अंजाम दिया था, लेकिन तब उन्हें इस काम के लिए टैबलेट दिए गए थे, जिसे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने उपलब्ध कराए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्ण डिजिटल जनगणना होने से 2027 की जनगणना में पहली बार सभी आवासीय और गैर-आवासीय भवनों की जियो-टैगिंग होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि किसी कारणवश अगर कोई जनगणना कर्मी कागज पर कोई डेटा इकट्ठा करता है, तो उसे एक डेडिकेटेड वेब पोर्टल पर अपलोड करना होगा ताकि बाद में उसकी स्कैनिंग करने या उस डेटा की एंट्री की जरूरत महसूस न हो। इसका मतलब यह है कि पहली बार ऐसा होगा जब जनगणना के हर तरह के आंकड़े जनगणना काम में लगे कर्मियों के स्तर पर ही डिजिटल कर दिया जाएगा। इससे जनगणना के नतीजे जल्दी आने की संभावना है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाला भारत के महापंजीयक का कार्यालय, इस पूरी प्रक्रिया की रियल टाइम निगरानी और उसका प्रबंधन करने के लिए एक वेबसाइट भी विकसित कर रहा है। आरजीआई ने जनगणना के लिए 14,618.95 करोड़ रुपए का बजट मांगा है। बता दें 2027 की जनणना दो चरणों में होगी। पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 तक चलेगा, जिसमें मकान सूचीकरण का काम किया जाएगा। इसके बाद दूसरा चरण शुरू होगा, जो फरवरी 2027 में पूरे देश में शुरू होगी। इसमें जनसंख्या गणना का काम पूरा किया जाएगा। लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में यह काम सितंबर 2026 में ही पूरा कर लिया जाएगा। आगामी जनगणना में, घर के सदस्यों की जातियों की गणना भी की जाएगी, साथ ही लोगों के पास स्वयं गणना करने का विकल्प भी होगा।

नीतीश ने सीट बंटवारे से पहले ही राजपुर सीट पर निराला को बनाया उम्मीदद्वार

पटना (एजेंसी)। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे की बातचीत से पहले जेडी(यू) ने अपनी दावेदारी पेश की है। पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजपुर सीट के लिए एकतरफा उम्मीदवार की घोषणा की है। कुछ दिन पहले ही पार्टी ने कहा था कि वे भाजपा से कम से कम एक सीट ज़्यादा पर चुनाव लड़ना चाहती है। बक्सर में पार्टी बैठक में, मंच पर वरिष्ठ भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ मौजूद नीतीश ने पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला को राजपुर से जेडी(यू) का उम्मीदवार घोषित किया। राजपुर एक अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र है।

नीतीश ने बक्सर जिले में एक घोषणा की। निराला के नाम की घोषणा होते ही सभा स्थल निराला ज़िंदाबाद और हमारा नेता कैसा हो, निराला जैसा हो जैसे नारों से गूंज उठा। निराला को मंच पर बुलाकर, नीतीश ने कार्यकर्ताओं से चुनाव में उनका समर्थन करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह एक अच्छे इंसान हैं और पहले मेरे मंत्रिमंडल में परिवहन मंत्री रह चुके हैं। निराला पहली बार 2010 में राजपुर से विधायक बने और 2015 में फिर से जीते, लेकिन 2020 के विधानसभा चुनाव में, जब जदयू ने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, कांग्रेस उम्मीदवार विश्वनाथ राम से हार गए। हार के बावजूद, नीतीश ने निराला को महादलित आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया। एक वरिष्ठ जदयू नेता ने बताया कि इस बार उनकी उम्मीदवारी जमीनी स्तर की प्रतिक्रिया पर आधारित है।

इससे पहले, नीतीश ने बक्सर जिले में 325 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें सड़क विस्तार कार्य और भारत रत्न से सम्मानित महान संगीतकार उस्ताद बिस्मिल्लह खान के नाम पर एक विश्वविद्यालय की स्थापना शामिल है। इस मौके पर नीतीश ने कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि चुनाव बस कुछ ही महीने दूर हैं। उन्होंने कहा, याद रखें कि आपका समर्थन पार्टी के कई उम्मीदवारों को राज्य विधानसभा में पहुँचाएगा। राज्य को आगे बढ़ाने के लिए हमें आपके सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है।

अयोध्या का दीपोत्सव रचेगा नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, 26 लाख से ज्यादा दीपक करेंगे रामनगरी को रोशन

अयोध्या (एजेंसी)। रामनगरी अयोध्या में एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। पर्यटन विभाग द्वारा सरयू नदी के तट, राम की पैड़ी और अन्य घाटों पर दीपों की अनूठी श्रृंखला सजाकर एक मनमोहक दृश्य प्रस्तुत किया जाएगा। इस बार अयोध्या का दीपोत्सव अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए तैयार है।

पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आयोजन की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ चल रही हैं। अयोध्या में 2017 से दीपोत्सव को भव्य और आध्यात्मिक रूप से मनाया जा रहा है। इस परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष सरयू तट पर सबसे विशाल दीप प्रज्वलन और भव्य आरती समारोह का आयोजन होगा। इस बार 26 लाख से अधिक दीपकों के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री ने कहा कि दीपोत्सव न केवल अयोध्या के सांस्कृतिक गौरव को उजागर करता है, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रसिद्धि दिलाएगा। उन्होंने बताया कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह दूसरा दीपोत्सव होगा, जिसे और भी भव्यता के साथ मनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। राम की पैड़ी और अन्य घाटों पर 26 लाख से ज्यादा दीपक जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया जाएगा।

इसके साथ ही सरयू तट पर अब तक की सबसे विशाल आरती का आयोजन होगा, जिसमें 1100 से अधिक संत-महात्मा, धर्माचार्य और स्थानीय लोग हिस्सा लेंगे। आयोजन से तीन दिन पहले तैयारियां शुरू हो जाएंगी, और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के मानकों के अनुसार डिजाइन और समन्वय का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर छात्र और स्वयंसेवक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वे दीपकों की सजावट, प्रज्वलन, गिनती और सत्यापन जैसे कार्यों को गिनीज मानकों के अनुसार पूरा करेंगे। पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, अवध विश्वविद्यालय और अन्य संस्थाएं इस आयोजन के लिए लगातार समन्वय कर रही हैं। पर्यटन और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि दीपोत्सव हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। इस वर्ष अयोध्या में होने वाला दीपोत्सव पिछले वर्षों की तुलना में और भी भव्य होगा, और इसके लिए सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

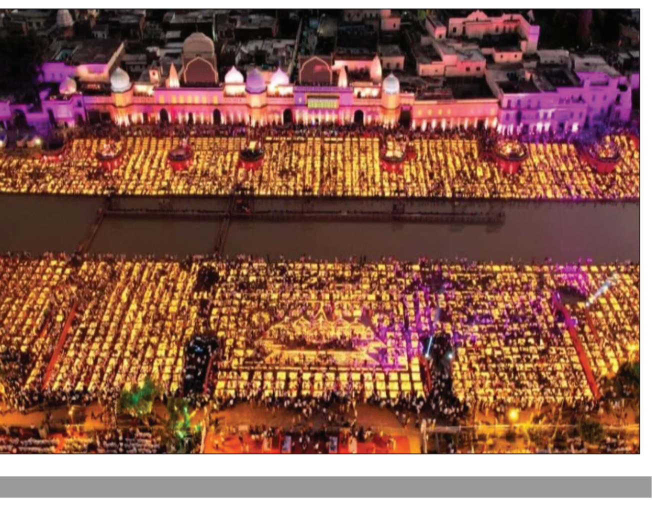

भाजपा सांसद की बहन की पिटाई: ससुर ने छह सेकेंड में मारे पांच डंडे

सहावर। फर्रुखाबाद के भाजपा सांसद मुकेश राजपूत की बहन ने ससुर और दो देवरों पर बेरहमी से पीटने का आरोप लगाया है। अवंतीबाई नगर निवासी पीड़िता का आरोप है कि ससुर व दो देवरों ने नहाते समय उनकी वीडियो बनाई और फिर मारपीट की। तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। महिला को पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़िता के मुताबिक, रविवार दोपहर करीब एक बजे वह घर में नहा रही थीं। इस दौरान ससुर लक्ष्मण सिंह और दो देवर राजेश और गिरीश ऊपर जाली से उसका वीडियो बना रहे थे। देखने पर जब उन्होंने विरोध किया तो वे गाली-गलौज करने लगे। ससुर ने लाइसेंसी राइफल से जान से मारने की धमकी दी। राइफल के बट से उन पर प्रहार कर दिया। वह जान बचाकर भागीं तो देवर राजेश ने चाकू और गिरीश ने सरिया से हमला कर दिया। इससे उन्हें काफी चोटें आईं। आरोप है कि जब वह गली में पहुंचीं तो ससुर ने मोहल्ले वालों के सामने डंडे से बेरहमी से पीटा।

बरेली में मौलाना शहाबुद्दीन रजवी का विवादित बयान

बरेली। बरेली के मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का कहना है कि भारत पहले से ही हिंदू राष्ट्र है, जबकि धीरेंद्र शास्त्री कुछ अलग ही लह में बह रहे हैं। मौलाना ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री का कहना है कि भारत में नकली मुसलमान रहते हैं। विदेशों में असली मुसलमान हैं। नकली और असली की पहचान कैसे और किस तरह की, यह उन्हें बताना चाहिए। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि हकीकत यह है कि दुनिया में सबसे पहले इंसान हजरत-ए-आदम आए थे। दुनिया में चाहे किसी भी मजहब के मानने वाले लोग हों, वह हजरत-ए-आदम की औलाद हैं। धीरेंद्र शास्त्री भी हजरत-ए-आदम की औलाद हैं। हजरत-ए-आदम मुसलमान थे। अब उनकी औलादों को क्या कहेंगे और धीरेंद्र शास्त्री को क्या कहा जाएगा? शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि यह फर्क करना है कि असली और नकली कौन है। जो नकली होता है, वही फर्क करता है। वह शोर मचाकर ढोल बजाकर फर्क करता है। असली लोग खामोश रहते हैं।

सीएम की अध्यक्षता में डीएम, एसडीएम, सब-रजिस्ट्रार के साथ की गई समीक्षा बैठक

प्रथम पृष्ठ का शेष

ताकि आम नागरिकों की समस्याओं का सीधे समाधान किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन जनसुनवाई कार्यक्रमों का विस्तृत शेड्यूल मुख्यमंत्री कार्यालय को समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने लंबित प्रमाणपत्रों (आय, जाति आदि) का निपटारा शीघ्र करने के आदेश दिए। उन्होंने अधिकारियों से प्रमाणपत्रों से संबंधित नीतियों में सुधार करने के लिए सुझाव भी देने को कहा। मुख्यमंत्री ने उन्हें यह भी आदेश दिए कि बाढ़ से जिन किसानों की खेती को नुकसान पहुंचा है, उनकी सूची तैयार की जाए ताकि सरकार की ओर से उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने एक विशेष बात भी कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट अभियान का असर पूरे देश में हो रहा है। अधिकारियों को भी इसी अभियान के तहत दिल्ली के प्रत्येक जिले की विशेषता और उत्पाद की पहचान करनी चाहिए ताकि उनकी मार्केटिंग व ब्रांडिंग की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस दिशा में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ काम करना होगा। दिल्ली का संपूर्ण विकास करना हम सरकार के जिलों व नगर निगम के जोन के बीच समन्वय बना रहे हैं ताकि लोगों के काम भी आसानी से हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रशासनिक कार्यप्रणाली में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए वार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम की शुरुआत करेगी। इसके तहत हर साल उन अधिकारियों और विभागों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में अनुकरणीय प्रदर्शन किया है। इनमें बेस्ट इंजीनियर, बेस्ट विभाग, बेस्ट एसडीएम और बेस्ट डीएम जैसी श्रेणियों में चयन किया जाएगा, ताकि अच्छा काम करने वालों को पहचान और प्रेरणा मिल सके।

डॉ पंकज ने नि:शुल्क 'लिवर हेल्थ कैंप' और परामर्श शिविर का उद्घाटन किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

'लिवर हेल्थ कैंप' के उद्घाटन के अवसर पर मौजूद रहे इंस्टिट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (इल्बस) के के निदेशक एवं नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर एस के सरीन ने स्वास्थ्य मंत्री के इस पहल की दिल खोलकर सराहना की। उन्होंने लिवर स्वास्थ्य के लिए समय-समय पर लिवर की जांच कराने और जीवनशैली में बदलाव लाने के महत्व को शिविर में पहुंचे लोगों को समझाया। 'लिवर हेल्थ कैंप' के उद्घाटन के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि आज भारत में हर चार में से एक नागरिक फैटी लिवर से प्रभावित है। लिवर रोग भारत में एक साइलेंट और बेहद तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य चुनौती बनती जा रही है। हमारा मकसद ऐसे शिविरों के माध्यम से समाज के हर तबके के नागरिकों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाना है। साथ ही लिवर की बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना और समय रहते इलाज सुनिश्चित करना है। ताकि हर नागरिक लंबा और स्वस्थ जिंदगी जी सकें। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने दिल्लीवासियों से इस नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की करते हुए कहा कि लिवर की जांच कराने के लिए खाली पेट रहना जरूरी है। यह पहल दिल्ली सरकार के स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली और स्वास्थ्य की गहन देखभाल के साथ जन-जागरूकता पर निरंतर फोकस का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य दिल्ली के प्रत्येक नागरिकों को उनके घर के आस-पास ही समय पर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है।

नापाक थे नसीम के इरादे: पत्नी के फोन ने खोली पोल, सबूत देख खौला पति का खून

कौमी पत्रिका

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बिसरख कोतवाली पुलिस ने बढ़ई की हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए आरोपी चचेरे भाई को पैरामाउंट चौराहे से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इकरार सैफी उर्फ मोटा (25) निवासी अमरोहा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से मृतक का आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड, फोटो और बाइक की चाबी बरामद की है। आरोपी ने पत्नी से अवैध संबंध के शक व वीडियो कॉल पर बात करने के कारण चचेरे भाई की धक्का-मुक्की के बाद गला दबाकर हत्या की थी। फिर शव को नाले में फेंककर फरार हो गया था। 2 सितंबर को पुलिस को ऐस सिटी और जलपुरा के समीप नाले में संदिग्ध हालत में एक शव मिला था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा था। परिजन ने शव की शिनाख्त अमरोहा के नसीम के रूप में की थी। मृतक के भाई ने रिश्तेदारी में चचेरे भाई इकरार पर हत्या का शक जताते हुए केस दर्ज कराया था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला पर चोट की बात सामने आई थी। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि हत्या की इस वारदात का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस टीम ने लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस का सहारा लिया। टीम ने आरोपी का लोकेशन ट्रेस कर रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी और मृतक नसीम दोनों चचेरे भाई थे। दोनों शादीशुदा थे और पिछले चार साल से गांव ऐमनाबाद में किराए पर मकान लेकर अलग-अलग रहते थे। दोनों ही बढ़ई (कारपेंटर) का काम करते थे। नसीम अक्सर उसकी पत्नी को अलग-अलग नंबरों से वीडियो कॉल करता और गांव आने पर उस पर बुरी नजर रखता था। इस बात को लेकर आरोपी ने कई बार उसे समझाया लेकिन नसीम अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। आरोपी को शक हो गया कि पत्नी के नसीम के साथ अवैध संबंध हैं। इस कारण ही उसने हत्या की साजिश रची। घटना के दिन 2 सितंबर को जलपुरा के समीप एक क्रिकेट मैदान में था। तभी उसकी पत्नी का फोन आया कि नसीम उसे लगातार वीडियो कॉल कर परेशान कर रहा है। इस पर आरोपी आगबबूला हो गया और उसने नसीम को फोन कर बहाने से क्रिकेट मैदान बुला लिया। नसीम अपनी बाइक से वहां पहुंच गया। दोनों जब जलपुरा गांव से पहले बिजलीघर के पास पहुंचे तो आरोपी ने बाइक रोक ली और नसीम से कहा कि वह उसकी पत्नी को फोन क्यों करता है। इसी दौरान आरोपी ने नसीम से उसका मोबाइल फोन मांगा, लेकिन उसने देने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों में पहले जमकर कहासुनी और फिर धक्का-मुक्की हो गई। तभी आरोपी ने गुस्से में नसीम को जमीन पर पटक दिया और उसका गला दबाकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपी ने मृतक की जेब से पर्स निकाला था। जिसमें आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड और फोटो थे। वारदात को छुपाने के लिए आरोपी ने शव को पास की नाले में फेंक दिया था। आरोपी ने वारदात को अंजाम देने के बाद पकड़े जाने के डर से अपना मोबाइल बंद कर दिया था। वहीं एसीपी सेंट्रल नोएडा दीक्षा सिंह का कहना है कि आरोपी की शादी करीब सात साल पहले हुई है। उसका एक आठ माह का बच्चा भी है। आरोपी मृतक के घर से कुछ ही दूरी पर रहता था। आरोपी को सोमवार को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है। आरोपी कुछ माह पहले ही पत्नी के मोबाइल में फोन कॉल हिस्ट्री देख भड़का था। नसीम आरोपी की पत्नी से अश्लील बातें करता था। आरोपी ने अपनी पत्नी को भी चेतावनी दी थी कि वह नसीम से बात न करे। अगर नसीम उसे फोन करे तो वह इसकी सूचना आरोपी को दे। आरोपी पत्नी से अवैध संबंध के शक में मारपीट भी करता था। यह कारण था कि घटना के दिन पत्नी ने ही आरोपी को फोन कर नसीम का फोन आने की बात बताई थी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि मृतक कब और कैसे आरोपी की पत्नी के संपर्क में आया।

लॉटरी निकलने का झांसा देकर 95 हजार की ठगी

खानपुर। नगर के मोहल्ला वैश्यान में लॉटरी निकलने का झांसा देकर 95 हजार की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस व साइबर क्राइम को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। नगर के मोहल्ला निवासी पीड़ित प्रदीप कुमार ने शिकायत देकर बताया तीन दिन पूर्व उनकी पत्नी सुनीता के फोन पर अज्ञात नंबर से एक कॉल आई थी। कॉल कर्ता ने बताया कि उनकी लॉटरी निकली है। आरोपी ने कहा कि उन्हें लॉटरी की रकम पाने के लिए कुछ फीस जमा करनी होगी। इसके बाद उनकी पत्नी शातिर के झांसे में आ गईं। आरोपी ने उनकी पत्नी के बैंक खाते से 95,700 रुपये ट्रांसफर कर लिए। कुछ देर बाद पीड़ित पक्ष ने आरोपी के नंबर पर कॉल की तो नंबर बंद आ रहा था। इसके बाद उन्हें अपने साथ हुई ठगी की जानकारी हुई। अपराध निरीक्षक हिरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले में पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर अज्ञात ठग के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, एक गिरफ्तार

बुलंदशहर। देहात कोतवाली क्षेत्र के गांव कुड़वल बनारस में मटर-कुलचे की रेहड़ी लगाने वाले रवि कुमार की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी रविंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि, आरोपी रविंद्र के दोनों पुत्र अभी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। गांव कुड़वल बनारस निवासी श्रीपाल सिंह की तहरीर के आधार पर थाना पुलिस ने गांव निवासी आरोपी रविंद्र सिंह, उसके पुत्र अर्जुन व तुषार के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। तहरीर में श्रीपाल ने बताया था कि उनका 40 वर्षीय पुत्र रवि कुमार गांव के ही गेट के पास मटर-कुलचे की रेहड़ी लगाता था। रेहड़ी के सामने ही गांव निवासी एक व्यक्ति सब्जी की दुकान करता है। गत चार सितंबर को आरोपी सब्जी विक्रेता ने उनके पुत्र की रेहड़ी से मटर-कुलचे की एक प्लेट मंगाकर खाई थी, जिसके 30 रुपये उसने उधार कर दिए थे। शुक्रवार की सुबह उनके पुत्र रवि ने आरोपी से 30 रुपये मांगे। जिस पर आरोपी भड़क गया और गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने अपने दोनों पुत्रों को भी लाठी-डंडे लेकर मौके पर बुला लिया। इसके बाद आरोपियों ने रवि को लाठी डंडो से हमला कर घायल कर दिया। आरोप है कि आरोपियों ने रवि को सड़क पर गिराकर बुरी तरह पीटा था

गारंटी बॉन्ड की शर्त का एसैप ने किया विरोध

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव को लेकर प्रशासन और छात्रों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। आम आदमी पार्टी की छात्र इकाई एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर ऑल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एसैप) ने डीयू प्रशासन की ओर से चुनाव लड़ने वाले छात्रों से उनके माता-पिता की ओर से एक लाख रुपये का गारंटी बॉन्ड मांगने के आदेश का कड़ा विरोध किया है। एसैप की प्रतिनिधि ईशना गुप्ता ने कहा कि यह आदेश गरीब और महिला छात्रों को चुनाव लड़ने से रोकने की साजिश है। जिन छात्रों के माता-पिता दिल्ली से बाहर रहते हैं, वे 10 सितंबर तक इस बॉन्ड पर हस्ताक्षर कैसे करवा पाएंगे? यह शर्त छात्रों के लिए अतिरिक्त बोझ है और महिला उम्मीदवारों की भागीदारी को भी प्रभावित करेगी। उन्होंने कहा कि पहले कोर्ट ने छात्रों की अपील पर एक लाख रुपये का बॉन्ड जमा करने का प्रावधान रद्द कर दिया था, लेकिन अब नया गारंटी बॉन्ड थोप दिया गया है। ईशना ने आरोप लगाया कि बॉन्ड में छात्रों और उनके माता-पिता की व्यक्तिगत जानकारी, बैंक विवरण और एक क्षतिपूर्ति वचनपत्र मांगा गया है। इसे पढ़कर कोई भी माता-पिता घबरा जाएंगे और हस्ताक्षर करने से इन्कार कर सकते हैं। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित होगी। उन्होंने सवाल उठाया कि बाढ़ प्रभावित राज्यों से आने वाले छात्रों के माता-पिता दिल्ली तक कैसे पहुंचेंगे? वरिष्ठ छात्र नेता आशु बिधूड़ी ने कहा कि छात्र संघ चुनाव लिंगदोह समिति के दिशा-निर्देशों और डूसू संविधान के तहत होते हैं। इनमें कहीं भी बॉन्ड जमा करने की शर्त नहीं है। डीयू प्रशासन का यह फैसला अवैध है और गरीब छात्रों को चुनाव प्रक्रिया से बाहर करने की कोशिश है। यह कदम अमीर और साधारण छात्रों के बीच भेदभाव पैदा करता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की जिम्मेदारी कैंपस में तोड़फोड़ रोकने और चुनाव निष्पक्ष कराने की है, लेकिन वह अपनी जिम्मेदारी छात्रों पर थोप रहा है।

NAME CHANGE
I, LOPARANI is a legally wedded spouse of No. 14651948N Rank HAV Name OM PRASAD ROY presently residing at VILL-BACHAMARI GOVT. COLONY, PO-BACHAMARI, TEH-MALDA, DIST-MALDA (WEST BENGAL)-732142 have changed my name from LOPARANI to LOPARANI ROY for all future purposes. Vide affidavit dated 09/09/2025 before Sub Divisional Magistrate, New Delhi.

NAME CHANGE
I, SARDHA BK is legally wife of no 13772310N Rank Hav Name Bidhan BK is presently residing at Vill – Garidhura Jorebunglow, PO – Ghoom, Teh – Jorebunglow, Distt-Darjeeling (WB) have changed my name from SARDHA BK to SHARDHA BK Vide Affidavit No. IN-DL51363527764809X Dated 09/09/2025 before Notary Public New Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Neetu Singh is the owner of Freehold Upper Ground Floor of property bearing new no. B-45 and Old no. 53 area measuring 65 sq. yds., out of Khasra no. 443/204 Min, situated in the abadi of Lal Dora of Village Masoodpur, Tehsil Vasant Vihar, New Delhi 110070. by virtue of Gift Deed dated 29.08.2025 duly regd., in the Office SR-Sarojini Nagar-Delhi, as doc no. 2025/8/I/5676 Vol no. 4088 book no. 1 on pages 25-40 on dated 29.08.2025., in the Chain Document below mentioned document not available i.e. Probate Order of Will dated 09.05.1996, Death Certificate & SMC of Late Kehar Singh, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Jhandewalan, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, Mahmud S/o Hafeejul R/o Nangli Road Ekta Colony, Near Maria Manzil School, Ward No.02, Nuh, Mewat, Haryana-122107 have changed my name to Mahmood.

NAME CHANGE
I PARVEEN BEGUM S/O ABDUL REHMAN R/O 3192 PHATAK TELIYAN, TURKMAN GATE DELHI-110006 HAVE CHANGE MY NAME TO PARVEEN BANO FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
It is for general information that I, GULSHAN SETHI S/o T.N. SETHI R/o 2/42 A, Moti Nagar, VTC: Ramesh Nagar H.O, District: West Delhi, State: Delhi, Pin Code: 110015, declare that name of my wife has been wrongly written as HEEMANI SETHI in my minor son namely BHAVISH SETHI aged 15 years in his 10th class Educational Documents. The actual name of my wife is HIMANI SETHI.

NAME CHANGE
It is for general information that I, HARISH KUMAR PANDEY S/O MANGLA PRASAD PANDAY R/O H.NO-20/431, KALYAN PURI DELHI-110091, declare that name of my minor son has been wrongly written as LAKSHAY in my minor son's namely LAKSHAY PANDEY aged 14 years in his School Records. The actual name of my minor son is LAKSHAY PANDEY which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto Known as NIKHIL CHAUHAN S/o GOPAL CHAUHAN residing at Plot No.-11, KH No. - 482, Back Right Portion, 3rd Floor, Shakti Enclave, Lake View Appt., Shalimar Palace, Burari, North Delhi, Delhi - 110084 have changed my name and shall hereafter be known as NIKKHHIL CHAUHAN.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHD ABID S/o NASEEM AHMAD R/o E-215/2, Abul Fazal Enclave Part - 2, Jamia Nagar, PO: New Friends Colony, Dist: South Delhi, Delhi - 110025, declare that the name of mine has been wrongly written as ABID in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is MOHD ABID , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as Vimla alias Bemla D/O Banwari Lal W/O Ram Babu, R/O H NO-A-1/160, Gali N0-4, Harsh Vihar, DELHI, North East, Delhi - 110093, have changed my name and shall hereafter be known as Vimla.

PUBLIC NOTICE
This is to inform you that original receipt no (1) S0061744 Date- 21/11/2007 Amt-126,562.50 (2) S0064253 Date-24/12/2007Amt-118,000.00 (3) S0068523 Date- 25/02/2008 Amt-104,950.00 (4) S0070598 Date-24/03/2008Amt-13,300.00 (5) S0073703 Date- 09/05/2008 Amt-118,125.00 (6) S0076179 Date- 20/06/2008 Amt-118,150.00 (7) S0080333 Date-03/09/2008 Amt-118,125.00 (8) S0083221 Date- 11/11/2008 Amt-118,100.00 (9) S0086151 Date-20/03/2009Amt-118,125.00 By Parsvnath Developers Limited as per my booking property number D-150 in Parsvnath City Indore
All original receipts and other documents have been missing and will not misuse in future if someone misuse in future it will not be valid if it will be found then please send me my address - G-212, Naraina Vihar, Delhi-110028

NAME CHANGE
I, GURPEET KAUR BASSAN W/O NAVJEET SINGH BASSAN R/O H NO 737, GROUND FLOOR SECTOR-46, GURGAON HARYANA-122001 I HAVE CHANGED MY NAME TO GURPREET KAUR FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Abdul Haq purchasing Freehold Residential Entire Property No. 169/1-A area measuring no. 89 Sq. yds. Situated at Gali No. 6, Than Singh Nagar, Anand Parbat, New Delhi 110005. from Mr. Sandeep Jain & Tarun Jain., initially Mr. Satish Jain S/o Late Mr. Gulab Chand Jain was the absolute owner by virtue of GPA, ATS & Will (Notarized) Dated 06.04.2000., thereafter Mr. Satish Jain S/o Late Mr. Gulab Chand Jain died on 07.11.2016.,our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Loni, Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, SUKKHA SINGH Father of No.-19001610K Rank-HAV Name-ATINDER PAL SINGH Presently residing at VPO-MARDAN HERI, TEH-ASSANDH, DIST-KARNAL, HARYANA-132039, have changed my name from SUKKHA SINGH to SUKHA SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 09/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,Uma Kumari Jaiswal w/o Vipul Jaiswal R/o House No.306A, Gali No.05, Ganga Ram Colony, Surya Vihar Part-2, Amar Nagar, Faridabad-121003 have changed my name to Uma Kumari for all future purposes

PUBLIC NOTICE
It is for general information I, JITENDER KUMAR PANDIT, S/O VISHNU DEV PANDIT, H.N.30, GALI N-12, GUPTA ENCLAVE, VIKAS NAGAR, UTTAM NAGAR, DIST: West Delhi, Delhi-110059 declare that name of mine and My Wife has been wrongly written as JITENDER and SUNENA in my minor daughter namely SIMRAN aged 14 years in his School Records. The actual name of mine and my wife are JITENDER KUMAR PANDIT, and SUNAINA DEVI, respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, JAISHREE DEVI SPOUSE OF NO.GS 175695K, RANK- DVR /MT-1, NAME JAI PAL SINGH, UNIT HQ DGBR NARAYANA RING ROAD DELHI CANTT DELHI 110010 R/O VILL VILL-JONHPUR, PO-KOTDWARA, TEH- KOTDWARA, DISTT-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND, PIN-246149, have changed my name from JAISHREE DEVI to JAISHRER DEVI. And have changed my date of birth from 01/01/1972 (22 years) to 01/01/1974 for all future purposes. Vide affidavit dated 09.09.2025. Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, MUNISH KAUSHIK is Son of. No. GO-005031K Rank-AEE (E&M) , Name- JAI NARAYAN KAUSHIK UNIT- HQ DGBR SEEMA SADAK BHAWAN, RING ROAD DELHI CANTT, NEW DELHI-110010, R/o 57, SECTOR-3, RADHA CITY, GOVERDHAN ROAD SADOLA, SATOHA ASGARPUR, MATHURA, UTTAR PRADESH-281004, have changed my name from MUNISH KAUSHIK to MUNESH KAUSHIK for all future purposes. Vide affidavit dated 09.09.2025. Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, Rathindra Nath Chaudharie S/O Amrendra Nath Chaudharie R/O M-1006, 10th Floor, Amrapali Silicon City ,Sector-76, Noida Gautam Buddha Nagar-201301, Have changed my name to Rathin Chaudharie for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Shama parveen W/O Noor Islam R/O A-37 Second Floor Flat No-202, Shaheen Bagh Abul Fazal Enclave-2 Jamia Nagar Okhla South Delhi-110025, Have changed my name to Shama Noor for all future purposes.

NAME CHANGE
I, K JAYASRI Wife of JC-806087K Rank-SUB Name-T SAKIBANDA BANDAIAH Presently residing at VPO-T SAKIBANDA, TEH-HALAHARVI, DIST-KURNOOL, ANDHRA PRADESH-518348, have changed my name from K JAYASRI to KURUBA JAYASRI for all future purposes vide Affidavit dated 09/09/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलगण श्री राज कुमार दीक्षित व उनकी पत्नी श्रीमति श्रीदेवी दीक्षित, निवासिगण म. न. K-1/579, गली नंबर-18, संगम विहार, नई दिल्ली-110080, ने अपने पुत्र अरुण दीक्षित व पुत्रवधू सपना पत्नी अरुण दीक्षित से उनके गलत आचरण व असभ्य बर्ताव की वजह से उनसे अपने सभी तरह के रिश्ते-नाते समाप्त कर लिए है व उन्हे अपनी सभी प्रकार की चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है। यदि भविष्य मे कोई भी व्यक्ति मेरे मुवक्किलगण के उपरोक्त पुत्र व पुत्रवधू से किसी भी प्रकार का कोई भी लेनदेन या कार्य करता है तो मेरे मुवक्किलगण या उनके परिवार का कोई भी सदस्य उनके लेनदेन या कार्य का जिम्मेदार नहीं होगा।
निधि एडवोकेट,
चैम्बर न. 336, साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स,
नई दिल्ली 110017.

NAME CHANGE
I, Swati Brahma Gupta W/O Brahma Kumar Gupta R/O Flat No-123, Block Ferrara Mahagun Mezzaria, Sector-78 Noida Gautam Budha Nagar Uttar Pradesh-201301 Have changed my name to Swati Garg for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Mohd Saud Farooqui S/O Mohd Alim Uddin Fareedee R/O N-85 3rd floor, Batla House Jamia Nagar Okhla South Delhi 110025, declare that the name of my father has been wrongly written as Mohd Alim in my educational documents and Mohammad Alim Uddeen Fareedee in my passport (No–W6900569). The actual name of my father is Mohd Alim Uddin Fareedee. which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Mohd Alim Uddin Fareedee S/O Mohd Faizyab Fareedee R/O N-85 3rd floor, Batla House Jamia Nagar Okhla South Delhi 110025, declare that the name of mine has been wrongly written as Mohd Alim in my minor son (Mohd Adyan Farooqui, aged - 15 years) educational documents and Mohammad Alim Uddeen Fareedee in his passport (No-P8392548). The actual name of mine is Mohd Alim Uddin Fareedee. which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Ashoka Dwivedi w/O KAMALA KANT DWIVEDI R/O B-396 B-Block Fali No-29 Mahavir Enclave Part-2 West Delhi 110059 have changed my name and shall hereafter be known as Usha Dwivedi.

NAME CHANGE
I, Amit s/O Naresh Kumar Pal R/O D-14 Block-V Bhagwati Vihar Uttam Nagar West Delhi 110059 have changed my name and father name and shall hereafter be known as Amit Kumar s/o Naresh Kumar.

NAME CHANGE
I, KRATIKA is daughter of No. No. GO-005031K Rank-AEE (E&M) , Name- JAI NARAYAN KAUSHIK UNIT- HQ DGBR SEEMA SADAK BHAWAN, RING ROAD DELHI CANTT, NEW DELHI-110010, R/o 57, SECTOR-3, RADHA CITY, GOVERDHAN ROAD SADOLA, SATOHA ASGARPUR, MATHURA, UTTAR PRADESH-281004. have changed my name from KRATIKA to KRATIKA KAUSHIK for all future purposes. Vide affidavit dated 09.09.2025. Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किला कमलेश पत्नी श्री मदन लाल निवासी म. नं. 16, रतिया मार्ग, संगम विहार, नई दिल्ली-110080 ने अपने पुत्र मोहित को उसके गलत आचरण व दुव्यर्वहार करने तथा नियंत्रण से बाहर होने के कारण उससे अपने सभी प्रकार के पारिवारिक संबंध विच्छेद करते हुये उसे अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और आज के बाद से मेरे मुवक्किला कमलेश का उसके पुत्र मोहित से किसी भी अच्छे बुरे कार्य या लेन-देन के लिए जिम्मेदार नही होगी।
सूर्य भूषण प्रभाकार अधिवक्ता
Ch. No. 415
Lawyers Chamber Block
New Delhi-110017

NAME CHANGE
I, Amit Singh S/O Rajender Singh R/O Flat No. 204,Aster-3, Supertech Emerald Court, Sector -93A, Noida Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201304, have changed the name of my minor Son Navuday aged 13 years and he shall hereafter be known as Navuday Singh

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS INFORMED THAT I SMT SUMARI DEVI WIFE OF LATE RAM ANUJ, RESIDENT OF 16/3166, AMRIT KAUR PURI, TANK ROAD, KAROL BAGH, CENTRAL DELHI-110005 I HAVE LOST THE ORIGINAL OWNERSHIP DOCUMENTS OF MY PROPERTY 16/3166, AMRIT KAUR PURI, TANK ROAD, KAROL BAGH, CENTRAL DELHI-110005 MEASURING 12 SQ. YDS APPROX DURING TRAVEL AND THE SAME ARE NOT TRACEABLE. ANYBODY FOUND THE SAME PLEASE RETURN TO ME AT MY AFORESAID ADDRESS AND THE FOUNDER WILL BE GIVEN HANDSOME REWARD.

NAME CHANGE
I, SANJU wife of No.-6944627F, Rank-NK, Name-SUBHASH CHANDRA residing at VPO-NIWAI, TEHSIL-NAWALGARH, DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333305, have changed my name from SANJU to SANJU DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 09/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-15816086F, Rank-HAV (CLKSD), Name-VISHNU KUMAR TIWARI residing at H.NO-155, LAXMAN NAGAR, STREET NO-1, GAISPURA, LUDHIANA, PUNJAB-141014, have changed my father's name from GIYA PRASAD to GAYA PRASAD for all future purposes vide Affidavit dated 09/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, GULZAR AHMAD S/O NOOR AHMED R/O H NO-700/27, SECOND FLOOR FRONT SIDE, GALI NO-21, VIJAY PARK, MAUUJPUR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME GULZAR AHMED FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, NADEEM S/O RIYASAT ALI R/O H NO-C-12/383, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME NADEEM TOMER FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, Naila Jabeen D/o Mohd Fazle Mubeen R/o House No- 4005, Gali Khan Khana Urdu Bazar Jama Masjid Delhi 110006 have changed my name to Naila Mubeen permanently

NAME CHANGE
I, SURAT S/O BARFI RAM residing at 170/3 railway colony, kishan ganj, delhi 110007. have changed my name to SURAT SINGH for all future purposes

NAME CHANGE
I,hitherto known as Vinod Kumar Aggarwal alias Vinod Garg S/O: Tara Chand , R/O House No. 72, U/P/F, KH No. 3/20, Gali No. 15, Extn. -4 Block - D, Nangloi, PO: Nangloi, DIST:West Delhi, Delhi, 110041, have changed my name and shall hereafter be known as VINOD GARG.

NAME CHANGE
I, MANJEET KAUR Wife of No.-3400928A Rank-NK Name-KARNAIL SINGH Permanent Address VILL-NARDI BALA, PO-BALA, TEHSIL-AKHNOOR, DISTT-JAMMU, J&K-181201, have changed my name from MANJEET KAUR to MANJEET KOUR for all future purposes vide Affidavit dated 09/09/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.-3400928A Rank-NK Name-KARNAIL SINGH Permanent Address VILL-NARDI BALA, PO-BALA, TEHSIL-AKHNOOR, DISTT-JAMMU, J&K-181201, have changed my minor daughter's name from MANPREET KAUR to MANPREET KOUR for all future purposes vide Affidavit dated 09/09/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Moh Shahid Saifi S/O Fakhruddin Saifi, R/O Khasra No 06, Mugal Garden, Piplehda, Hapur, Uttar Pradesh - 245101, have changed my name and shall hereafter be known as SAHIL SAIFI.

NAME CHANGE
I, SURENDER KUMAR S/O DAYA NAND, residing at PLOT NO-27, UPPER GROUND FLOOR BLOCK-C, PKT-2, SECTOR-11, ROHINI, DELHI-110085.have changed my name to SURENDER GOEL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NO-15222175Y Rank-HAV(OFC) Name-RATHOD AMITKUMAR RAMASI residing at VILL-AMBALIYA, PO-NANDIYA, TEHSIL-MANAVADAR, DIST-JUNAGADH, GUJARAT-362625, have changed my wife's name from PRAVEENA to PRAVINABEN RATHOD for all future purposes vide Affidavit dated 09/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-15222175Y Rank-HAV(OFC) Name-RATHOD AMITKUMAR RAMASI residing at VILL-AMBALIYA, PO-NANDIYA, TEHSIL-MANAVADAR, DIST-JUNAGADH, GUJARAT-362625, have changed my minor son's name from MIHIT to MIHIT AMITKUMAR RATHOD for all future purposes vide Affidavit dated 09/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, DHARMENDRA KUMAR MISHRA S/O DIGVIJAY MISHRA R/o K-203, K-BLOCK, KALIBARI MARG, NEW DELHI-110001, declare that name of my minor son namely SAURYA KUMAR MISHRA, aged 14 years have been wrongly written as SHAURYA KUMAR MISHRA in his school records and SHAURYA MISHRA in his AADHAR CARD NO-4778 7890 1670 The actual name of my minor son is SAURYA KUMAR MISHRA respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I hitherto known as GULSHAN S/O LATE SH. OM PRAKASH R/o A-1/595, First Floor, Sector-6, Rohini, Delhi-110085, have changed my name and shall hereafter be known as GULSHAN KAPOOR.

NAME CHANGE
I,Mandip Kaur Gill w/o Tajinder Singh Gill R/o H.No.C-56,East of Kailash Sriniwaspuri, Delhi-110065,have changed my name to Mandeep Kaur Gill for all future purposes

NAME CHANGE
I hitherto known as Gouri Kumari Sharma alias Khushi Sharma D/O: Sanjay Kumar Sharma, R/O C-801, 8th FLOOR, UMANG WINTER HILLS, DWARKA MOR, VTC: Sewak Park, PO: D.k Mohan Garden, Dwarka, West Delhi, State: Delhi, 110059, have changed my name and shall hereafter be known as KHUSHI Sharma.

NAME CHANGE
I, SUNITA SINGH Wife of No. 15727147Y Rank-NK Name-JITENDRA SINGH Presently residing at VPO-HARNAUL, TEH-MANT, DIST-MATHURA, UTTAR PRADESH-281202, have changed my name from SUNITA SINGH to SUNITA for all future purposes vide Affidavit dated 09/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,HARENDRA S/O DEVI SINGH RANA R/O H.NO 111-A J AND K POCKET DILSHAD GARDEN DELHI-110095 I have changed my name to HARINDER RANA Permanently

NAME CHANGE
I,ROHIT S/o Kishan Kumar R/o H.No.1052, Habat Pura, Behind Jain Mandir, Najafgarh, Delhi-110043 have changed my name to ROHIT KUMAR permanently

NAME CHANGE
I,VISHAL S/o Trilok Singh Thakur R/o C-52, 4th Floor, Street No.6, West Vinod Nagar, Delhi-110092 have changed my name to VISHAL THAKUR permanently

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Pradeep Kumar is the owner of Freehold Commercial Shop bearing No. 16, on Ground Floor, Super area measuring 36.99 Sq. Mtrs., approx. (398 Sq. Ft.,), situated in the Group Housing Scheme in the revenue Village Badshahpur, Sector-70, Gurugram, Haryana. by virtue of Transfer Deed Blood Relation dated 11.08.2025 duly registered with the concerned Sub-Registrar of Assurances-Badshahpur, as Document No. 6822, in Book No. 1, Volume No. 639/2385, pages 46.5/41-45, registered on 11.08.2025., till date and has lost/Misplace his (1) Original Allotment Letter dated 13.03.2014, (2) Original Buyer Agreement & (3) Original Possession Certificate & Original Conveyance Deed dated 25.03.2014 duly registered with the concerned Sub- Registrar of Assurances-Gurgaon, as Document No. 29465, in Book No. 1, Volume No. 13070/3477, pages 168/62-62, registered on 25.03.2014. it was executed in favour of Mr. Ishwar Singh, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Gurgaon, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
It is for general information that MEENU SAINI W/O MANOJ KUMAR, R/O A-39, Gali No 2, Brahampuri, Garhi Mendu, North East Delhi, Delhi-110053 declare that name of mine has been wrongly written MEENU in my minor son ANUTAKSH SAINI aged 14 years in his School Records. The actual name of mine is MEENU SAINI which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I SUNIL KUMAR CHAURISIA S/O Ram Lakhan Bhagat R/O E-84, Rao Vihar, Nihal Vihar, Gali No-5, Nangloi, Nilothi, West Delhi - 110041, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Sunil Kumar Chourasiya and Bindu in my minor daughter namely Anuradha Kumari aged 13 years in her school record.The actual name of mine and my wife are SUNIL KUMAR CHAURISIA and Bindu Devi, which may be amended acordingly.

NAME CHANGE
It is for general information I, UBAID UR REHMAN S/o SAEED UR REHMAN, R/o H NO-663, GALI MEM WALI, PHATAK AZIZ ABADI, JAMA MASJID, DELHI-110006, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as UBED UR REHMAN and TASLEEMA in my minor son namely AHMAD UR REHMAN, aged 15 years in his School Records. The actual name of mine and my wife are UBAID UR REHMAN and TASLIMA respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Amar Lal Arora is the owner of Freehold Residential Portion of Plot No. 15, Southern Side, area measuring 35 Sq. Yds., out of Mustatil No. 41, Kila No. 15, situated in the area of Village Shakurpur Siri Nagar, Shakur Basti, Delhi. by virtue of Regd. Will Dated 10.06.2010 as Doc. No. 2453, in Book No. 3, Vol. No. 129, on Pages 32-34, on Dated 10.06.2010, SR- VIA, New Delhi., in the Chain Document below mentioned document not available i.e. Probate Order for Regd. Will., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mrs. Guddi and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Pitampura, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बेरी नवरात्र मेले की तैयारी शुरू 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद

एजेंसी

झज्जर। बेरी में लगने वाले आश्विन मेले की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। अतिरिक्त उपायुक्त जगनिवास ने धर्मनगरी बेरी में मां भीमेश्वरी देवी मंदिर परिसर में लगने वाले नवरात्र मेला को लेकर झज्जर लघु सचिवालय स्थित सभागार में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बैठक में 22 सितंबर से 30 सितंबर तक तक लगने वाले नवरात्र मेला के दौरान धर्मनगरी बेरी आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक प्रबंधों को लेकर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्य मेला 28 सितंबर से 30 सितंबर को होगा। एडीसी जग निवास ने कहा कि बेरी मेला में सप्तमी और अष्टमी के दिन मां भीमेश्वरी देवी के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में मेला के पिछले अनुभवों के आधार पर श्रद्धालुओं का अनुमान लगाते हुए मेला परिसर में सुरक्षा व अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेला परिसर में ड्यूटी देने वाले कर्मचारियों को पहचान पत्र संबंधित विभाग द्वारा जारी किए जाएंगे। साथ ही पार्किंग, सुरक्षा, पीने के पानी, रात्रि के समय रोशनी के इंतजाम, स्वास्थ्य सुविधाएं, अस्थायी शौचालय, सीसीटीवी, माइक सर्विस, अग्निशमन सेवाएं आदि इंतजामों की व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

उपायुक्त ने नेशनल अवार्डी शिक्षिका सुनीता ढुल को किया सम्मानित

सोनीपत। जिला प्रशासन की ओर से राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड प्राप्त शिक्षिका सुनीता ढुल को सम्मानित किया गया। उपायुक्त सुशील सारवान ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्ट कार्य कर उन्होंने जिले व प्रदेश का नाम देशभर में रोशन किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की मेहनत और समर्पण से ही बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनता है तथा समाज को नई दिशा मिलती है। सुनीता ढुल जैसे प्रेरणादायी शिक्षक विद्यार्थियों में नई सोच और आत्मविश्वास का संचार करते हैं। हरियाणा की सुनीता ढुल को शिक्षक दिवस पर दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड प्राप्त हुआ। वे इस बार हरियाणा की एकमात्र शिक्षिका हैं जिन्हें यह सम्मान मिला है। शिक्षा के क्षेत्र में लगन और समर्पण के साथ कार्य करने पर उन्हें यह पुरस्कार दिया गया। सुनीता रेडक्रॉस में राष्ट्रीय मास्टरट्रेनर के रूप में करीब 14 हजार बच्चों को फर्स्ट एड और जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण दे चुकी हैं। साथ ही वे डेढ़ साल से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बच्चों को पौधारोपण के लिए प्रेरित कर रही हैं।

नारनौंद के राशन डिपो पर जांच को पहुंची सीएम फ्लाइंग टीम

हिसार। जिले के नारनौंद कस्बे में सीएम फ्लाइंग टीम खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ वार्ड नंबर 4 स्थित एक राशन डिपो पर जांच के लिए पहुंची। इस दौरान डिपो पर कई तरह की अनियमितताएं सामने आईं। जिस पर डिपो संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा और उसके बाद खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जांच टीम में सीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना, उनके साथ खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर संदीप, एएसआई सुरेंद्र तथा हेड कांस्टेबल विजय भी शामिल रहे।जानकारी के अनुसार सीएम फ्लाइंग टीम को शिकायत मिली थी कि वार्ड नंबर 4 में सोनू नामक व्यक्ति द्वारा संचालित डिपो पर पात्र उपभोक्ताओं को राशन वितरण में अनियमितता बरती जा रही है। शिकायत के आधार पर सीएम फ्लाइंग टीम मौके पर पहुंची और डिपो को खुलवाकर स्टॉक व रिकॉर्ड की गहन जांच की। जांच के दौरान टीम ने पाया कि दूसरे वार्ड का राशन भी इस डिपो पर अटैच किया गया है। मौके पर डिपो में गेहूं, चीनी, नमक तथा सरसों का तेल मौजूद था। हालांकि रिकॉर्ड के हिसाब से वहां 6 लीटर तेल कम निकला। इसके अलावा बड़ी गड़बड़ी यह सामने आई कि डिपो संचालक ने चीनी का स्टॉक डिपो से अलग दूसरी जगह पर रखा हुआ था, जिसकी सूचना विभाग को नहीं दी गई थी। जांच पूरी होने के बाद टीम ने सारी जानकारी खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के उच्चाधिकारियों को भेज दी है।

सोनीपत के स्विमिंग पूल में लापरवाही से 12 वर्षीय बच्चे की मौत

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में 12 वर्षीय अरमान की स्विमिंग पूल में डूबने से मौत हो गई। अरमान अपने दोस्तों के साथ नहाने गया था। हादसे के समय कई लोग मौजूद थे, लेकिन किसी ने उसकी तरफ ध्यान नहीं दिया। जब तक लोग संभलते, वह बेसुध होकर पानी में डूब चुका था। लोगों ने सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की, मगर सफलता नहीं मिली। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अरमान मूल रूप से उत्तर प्रदेश के इटावा का रहने वाला था और इस समय अपने परिवार के साथ प्याऊ मनिहारी, सोनीपत में रह रहा था। पिता सब्जी का ठेला लगाते हैं। अरमान पढ़ाई के साथ साइकिल की दुकान पर काम सीखता था और रोज 30-40 रुपये कमा लेता था। उसने कई दिन तक पैसे इकट्ठे कर 180 रुपये जुटाए थे, जिनमें से 100 रुपये स्विमिंग पूल जाने पर खर्च किए।

हरियाणा सरकार प्राकृतिक आपदा के समय नागरिकों के साथ खड़ी : मुख्यमंत्री

राहत उपायों के लिए तत्काल 3.26 करोड़ रुपये किए जारी : नायब सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में भारी बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ जैसे हालातों में प्रभावित लोगों को तत्काल राहत उपायों के लिए सरकार ने जिलों को आरक्षित निधि के रूप में कुल 3 करोड़ 26 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस धनराशि का उपयोग प्रभावित लोगों को भोजन, वस्त्र, अस्थायी आश्रय, तंबू, पशुओं के लिए चारा और पेट्रोल, डीजल व अन्य ईंधन सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं, राहत सामग्री के परिवहन और ग्रामीण क्षेत्रों में जल निकासी कार्यों के लिए किया जा रहा है। मुख्यमंत्री आज यहां मंत्रिमंडल की अनौपचारिक बैठक के बाद प्रेस

वार्ता को संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह दुख की बात है कि इस प्राकृतिक आपदा में मकान ढहने से प्रदेश के 13 लोगों की जान चली गई। इनमें जिला फतेहाबाद में चार, भिवानी में तीन, कुरुक्षेत्र व यमुनानगर में दो-दो और हिसार व फरीदाबाद में एक-एक व्यक्ति शामिल हैं। शोक संतप्त परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सरकार ने तुरंत 52 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता जारी की है। प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 4 लाख रुपये की राशि दी जाएगी। इसके अलावा, घायलों को भी मदद के लिए 2 लाख रुपये प्रदान किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने बाढ़ से नागरिकों को हुई कठिनाइयों को कम करने के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला हुआ है। इसका उद्देश्य आम जनता द्वारा अपने नुकसान व क्षति के लिए आवेदन जमा करने की प्रक्रिया को आसान बनाना है। साथ ही प्रभावित लोगों को हुए नुकसान के समयबद्ध तरीके से सत्यापन और मुआवजे के वितरण की प्रणाली में पारदर्शिता लाना है। अब तक क्षतिपूर्ति पोर्टल पर प्रदेश के 5217 गांवों के 2 लाख 53 हजार 440 किसानों ने 14 लाख 91 हजार 130 एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण करवाया है। इस क्षेत्र के सत्यापन का काम जारी है।

एमडीयू कुलपति से मिली वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स ताइक्वांडो में शानदार प्रदर्शन करने वाली तीन बहनें

एजेंसी

रोहतक। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में ताइक्वांडो खेल में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली तीन बहनों- प्रिया यादव, गीता यादव और रितु यादव ने महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह से मुलाकात की। इस अवसर पर कुलसचिव डा. कृष्णकांत विशेष तौर पर मौजूद रहे। ये तीनों अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी महारानी किशोरी महिला महाविद्यालय, रोहतक की छात्राएं हैं। इन खिलाड़ी छात्राओं ने अपनी शैक्षणिक और कैश मनी प्राइज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे कुलपति के समक्ष रखे। खिलाड़ी छात्राओं ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के कारण वे विश्वविद्यालय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकीं। इस वजह से उन्हें शैक्षणिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कुलपति से मांग की कि उन्हें परीक्षा देने का एक और अवसर प्रदान किया जाए ताकि उनका शैक्षणिक सत्र प्रभावित न हो। साथ ही खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर एमडीयू द्वारा दिए जाने वाले कैश मनी प्राइज भी दिलवाने की मांग की। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने तीनों प्रतिभाशाली बहनों से भेंट कर उनकी उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय उनके हित में सकारात्मक निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि एमडीयू खेल और खिलाड़ियों को हर स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने खिलाडि़यों को आश्वासन दिया कि उनकी शैक्षणिक समस्या का समाधान शीघ्र ही किया जाएगा। प्रो. सिंह ने कहा कि एमडीयू प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी खिलाड़ी अपनी खेल गतिविधियों के कारण पढ़ाई में पीछे न रह जाए। इसके साथ ही कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही खिलाडि़यों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन करेगा।

कश्मीर के कुलगाम में कैथल के लांस नायक नरेंद्र सिंधु शहीद, गांव रोहेड़ा में शोक

ज्योति दर्पण

कैथल । जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में हरियाणा के कैथल जिले के रोहेड़ा गांव के लांस नायक नरेंद्र सिंधु शहीद हो गए। 28 वर्षीय नरेंद्र 2017 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे और 3आरआर में तैनात थे। गुडर जंगल क्षेत्र में संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। जब जवान करीब आए, तो आमने-सामने की गोलीबारी में नरेंद्र को सीने में गोली लगी। वे अपने कमांडिंग ऑफिसर के साथ थे। अस्पताल पहुंचाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनकी शहादत की खबर मिलते ही पैतृक गांव रोहेड़ा में सन्नाटा छा गया। हर आंख नम है और शोक है। शहीद की मां सदमे में हैं। मां उम्मीद कर रही थीं कि उनका बेटा अगले महीने छुट्टी पर घर आएगा। पिता भी गहरे सदमे में हैं और डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं। शहीद के परिवार में एक छोटा भाई और दो बहनें हैं। छोटा भाई अमेरिका में नौकरी करता है। शादी की बातें भी चल रही थीं, लेकिन किस्मत में कुछ और लिखा था। शहीद के चाचा

बलबीर सिंधु ने आईएएनएस को बताया, 'सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे उनकी यूनिट से सूबेदार का फोन आया। सुबह कुलगाम में सर्चिंग चल रही थी। नरेंद्र अपने सीओ के साथ थे। पूरी यूनिट के साथ आमने-सामने की फायरिंग में गोली लग गई। वे छुट्टियों पर आने ही वाले थे। परिवार में दो भाई और दो बहनें हैं। छोटा भाई यूएस में रहता है। बलबीर ने कहा कि सेना मुख्यालय से फोन आया था, जिसमें सर्च ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ की जानकारी दी गई। नरेंद्र का पार्थिव शरीर मंगलवार को सेना के विमान से अंबाला लाया जाएगा। उसके बाद राजकीय सम्मान के साथ रोहेड़ा गांव में अंतिम संस्कार किया जाएगा। जिला प्रशासन ने गांव में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। पूर्व सैनिक वेलफेयर बोर्ड ने परिवार को सूचना दी थी। नरेंद्र के शहीद होने की खबर फैलते ही ग्रामीणों ने घर के बाहर पहुंचकर सांत्वना दी।

नप चेयरमैन ने सीएम राहत कोष में दिए सवा तीन लाख

जेंसी

जींद। नगर परिषद चेयरमैन डा. अनुराधा सैनी ने कहा कि वो अपने एक माह का वेतन, नप के अधिकारियों, कर्मियों तथा पार्षदों, कच्चे कर्मचारियों द्वारा एकत्रित की गई लगभग सवा तीन लाख रुपये की राशि को मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगी। आपदा की घड़ी में हरियाणा के लोग तथा नायब सैनी सरकार पंजाब के साथ खड़े हैं। सीएम नायब सैनी ने पंजाब तथा जम्मू-कश्मीर को पांच-पांच करोड़ की आर्थिक सहायता दी है। इसी कड़ी में जींद नप के कर्मियों, अधिकारियों तथा पार्षदों ने भी सीएम राहत कोष में अपना योगदान दिया है। उन्होंने लोगो से आह्वान किया कि वे पंजाब में आई बाढ़ से वहां के लोगों को उभारने के लिए अपना योगदान जरूर दें। नगर परिषद चेयरमैन डा. अनुराधा सैनी नगर परिषद में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि वो उन लोगों का भी स्वागत करते हैं जो पंजाब से यहां आए हैं। आज पंजाब तथा पहाड़ी क्षेत्रों में भारी आपदा भरा संकट आया है। इस संकट की

घड़ी में हम उनके साथ खड़े हैं। किसानों की फसलें नष्ट हो गई हैं और पशुधन भी बह गया है। ऐसे में हम सबका नैतिक फर्ज बनता है कि हम सब बाढ़ पीड़ितों की सहायता करें। उन्होंने कहा कि शहर में विकास कार्यों और सौंदर्यकरण पर चार करोड़ 30 लाख 45 हजार रुपचे खर्च करने जा रही है। नप की योजना में पंछी टावरों को निर्माण करना भी है ताकि पक्षियों को उनके ठिकाने के साथ दाना पानी मिल सके। उन्होंने लोगों से आसपास इलाके को स्वच्छ रखने की अपील भी की ताकि बीमारियो को फैलने से रोका जा सके। मलेरिया के अनुरूप मौसम को देखते हुए नप द्वारा फोगिंग भी करवाई जा रही है। उन्होनें उन लोगो को भी चेताया जो पशुओं को शहर की तरफ छोड़ जाते हैं।

हरियाणा की खेती को मिलेगी वैश्विक धार : यूरापे से लौटे कृषि प्रतिनिधिमंडल का सफल अध्ययन दौरा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा के नेतृत्व में विधायकों और वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 3, 4 व 5 सितंबर तक नीदरलैंड और फ्रांस का शैक्षणिक दौरा सफलतापूर्वक पूरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य उन्नत कृषि पद्धतियों का अध्ययन करना, नवीनतम कृषि एवं बागवानी तकनीकों को समझना और अंतरराष्ट्रीय बाजार की प्रवृत्तियों को जानना था, ताकि हरियाणा के बागवानी क्षेत्र को और अधिक आधुनिक एवं प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। प्रतिनिधिमंडल की यात्रा की शुरुआत 2 सितंबर को हुई, जिसमें पहला प्रमुख कार्यक्रम 3 सितंबर को नीदरलैंड के लेलिस्टैड शहर में आयोजित पोटैटो एक्सपो में भाग लेना था। मंत्री राणा ने डच आलू विशेषज्ञों से मुलाकात की और सटीक खेती तकनीकों, मशीनों रोग प्रतिरोधी आलू की किस्मों और

निर्यात-उन्मुख रणनीतियों पर गहन चर्चा की। इन विचार-विमर्शों से प्राप्त जानकारी हरियाणा के आलू किसानों को अधिक कुशल और लाभदायक खेती अपनाने में मदद कर सकती है। यात्रा की एक प्रमुख उपलब्धि 4 सितंबर को नीदरलैंड के आल्समेर स्थित रॉयल फ्लोरा हॉलैंड फ्लावर ऑक्शन सेंटर का दौरा रहा। रॉयल फ्लोरा हॉलैंड का संचालन कई भौतिक केंद्रों में फैला हुआ है, जिनमें सबसे बड़ा और सबसे प्रसिद्ध केंद्र आल्समेर में स्थित है, जो अकेले ही 128 एकड़ (5,18,000 वर्ग मीटर) से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। यह दुनिया का सबसे बड़ा फूलों का नीलामी केंद्र है, जहाँ प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक फूल और पौधे व्यापार के लिए लाए जाते हैं। रॉयल फ्लोरा हॉलैंड एक सहकारी संस्था है, जिसे उत्पादक किसानों द्वारा संचालित किया जाता है। यहाँ प्रतिदिन लगभग 100 से 200 मिलियन यूरो का लेन-देन होता हैं। यह प्लेटफॉर्म 11,469 प्रकार के फूलों और 11,764 प्रकार के पौधों का व्यापार सुनिश्चित करता है, जिससे यह वैश्विक पुष्प उद्योग में अग्रणी बना हुआ है। प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान डच क्लॉक ऑक्शन सिस्टम का भी अवलोकन किया, जिसमें कीमतें तेजी से घटती हैं और खरीदार उसी क्षण उत्पाद की खरीद कर लेते हैं। यह प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और प्रभावी व्यापार सुनिश्चित करती है। रॉयल फ्लोरा हॉलैंड के दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने टिकाऊ कृषि पद्धतियों में विशेष रुचि दिखाई।

एमडीयू कुलपति से मिली वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स ताइक्वांडो में शानदार प्रदर्शन करने वाली तीन बहनें

एजेंसी

रोहतक। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में ताइक्वांडो खेल में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली तीन बहनों- प्रिया यादव, गीता यादव और रितु यादव ने महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह से मुलाकात की। इस अवसर पर कुलसचिव डा. कृष्णकांत विशेष तौर पर मौजूद रहे। ये तीनों अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी महारानी किशोरी महिला महाविद्यालय, रोहतक की छात्राएं हैं। इन खिलाड़ी छात्राओं ने अपनी शैक्षणिक और कैश मनी प्राइज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे कुलपति के समक्ष रखे। खिलाड़ी छात्राओं ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के कारण वे विश्वविद्यालय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकीं। इस वजह से उन्हें शैक्षणिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कुलपति से मांग की कि उन्हें परीक्षा देने का एक और अवसर प्रदान किया जाए ताकि उनका शैक्षणिक सत्र प्रभावित न हो। साथ ही खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर एमडीयू द्वारा दिए जाने वाले कैश मनी प्राइज भी दिलवाने की मांग की। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने तीनों प्रतिभाशाली बहनों से भेंट कर उनकी उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय उनके हित में सकारात्मक निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि एमडीयू खेल और खिलाड़ियों को हर स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने खिलाडि़यों को आश्वासन दिया कि उनकी शैक्षणिक समस्या का समाधान शीघ्र ही किया जाएगा। प्रो. सिंह ने कहा कि एमडीयू प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी खिलाड़ी अपनी खेल गतिविधियों के कारण पढ़ाई में पीछे न रह जाए। इसके साथ ही कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही खिलाडि़यों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन करेगा, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एमडीयू के खिलाडि़यों को नकद इनाम (कैश प्राइज मनी) प्रदान किया जाएगा।

छोटी सोच के कारण हो रही है कांग्रेस की दुर्दशा : पंडित मोहन लाल बड़ौली

एजेंस

चंडीगढ़। पीएम मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जाने वाले सेवा पखवाड़ा की तैयारियों को लेकर अंबाला, कुरूक्षेत्र और कैथल में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। तीनों कार्यशालाओं में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कार्यकर्ताओं के साथ सेवा पखवाड़ा के दौरान होने वाले कार्यक्रमों की चर्चा की और जरूरी दिशा निर्देश दिए।बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कैथल में प्रेसवार्ता कर सेवा पखवाड़ा के दौरान होने वाले कार्यक्रमों के बारे में बताया और कांग्रेस पार्टी पर खुलकर निशाना साधा। उन्होंने एक सवाल पर बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पॉजिटिव सोच के साथ राजनीति नहीं करती। सुरजेवाला की सोच बहुत छोटी है, इसलिए चुनाव नहीं जीत पाए। जनता सोच देखकर वोट देती है। सोच छोटी होना ही कांग्रेस की हार का कारण है। उन्होंने कहा कि लोगों को गुमराह करना, झूठ बोलना कांग्रेस पार्टी के नेताओं की आदत है, यही कांग्रेस की दुर्दशा का कारण है। हरियाणा की जनता का आशीर्वाद भाजपा के साथ है। बाढ़ और जलभराव के सवाल पर

उन्होंने कहा कि हरियाणा की नायब सरकार ने समय पर अच्छे बंदोबस्त किए हैं। जिला प्रशासन और भाजपा के नेता व कार्यकर्ता बाढ़ ग्रस्त इलाकों में लोगों की सेवा कर रहे हैं। हिमाचल और पंजाब में बाढ़ से काफी नुकसान हुआ है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब और हिमाचल राज्य को 5-5 करोड़ रुपये की सहायता राशि दी है। उन्होंने कहा कि पंजाब और हिमाचल में राहत सामग्री भेजी जा रही है। हरियाणा की जनता और सरकार पूरी तरह से बाढ़ से पीड़ित लोगों के साथ है और हर संभव सहायता कर रही है। पत्रकार वार्ता के दौरान प्रदेश अध्यक्ष बडौली के साथ जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।कुरूक्षेत्र में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाला सेवा पखवाड़ा सेवा, समर्पण और सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का संकल्प है।

इस दौरान भाजपा के कार्यकर्ता मोदी और नायब सरकार की योजनाओं को जन-जन से जोड़ने का माध्यम बनेंगे। बड़ौली ने कहा कि इस दौरान स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर, फल वितरण, प्रधानमंत्री के जीवन पर प्रदर्शनी, प्रबुद्ध सम्मेलन, नमो मैराथन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर संगोष्ठी, जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पर्यावरण को दृष्टि से एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 2 करोड़ 10 लाख पेड़ लगाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह भी पूरा होने वाला है। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़ा के तहत प्रत्येक बूथ पर 30 पेड़ लगाए जायेंगे।

मांगों को लेकर बिजली कर्मचारियों ने दिया धरना

जींद। ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर्स यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा शहरी सब यूनिट ने प्रधान राजेश की अध्यक्षता में शहरी उपमंडल अधिकारी के खिलाफ धरना दिया। धरने का संचालन सब यूनिट सचिव सुनील कुमार ने किया। इस धरने पर मुख्य रूप से राज्य उप प्रधान संजीव ढांडा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से उपमंडल अधिकारी कर्मचारियों की जायज मांगों को अनदेखा कर रहा है, आज इस आपदा में भी उपमंडल अधिकारी अपने कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते हैं। जिससे निगम कर्मचारी व जनता परेशान हैं। यूनियन बातचीत करना चाहती है लेकिन एसडीओ की तानाशाही इस प्रकार बड़ी हुई है, वह कर्मचारियों की समस्या का समाधान नहीं करना चाहते हैं और कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते हैं। जबकि यूनियन ने बार-बार पत्र के माध्यम से उपमंडल अधिकारी को पत्र लिख कर अवगत करवाया है कि समय रहते यूनियन के पदाधिकारीयों को जल्दबुला कर कर्मचारियों की जायज मांगों का समाधान करें।

सफाई साथी वाहनों को मेयर राजरानी मल्होत्रा ने झंडी दिखाकर किया रवाना

एजेंसी

गुरुग्राम। शहरवासियों को बेहतर स्वच्छता सेवाएं उपलब्ध कराने और उनकी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम गुरुग्राम ने एक नई पहल की शुरुआत की है। मेयर राजरानी मल्होत्रा ने निगम क्षेत्र में 12 सफाई साथी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अतिरिक्त निगमायुक्त रविन्द्र यादव, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक, सफाई निरीक्षक व सहायक सफाई निरीक्षक भी मौजूद रहे। इस पहल से हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को और अधिक बल मिलेगा।

मेयर ने बताया कि सफाई साथी वाहन नागरिकों की शिकायत मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचेंगे और सफाई, कचरा उठाने, मृत पशु हटाने सहित अन्य स्वच्छता संबंधी समस्याओं का तत्काल समाधान करेंगे। इन वाहनों में सहायक सफाई निरीक्षक और सफाई कर्मचारी तैनात रहेंगे, ताकि मौके पर ही समस्या का निपटारा हो सके। मेयर ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम नागरिकों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। स्वच्छता सेवाओं में गति लाने से शहरवासियों को न केवल राहत मिलेगी, बल्कि गुरुग्राम को स्वच्छ,

सुंदर और स्वस्थ बनाने के लक्ष्य की ओर भी बड़ा कदम होगा। बता दें कि नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया के कुशल मार्गदर्शन में निगम ने हाल ही में 77 नए सहायक सफाई निरीक्षक नियुक्त किए हैं। इनमें से जोन-1 क्षेत्र में 20 और जोन-2, 3 व 4 क्षेत्रों में 19-19 निरीक्षक तैनात किए गए हैं। इससे सफाई व्यवस्था को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। अतिरिक्त निगमायुक्त रविन्द्र यादव ने कहा कि सफाई साथी वाहनों का उद्देश्य केवल शिकायतों का समाधान करना ही नहीं है, बल्कि शहर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए लोगों को जिम्मेदार बनाना भी है।

यमुना कटाव रोकने को विधायक व उपायुक्त ने दिए निर्देश

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान और उपायुक्त सुशील सारवान ने पबनेरा घाट का दौरा कर यमुना नदी की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से बातचीत कर समस्याएं सुनी और राहत व सुरक्षा संबंधी कदम तेज करने के निर्देश दिए।

विधायक ने सिंचाई विभाग को आदेश दिए कि यमुना किनारे नई ठोकरों का प्रस्ताव तैयार किया जाए, ताकि भविष्य में बाढ़ जैसी स्थिति आने पर भूमि कटाव रोका जा सके। उन्होंने कहा कि किसानों की जमीन और फसलों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है। साथ ही किसानों को याद दिलाया कि सरकार का क्षतिपूर्ति पोर्टल 15 सितम्बर तक खुला है, ऐसे में जिनकी फसलें प्रभावित हुई हैं, वे आवेदन करें।

विधायक और उपायुक्त ने पबनेरा घाट के साथ रामनगर, उमेदगढ़ और आसपास के गांवों का भी दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां जलभराव है, वहां प्राथमिकता से पानी निकासी कराई जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। स्वास्थ्य विभाग को आदेश दिया गया कि प्रभावित गांवों में नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएं, जिससे ग्रामीणों की समय-समय पर जांच होती रहे। पशुपालन विभाग को भी निर्देश मिले कि गांवों में पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर बीमारियों से बचाव और उचित इलाज सुनिश्चित किया जाए।

NAME CHANGE

I hitherto known as AMARJEET BISLA S/o RAJ KUMAR R/o Village Dayalpur, Tehsil Ballabgarh, Dayalpur(86), Faridabad, Haryana-121004, have changed my name and shall hereafter be known as AMARJEET GILL, for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

I, Vidit Sharma S/o Shivraj Sharma R/o House No-584, Gali No-4, Village-Tikri, Sector-48, Gurgaon Haryana-122001 hereby undertake that I Vidit Sharma want to change my name to Shruti Sharma and gender as female. I Vidit Sharma henceforth be known as Shruti Sharma D/o Shivraj Sharma

एमआरवीसी ने वंदे मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत 21,000 करोड़ का टेंडर जारी किया

नई दिल्ली ।

मुंबई रेलवे विकास निगम (एमआरवीसी) ने मुंबई की उपनगरीय रेल सेवा को आधुनिक बनाने के लिए वंदे मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत 2,856 एसी कोचों की आपूर्ति और रखरखाव के लिए 21,000 करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया है। यह परियोजना मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (एमयूटीपी) के फेज-3 और फेज-3ए का हिस्सा है, जिसके तहत कुल 238 एसी लोकल ट्रेनें खरीदी जाएंगी। इस ठेके में सिर्फ कोच की सप्लाई ही नहीं, बल्कि 35 साल तक रखरखाव और दो नए डिपो का निर्माण भी शामिल है। टेंडर की शर्तों के अनुसार, यह पूरा ऑर्डर एक ही कंपनी को दिया जा सकता है, जिसे 7.5 साल में डिलीवरी पूरी करनी होगी। यदि दो कंपनियों को ठेका मिलता है, तो डिलीवरी 6.5 साल में करनी होगी, बशर्ते दूसरी कंपनी (एल2) पहली (एल1) की दर पर काम करने को तैयार हो। टेंडर की एक खास बात यह है कि सभी कोच भारत में ही बनने होंगे, जिससे विदेशी कंपनियों की प्रतिस्पर्धा सीमित हो जाती है। ऐसे में अल्सटॉम, बीईएमएल और टिटागढ़ रेल जैसी भारतीय निर्माण कंपनियों को इसका सीधा लाभ मिल सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह टेंडर आने वाले वर्षों में कोच निर्माण कंपनियों के लिए ऑर्डर बुक को मजबूत करेगा। टिटागढ़ रेल ने हाल के वर्षों में तकनीक और उत्पादन क्षमता दोनों बढ़ाई हैं, जिससे इसे विशेष लाभ मिल सकता है। निवेशकों के लिए यह सेक्टर फिर से आकर्षक बन रहा है।

कई नए इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च करेगी महिंद्रा

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी इलेक्ट्रिक वाहन रणनीति को और मजबूत करने का ऐलान किया है। महिंद्रा का कहना है कि एक्सईवी आर्किटेक्चर के तहत आने वाले महीनों में कई नए इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च किए जाएंगे। महिंद्रा का फोकस खासकर एसयूवी सेगमेंट पर है, जिसमें कंपनी पहले से ही मजबूत स्थिति रखती है। महिंद्रा ने हाल ही में अपनी कुछ इलेक्ट्रिक एसयूवी के कॉन्सेप्ट पेश किए थे, जिन्हें ग्राहकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी का मानना है कि भविष्य की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री इलेक्ट्रिक वाहनों पर आधारित होगी और भारत जैसे बड़े बाजार में शुरुआती बढ़त हासिल करना बेहद जरूरी है। कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, आने वाले इलेक्ट्रिक मॉडल्स में बेहतर बैटरी क्षमता, लंबी रेंज और अत्याधुनिक फीचर्स शामिल होंगे। महिंद्रा का दावा है कि उसकी नई ईवी श्रृंखला ग्राहकों को न सिर्फ किफायती विकल्प देगी बल्कि प्रीमियम सेगमेंट में भी चुनौती पेश करेगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है और इसमें एसयूवी की मांग सबसे ज्यादा है। ऐसे में महिंद्रा की रणनीति सही दिशा में मानी जा रही है। साथ ही, कंपनी चार्जिंग नेटवर्क और आफ्टर-सेल्स सर्विस को भी मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। महिंद्रा पहले से ही सरकार की फेम-2 योजना और विभिन्न राज्य स्तरीय नीतियों का लाभ उठाकर ईवी कारोबार में निवेश कर रही है।

व्यापारिक तनाव घरेलू मिश्र लौह धातु क्षेत्र के लिए खतराः आईएफएपीए

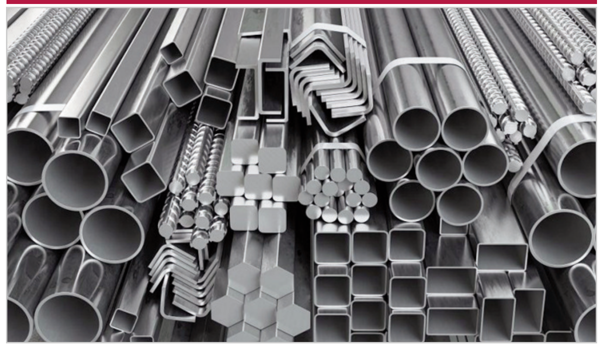

नई दिल्ली।

भारतीय मिश्र लौह धातु उत्पादक संघ (आईएफएपीए) ने वैश्विक स्तर पर बढ़ते व्यापार तनाव को घरेलू मिश्र लौह धातु उद्योग के लिए बड़ा खतरा बताया है। संघ के चेयरमैन ने कहा कि इस चुनौती का सामना करने के लिए सरकार को तुरंत हस्तक्षेप करना आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि इस्पात उद्योग में सिलिको मैंगनीज और फेरो क्रोम जैसे मिश्र लौह धातुओं का उपयोग डीऑक्सीडाइजर और अलॉय एजेंट के रूप में होता है, जो इस्पात की मजबूती, कठोरता और घिसाव प्रतिरोध जैसे गुणों को बेहतर बनाते हैं।

अधिकारी ने बताया कि भारतीय मिश्र लौह धातु उद्योग ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी उत्पादन और निर्यात क्षमता में जबरदस्त वृद्धि की है। भारत वर्तमान में मैंगनीज मिश्र लौह धातु का विश्व का सबसे बड़ा निर्यातक है, जबकि फेरो क्रोम का तीसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता भी है। हालांकि, वैश्विक इस्पात उत्पादन में कमी, बढ़ती व्यापार बाधाएं, सुरक्षा उपाय और आगामी कार्बन सीमा कर जैसी नीतियां निर्यात के लिए बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। बिगमिंट के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2019-20 में 43 लाख टन मिश्र लौह धातु उत्पादन क्षमता से बढ़कर 31 मार्च 2025 तक यह क्षमता लगभग दोगुनी होकर 80 लाख टन हो गई है। यह वृद्धि उद्योग की ताकत को दर्शाती है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियां इस विकास को प्रभावित कर रही हैं।

आईएफएपीए ने सरकार से उम्मीद जताई है कि वह वैश्विक व्यापार तनाव और कार्बन सीमा कर जैसी नीतियों के प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाएगी, ताकि भारतीय मिश्र लौह धातु उद्योग अपनी बढ़ती क्षमता के साथ निर्यात में और मजबूती ला सके।

भारत इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए तेजी से उभरता हुआ बाजारः बीवायडी

नई दिल्ली ।

भारत इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए तेजी से उभरता हुआ बाजार है और आने वाले समय में यहां अपार संभावनाएं मौजूद हैं। यह कहना है चीन की दिग्गज इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी बीवायडी का। बीवायडी पहले ही भारत में कुछ प्रीमियम इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च कर चुकी है और अब उसकी योजना बड़े पैमाने पर उत्पादन और बिक्री बढ़ाने की है। कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि भारत में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लगातार सुधर रहा है और सरकार की नीतियाँ भी ईवी सेक्टर को प्रोत्साहित कर रही हैं। ऐसे में यहाँ निवेश और विस्तार के लिए यह सही समय है। विशेषज्ञों का मानना है कि बीवायडी की रणनीति भारतीय ग्राहकों को ज्यादा रेंज और उन्नत फीचर्स वाले वाहन उपलब्ध कराने पर केंद्रित है। कंपनी का फोकस कॉर्पोरेट और फ्लीट ग्राहकों के साथ-साथ व्यक्तिगत उपभोक्ताओं को भी आकर्षित करने पर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीवायडी अगले कुछ वर्षों में भारत में अपने निर्माण संयंत्रों और डीलर नेटवर्क का विस्तार कर सकती है। कंपनी यह भी मानती है कि भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज है क्योंकि टाटा मोटर्स, महिंद्रा और हुंडई जैसी घरेलू और विदेशी कंपनियाँ पहले से मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं।

फिर भी, बीवायडी को उम्मीद है कि अपनी उन्नत बैटरी तकनीक और वैश्विक अनुभव की मदद से वह भारतीय उपभोक्ताओं के बीच भरोसा कायम कर लेगी। ऑटो विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कंपनी सही मूल्य निर्धारण और सर्विस नेटवर्क पर ध्यान देती है, तो वह भारतीय ईवी बाजार में एक अहम खिलाड़ी बन सकती है। बीवायडी ने भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है।

सोने और चांदी के बढ़ते दाम......लेकिन कारीगर और कारोबारी परेशान

मुंबई ।

भारत में सोने और चांदी के बढ़ते दाम ने सर्राफा बाज़ार में संकट पैदा किया है। जहाँ एक ओर इन धातुओं की कीमत आसमान छू रही है, वहीं दूसरी ओर इसका सीधा असर व्यापारियों और कारीगरों की आजीविका पर पड़ रहा है। बाजार में ग्राहक न के बराबर हैं, जिससे दुकानदारों का कारोबार ठप पड़ गया है। कई व्यापारियों के लिए दुकान का किराया निकालना भी मुश्किल हो रहा है। शादी के मौकों पर भी सोने-चांदी की खरीददारी में भारी गिरावट आई है, क्योंकि लोग महंगाई के कारण कम सामान खरीद रहे हैं या फिर नकली गहनों की ओर रुख कर रहे हैं। व्यापारियों को डर है कि अगर कीमतें इसतरह बढ़ती रहीं, तब स्थिति और भी खराब हो सकती है।

कीमतों में उछाल का सबसे बुरा असर कारीगरों पर पड़ रहा है। काम की कमी के कारण वे बेरोजगार हो रहे हैं और उनके लिए अपने परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। सोने-चांदी के कारोबार पर निर्भर इन कारीगरों के लिए यह स्थिति आर्थिक अनिश्चितता लेकर आई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सोने-चांदी की कीमतों में यह वृद्धि अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में भू-

राजनीतिक अनिश्चितता और केंद्रीय बैंकों द्वारा खरीदारी जैसे वैश्विक कारकों का परिणाम है। जब तक कीमतों में गिरावट नहीं आती, तब तक बाज़ार में सुधार की उम्मीद कम है। व्यापारी और कारीगर दोनों ही बेसब्री से कीमतों के सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि उनकी आजीविका फिर से पटरी पर आ सके।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपय मंगरवार को 18 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.38 पर बंद हुआ। वहीं वैश्विक बाजार में मंगलवार को सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की मजबूती के साथ 87.95 पर पहुंच गया। यह घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के कारण संभव हुआ। हालांकि, भारत पर अमेरिकी शुल्क लगाने की चिंताएं और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता रुपये की बढ़त को सीमित कर रही हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.98 पर खुला और फिर 87.95 तक पहुंचा। शुक्रवार को यह अब तक के सबसे निचले स्तर 88.38 तक गिर चुका था। डॉलर सूचकांक में भी 0.05 फीसदी की गिरावट देखी गई, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की कमजोरी दर्शाता है।

जीएसटी दरों में कटौती लागू करने पर मंथन

इंटर-मिनिस्ट्रियल मीटिंग में आईटीसी और इनवर्टेड ड्यूटी पर चर्चा

नई दिल्ली । वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरें 22 सितंबर से लागू की जाएंगी। इससे पहले कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में हुई अंतर-मंत्रालयी बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने नई व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान पर व्यापक चर्चा की। बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि अप्रयुक्त आईटीसी का उपयोग राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) के भुगतान के लिए किया जा सके, जिससे कंपनियों की कार्यशील पूंजी को राहत मिले। वर्तमान में, कानून के अनुसार केंद्रीय और राज्य जीएसटी को आपस में समायोजित करना संभव नहीं है, जिससे अप्रयुक्त आईटीसी रिफंड और उपयोग में बाधा आती है। विशेषज्ञों ने इस मुद्दे पर जल्द समाधान की आवश्यकता जताई है ताकि कर कटौती का लाभ सीधे ग्राहकों तक पहुंचे। जीएसटी दर कटौती के बाद कुछ इनपुट पर 18 फीसदी और उत्पादों पर 5 फीसदी कर लगेगा, जिससे व्युत्क्रम शुल्क का व्यापक प्रभाव होगा। इस व्यवस्था के कारण आईटीसी का बड़ा हिस्सा बिना उपयोग के रह सकता है, जिससे छोटे और बड़े व्यवसायों की पूंजी प्रभावित होगी। कई मंत्रालयों ने इसे प्रमुख समस्या के रूप में उठाया है। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि सीमा शुल्क की भरपाई जीएसटी क्रेडिट से नहीं की जा सकती क्योंकि यह एक अलग कानून के अंतर्गत आता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 314 , निफ्टी 95 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में खरीदारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 314.02 अंक बढ़कर 81,101.32 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.45 अंक ऊपर आकर 24,868.60 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.76 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी फार्मा (0.86 फीसदी), निफ्टी एफएमसीजी (0.58 फीसदी), निफ्टी प्राइवेट बैंक (0.13 फीसदी) और निफ्टी हेल्थकेयर (0.77 फीसदी) की बढ़त के साथ बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक (0.14 फीसदी), निफ्टी रियल्टी (0.30 फीसदी), निफ्टी एनर्जी (0.12 फीसदी) और निफ्टी पीएसई (0.19 फीसदी) गिरावट पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टीसीएस, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, एचयूएल, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही जबकि एसबीआई, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, टाइटन, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, एमएंडएम के शेयर सबसे अधिक गिरे।

लार्जकैप के साथ ही आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 103.20 अंक करीब 0.18 फीसदी की तेजी के साथ 57,464.35 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 59.95 अंक या 0.34 फीसदी की तेजी के साथ 17,744.30 पर था।

इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 333 अंकों की बढ़त के साथ 81,121 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 81 अंकों की तेजी के साथ 24,855 पर ट्रेड करता नजर आया। वैश्विक बाजारों में भी मिश्रित रुख रहा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.9 फीसदी की बढ़त के साथ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अमेरिका में टेक शेयरों की अगुवाई में नैस्डैक ने नया रिकॉर्ड बनाया। निवेशकों को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व आगामी बैठक में ब्याज दरों में कमी कर सकता है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास प्रॉपर्टी महंगी होगी, नए नियम लागू

- एयरपोर्ट के 20 किमी के दायरे में निर्माण के लिए जरूरी होगी एएआई की मंजूरी

मुंबई ।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) के आसपास जमीन और फ्लैट की कीमतों में तेजी आने वाली है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने नया नियम लागू किया है जिसके तहत एयरपोर्ट के 20 किलोमीटर के दायरे में किसी भी नई इमारत का निर्माण करने से पहले एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफइंडिया (एएआई) से मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। अगर बिल्डिंग का नक्शा एएआई के दिशानिर्देशों के अनुरूप नहीं होगा, तो मंजूरी नहीं दी जाएगी। यह नियम हवाई जहाजों की सुरक्षा और हवाई पट्टी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि एएआई ने एक खास कलर-कोडेड जोनिंग मैप तैयार किया है, जिसमें एयरपोर्ट के आसपास कितनी ऊंचाई तक इमारतें बन सकती हैं, यह तय होगा। इस पूरे इलाके का सर्वे एक्सपर्ट कंसल्टेंट की मदद से किया जाएगा ताकि नियमों का कड़ाई से पालन हो सके।

इस नियम के बाद एयरपोर्ट के आसपास नई इमारतों का निर्माण कम होगा, जिससे प्रॉपर्टी की सप्लाई घटेगी। जबकि मांग पहले से ज्यादा है, खासकर नौकरियों, बिजनेस और कनेक्टिविटी के कारण। सप्लाई कम और मांग ज्यादा होने से जमीन और फ्लैट की कीमतें बढ़ेंगी। जो पहले से जमीन या फ्लैट के मालिक हैं, उन्हें फायदा होगा।

वेदांता ने ईवी क्षेत्र के लिए धातु उत्पादन बढ़ाने 12,500 करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली ।

वेदांता लिमिटेड ने देश के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र की तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए धातु विनिर्माण में 12,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। कंपनी ने खासतौर पर एल्युमीनियम, जस्ता, मिश्रधातु, तांबा, इस्पात, निकेल और फेरोक्रोम जैसे महत्वपूर्ण धातुओं के उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। इस निवेश के तहत एल्युमीनियम स्मेल्टर की क्षमता बढ़ाने, जस्ता मिश्रधातु संयंत्र स्थापित करने, जस्ता उत्पादन के लिए रोस्टर लगाने और फेरोक्रोम उत्पादन क्षमता बढ़ाने जैसे कई अहम कदम उठाए गए हैं। वेदांता के एल्युमीनियम उत्पाद इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विशेष महत्व रखते हैं। कंपनी फाउंड्री मिश्रधातु, बैटरी केसिंग, हीटिंग-वेंटिलेशन-एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) सिस्टम और ईवी फ्रेम जैसे उत्पाद बनाती है। एल्युमीनियम का उपयोग बैटरी के वजन को कम करके वाहन की ड्राइविंग रेंज बढ़ाने में मदद करता है, जिससे वाहन की कुल लागत भी घटती है। इसके अलावा वेदांता का एल्युमीनियम दुर्घटना-रोधी मिश्रधातुओं और ऊर्जा भंडारण समाधानों में भी सफलता के लिए परीक्षणाधीन है। इस निवेश से देश के इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र को जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति मजबूत होगी, जिससे ईवी निर्माण और विकास को तेजी मिलेगी।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में मामूली बदलाव

मुंबई । सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार सुबह पेट्रोल और डीजल के नए रेट घोषित किए। ग्लोबल कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट का घरेलू बाजार पर असर देखने को मिला। गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 6 पैसे महंगा होकर 94.77 रुपए प्रति लीटर और डीजल 8 पैसे बढ़कर 87.89 रुपए हो गया। गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे और डीजल 14 पैसे महंगा हुआ। वहीं हरियाणा के गुरुग्राम में पेट्रोल और डीजल दोनों की कीमतें 8-8 पैसे गिरकर 95.18 रुपए और 87.65 रुपए प्रति लीटर रह गईं। वहीं दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। ब्रेंट क्रूड की कीमत 66.02 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 62.45 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई है।

भारत-जापान डाक नवाचार और डिजिटल सहयोग बढ़ाने पर सहमत

नई दिल्ली। भारत और जापान ने डाक क्षेत्र में नवाचार और डिजिटल सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सहयोग पर सहमति व्यक्त की है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस के दौरान जापान के आंतरिक मामलों और संचार राज्य मंत्री मसाशी अदाची के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य डाक सेवा में नई तकनीकों और डिजिटल नवाचारों को अपनाकर सेवाओं को बेहतर बनाना था। दोनों पक्षों ने भारतीय डाक और जापान डाक के बीच सहयोग की विस्तृत रूपरेखा तैयार की। इस सहयोग से डाक सेवाओं का आधुनिकीकरण और डिजिटल रूपांतरण होगा, जिससे ग्राहकों को तेजी और सुविधा मिलेगी। यह पहल दोनों देशों के डाक सेवाओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मददगार साबित होगी।

सुमितोमो मित्सुई कोटक बैंक में हिस्सेदारी बेचकर यस बैंक में करेगा निवेश

नई दिल्ली । जापान की प्रमुख वित्तीय संस्था सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) जल्द ही कोटक महिंद्रा बैंक में अपनी पूरी 1.65 फीसदी हिस्सेदारी ब्लॉक डील के जरिए बेचने जा रही है। इस डील से एसएमबीसी को लगभग 6,000 करोड़ रुपए जुटाने की उम्मीद है। खबर है कि एसएमबीसी करीब 3.28 करोड़ शेयर प्राइवेट निवेशकों को बेचेगा। इसके लिए कई ब्रोकरेज फर्मों ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफआईआई) और म्यूचुअल फंड्स से संपर्क किया है। एसएमबीसी इस राशि का उपयोग यस बैंक में हिस्सेदारी खरीदने के लिए करेगी। अगस्त में एसएमबीसी को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से यस बैंक में 24.99 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी मिल चुकी है। हालांकि आरबीआई ने यह स्पष्ट किया है कि एसएमबीसी को इस लेनदेन के बाद भी यस बैंक का प्रवर्तक (नहीं माना जाएगा, जब तक अन्य नियामकीय मंजूरियां प्राप्त नहीं होतीं।

गौतम सोलर मप्र में 4,000 करोड़ से लगाएगी सोलर सेल निर्माण संयंत्र

नई दिल्ली । गौतम सोलर प्राइवेट लिमिटेड (जीएसपीएल) ने ग्वालियर में 54 एकड़ भूमि पर 4,000 करोड़ रुपये के निवेश से आधुनिक सोलर सेल निर्माण संयंत्र लगाने की घोषणा की है। यह संयंत्र टॉपकॉन तकनीक पर आधारित होगा, जो सोलर सेल की दक्षता और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। संयंत्र की कुल उत्पादन क्षमता 5 गीगावॉट (5000 मेगावाट) होगी, जिससे देश की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। यह परियोजना न केवल स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देगी, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसर भी सृजित करेगी, जिससे आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी।

निराशा से आशा की ओरः आत्महत्या के खिलाफ जंग

ललित गर्ग

आत्महत्या जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है, यह मनुष्य होने के अर्थ और गरिमा को धूमिल करती है। जब जीवन जीने का साहस कमजोर पड़ता है तो व्यक्ति निराशा और अंधकार में डूबकर स्वयं को समाप्त करने की ओर बढ़ता है। वैश्विक स्तर पर यह एक गंभीर समस्या है, दुनिया भर से आते नए आंकड़े इस चुनौती की गंभीरता को और उजागर करते हैं।

दुनिया में आत्महत्या आज एक गहरी एवं विडम्बनापूर्ण वैश्विक चुनौती बन चुकी है। हर साल लाखों लोग अपनी ही जिंदगी से हार मान लेते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल लगभग 7.2 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। यह सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट भी है। 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण आत्महत्या है। यही वजह है कि हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। 2024 से 2026 तक इसकी थीम 'चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड' रखी गई है, जिसका उद्देश्य है आत्महत्या पर खामोशी तोड़कर इसे एक निष्क्रिय विषय से संवाद और सहयोग का सक्रिय विषय बनाना। आत्महत्या पर दृष्टिकोण का यह बदलाव आत्महत्या के बारे में लोगों की सोच और बातचीत के तरीके को चुनौती देता है, खुले और ईमानदार संवाद को बढ़ावा देता है जो कलंक को तोड़ता है और समझ को बढ़ावा देता है। आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचहिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है।

आत्महत्या जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है, यह मनुष्य होने के अर्थ और गरिमा को धूमिल करती है। जब जीवन जीने का साहस कमजोर पड़ता है तो व्यक्ति निराशा और अंधकार में डूबकर स्वयं को समाप्त करने की ओर बढ़ता है। वैश्विक स्तर पर यह एक गंभीर समस्या है, दुनिया भर से आते नए आंकड़े इस चुनौती की गंभीरता को और उजागर करते हैं। 2021 में अनुमानित 7.27 लाख आत्महत्याएं हुईं और विश्व में हर 43 सेकेंड में कोई एक व्यक्ति खुदकुशी कर रहा है। 73 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में होती हैं और सबसे अधिक असर युवा और गृहिणियों पर पड़ता है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि आत्महत्या करने वाली महिलाओं में 51.5 प्रतिशत गृहिणियां थीं। आत्महत्या की दर दो दशकों में 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति एक लाख हो गई है। उत्तराखंड जैसे राज्यों में पारिवारिक कलह आत्महत्या का बड़ा कारण है। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा क्षमता से अधिक हो चुकी है, पारिवारिक सामंजस्य खत्म हो गया है, असफलता का डर और तनाव सहने की क्षमता कम हो गई है। यही कारण है कि पढ़ाई के दबाव, नौकरी में असफलता, रिश्तों के टूटने और आर्थिक अभाव से युवा और किशोर आत्महत्या की ओर धकेले जा रहे हैं।

भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में 1,70,924 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है और आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख जनसंख्या रही। यह दर पिछले वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है। इनमें 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों की संख्या दो-तिहाई से अधिक है, जो दशार्ता है कि देश का युवा और कार्यशील वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। राज्यवार आंकड़े भी चिंताजनक हैं-सिक्किम में आत्महत्या दर लगभग 43 प्रति लाख रही जबकि बिहार में यह 1 से भी कम है। आत्महत्या के पीछे अनेक सामाजिक, आर्थिक और मानसिक कारण जुड़े हुए हैं। बेरोजगारी, गरीबी, पारिवारिक कलह, असफल प्रेम, नशे की लत और बीमारियां इसका बड़ा कारण बन रही हैं। मानसिक रोग और अवसाद ने इस समस्या को और गहरा किया है। एनसीआरबी के अनुसार 2018 से 2022 के बीच मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कारणों से आत्महत्या के मामलों में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2022 के आँकड़े बताते हैं कि आत्महत्या के प्रमुख कारणों में 33 प्रतिशत मामले पारिवारिक समस्याओं से जुड़े थे, लगभग 19 प्रतिशत मामले बीमारियों के कारण हुए, जबकि 6-7 प्रतिशत मामले विवाह सम्बन्धी समस्याओं और 6 प्रतिशत मामले ऋण और कर्ज से संबंधित थे। छात्र आत्महत्या का आंकड़ा भी बड़ा चिंताजनक है-2022 में यह कुल आत्महत्याओं का 7.6 प्रतिशत रहा। वैश्विक स्तर पर भी स्थिति गंभीर है, परंतु भारत में यह और ज्यादा जटिल इसलिए है क्योंकि यहां सामाजिक प्रतिस्पर्धा, उपभोक्तावादी जीवनशैली, परिवार का टूटता हुआ ढांचा और आर्थिक असमानता आत्महत्या की प्रवृत्ति को तेज कर रही है। आत्महत्या केवल एक जीवन का अंत नहीं है, बल्कि यह एक पूरे परिवार और समाज की आशाओं का विघटन है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए केवल व्यक्तिगत प्रयास पर्याप्त नहीं हैं बल्कि समाज और सरकार दोनों को संयुक्त रूप से कार्य करना होगा। भारत सरकार ने 2017 में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम पारित करके आत्महत्या प्रयास को अपराध की श्रेणी से बाहर किया और 2020 में 'किरण' नामक राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की जो 13 भाषाओं में चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराती है। 2022 में राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति बनाई गई जिसका लक्ष्य 2030 तक आत्महत्या दर में 10 प्रतिशत की कमी लाना है। इसमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, परामर्श केंद्रों की स्थापना, रोजगार सृजन, परिवारिक संवाद को मजबूत करना, मीडिया की संवेदनशीलता और सामाजिक सहयोग जैसे उपायों पर जोर दिया गया है। साथ ही स्वयंसेवी संस्थाओं और हेल्पलाइन सेवाओं-जैसे आसरा, वंद्रेवाला, समैरिटन्स मुंबई-की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। आत्महत्या को रोकने का सबसे बड़ा उपाय यही है कि व्यक्ति को निराशा के अंधकार में छोड़ने के बजाय उसके जीवन में आशा, साहस और सहयोग का संचार किया जाए क्योंकि कठिनाइयों का समाधान आत्महत्या में नहीं बल्कि संघर्ष, विश्वास और सहारा देने वाले समाज में है।

दुनिया का यह दुखद सच यह भी है कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से बीमारियों से मरने वालों की संख्या घटी है पर आत्महत्या के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ी है। भौतिकवादी जीवनशैली, प्रतिस्पर्धा, अवसाद और असंतुलन ने मनुष्य को भीतर से खोखला बना दिया है। प्रसिद्ध कलाकार, जिनका सार्वजनिक जीवन में हंसता खेलता चेहरा दिखाई देता है, कभी अचानक आत्महत्या कर लेते हैं क्योंकि भीतर का अकेलापन और दबाव उन्हें जीने नहीं देता। सवाल यह है कि जिनके पास साधन और सहयोग की कमी नहीं, वे भी क्यों जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बर्दाश्त नहीं कर पाते। किसानों की आत्महत्या, आर्थिक तंगी, व्यापार में नुकसान, रिश्तों का टूटना, तलाक और अभाव की स्थिति आत्महत्या की सबसे बड़ी जड़ें हैं। समाज और परिवार का विघटन भी व्यक्ति को असहाय बना देता है।

आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। टॉयनबी ने ठीक ही कहा है कि कोई भी संस्कृति हत्या से नहीं बल्कि आत्महत्या से मरती है। इस स्थिति को बदलना जरूरी है। सरकारों, संगठनों, समुदायों और परिवारों की जिम्मेदारी है कि वे संवाद और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दें। जब कोई व्यक्ति संकट में हो तो परिवार, दोस्त, पड़ोसी और सहकर्मी उसे अकेला न छोड़ें बल्कि उसका हाथ थामें। हमें एक ऐसी सामाजिक संरचना बनानी होगी जहां मदद मांगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस माना जाए। जहां तनाव और अवसाद को गंभीरता से समझा जाए और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिले। जहां बच्चों को बचपन से ही संघर्षों से लड़ने की शिक्षा दी जाए और असफलताओं को जीवन का हिस्सा समझने का दृष्टिकोण विकसित किया जाए। आत्महत्या रोकथाम दिवस हमें यही संदेश देता है कि आत्महत्या से बचा जा सकता है, संवाद और सहयोग से जीवन बदला जा सकता है, और हर व्यक्ति को नई शुरूआत का अवसर दिया जा सकता है। यह दिन हमें यह समझाने आता है कि जिंदगी कठिन जरूर है लेकिन जीने के विकल्प हमेशा मौजूद हैं।

संपादकीय

आपदा का अपराधी पहाड़ ही क्यों

सडक पर विकराल होती बारिश ने कहर ढहाया या विकास ने आगे दौड़ पीछे चौड़ कर दी। जो भी हो मुसीबत के इस समय आंखों में सुरमा लगाए भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पहाड़ के पत्थर नहीं कोसे, बल्कि कोसी लापरवाही जो जिंदा विकास के मुर्दाघरों को नीलाम करने पर तुली रही। गडकरी ने फोरलेन की डीपीआर के कान पकड़े हैं, तो हिमाचल को भी विकास के आईने साफ कर लेने चाहिएं। केंद्रीय मंत्री ने न आपदा के बीच क्रंदन किया और न ही तोहमतें इधर उछालीं, बल्कि पहाड़ पर निर्माण की ऐसी व्याख्या की जो विज्ञान और विमर्श के बीच अगली कई सदियों को माप सकती है, बशर्ते हर इंच पर आगे बढ? की चुनौती को समझा जाए। अभी तो हमने पहाड़ पर विकास को केवल चिना है, न कि पहाड़ के लायक विकास को चुना है। पर्वतीय विकास की जिस इंजीनियरिंग की तरफ नितिन गडकरी इशारा कर रहे हैं, वह तो अभी शुरू ही नहीं हुई। फोरलेन परियोजनाओं के संदर्भ में केंद्रीय मंत्री का खुलासा सरासर लापरवाही तथा सार्वजनिक धन की सौदेबाजी है, लेकिन यह एक नियम के तहत बने तो मजमून बदलेगा। इस वक्त जलवायु परिवर्तन की सारी चुनौतियों का ठीकरा पहाड़ के सिर पर फोड़ा जा रहा है, क्योंकि देश आफत को समझने में अभी तक सचेत नहीं हुआ। आपदा का अपराधी हिमाचल ही क्यों बने। बेशक पहाड़ों को चीरा जा रहा है ताकि धूप आए और परिश्रम के गंतव्य में आर्थिक भूख मिट जाए, लेकिन यहां हर पेड़ अवैध तरीके से नहीं कटता। पेड़ भी काटता है हमारी रोजी रोटी और कहीं अचानक गिरकर तोड़ देता है जीने की राह पर सारी हड्डियां। जंगल या तो ज्यादा जंगली हो गए या जंगल को पर्यावरण का एकमात्र चिन्ह-प्रतीक मानने वालों ने सारे ताले पर्वतीय राज्यों पर लगा दिए। अपराधी पर्वत, जिसने अपनी तकदीर को जंगल बना लिया, उसे क्या मालूम बादलों का खेल। क्या समुद्र ने अपने भीतर सारी गर्मी को पहाड़ की तरफ धकेल दिया। क्या मैदानी इलाके जब तपते हैं तो किसी ने पर्वत को रोका कि अपने हिमनद को मत पिघलाओ। पर्वत की छाती से निकलती नदियों को देश की लू जब सुखाती है, तो कौन मैदानी इलाकों को कहता है कि पर्यावरण के लिए प्रचंड गर्मी को रोको। क्या बरसात के दो-तीन महीनों में ही पर्यावरण का चिंतन मनन का दरिया बहने लगता है। शेष नौ महीनों के पर्यावरण संरक्षण के लिए कौन दोषी। हिमाचल-उत्तराखंड की तरह सभी राज्यों को भी निर्देश दीजिए कि सभी आइंदा 70 फीसदी क्षेत्र में केवल वन उगाएं। हिमाचल के पड़ोसी मैदानी राज्य अगर 70 फीसदी जमीन में जंगलों की पैमाइश करें, तो मालूम हो जाएगा पर्यावरण संरक्षण की धार कितनी नुकीली और कितने दबाव से भरी होती है।

चिंतन-मनन

सृष्टि के परम स्वामी कृष्ण

मनुष्य को जानना चाहिए कि भगवान कृष्ण ब्रह्मांड के सभी लोकों के परम स्वामी हैं। वे सृष्टि के पूर्व थे और अपनी सृष्टि से भिन्न हैं। सारे देवता इसी भौतिक जगत में उत्पन्न हुए, किंतु कृष्ण अजन्मा हैं, फलतः वे ब्रह्मा और शिव जैसे देवताओं से भी भिन्न हैं। और चूंकि वे ब्रह्मा, शिव तथा अन्य समस्त देवताओं के स्त्रष्टा हैं अतः समस्त लोकों के परम पुरुष हैं। परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त पापकर्मों से मुक्त होना चाहिए। जैसे कि भगवद्गीता में कहा गया है, उन्हें केवल भक्ति के द्वारा जाना जा सकता है, किसी अन्य साधन से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह कृष्ण को साधारण मनुष्य न समझे।

इस जगत में शुभ या अशुभ वस्तुओं का बोध बहुत कुछ मनोधर्म है क्योंकि इस भौतिक जगत में कुछ भी शुभ नहीं है। प्रत्येक वस्तु अशुभ है। क्योंकि प्रकृति स्वयं अशुभ है। हम इसे शुभ मानने की कल्पना मात्र करते हैं। वास्तविक मंगल तो पूर्ण भक्ति और सेवाभाव से युक्त कृष्णभावनामृत पर ही निर्भर करता है। अतः यदि हम तनिक भी चाहते हैं कि हमारे कर्म शुद्ध हों, तो हमें परमेश्वर की आज्ञा से कर्म करना होगा। ऐसी आज्ञा श्रीमद्भागवत तथा श्रीमद्गीता जैसे शास्त्रों या प्रामाणिक गुरु से प्राप्त की जा सकती है। चूंकि गुरु भगवान का प्रतिनिधि होता है, अतः उसकी आज्ञा प्रत्यक्षतः परमेश्वर की आज्ञा होती है। गुरु, साधु तथा शाछा एक ही प्रकार से आज्ञा देते हैं। इन तीनों स्रेतों में कोई विरोध नहीं होता। कर्म संपन्न करते हुए भक्त की दिव्य मनोवृत्ति वैराग्य की होती है, जिसे संन्यास कहते हैं। जैसा कि भगवद्गीता के छठे अध्याय के प्रथम श्लोक में कहा गया है कि जो भगवान का आदेश मानकर कोई कर्त्तव्य करता है और जो अपने कर्मफलों की शरण ग्रहण नहीं करता, वही असली संन्यासी है। जो भगवान के निदेर्शानुसार कर्म करता है, वास्तव में संन्यासी और योगी वही है।

जीएसटी सुधार 2025-जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचना सबसे बड़ी चुनौती?

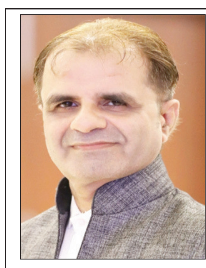

एड्वोकेट किशन सनमुखदास

बाजार जगत व व्यावसायिक वर्ग अलर्ट मोड पर रहें वित्तमंत्री का सख़्त रुख-कर कटौती का लाभ आम जनता तक पहुंचानें व्यक्तिगत रूप निगरानी का ऐलान!

22 सितंबर के बाद बहुत बड़ा सतर्कता अभियान चलनें की तैयारी -केंद्रीयमंत्री का सख़्त रुख और निगरानी का ऐलान- सांसदों और सीबीआईसी की जिम्मेदारी

भारत की आर्थिक संरचना में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) सुधारों को ऐतिहासिक मील का पत्थर माना जाता है। 2017 में जब इसे लागू किया गया था तो इसका मुख्य उद्देश्य था-'एक राष्ट्र,एक टैक्स' की अवधारणा के तहत पूरे देश को एकीकृत करना और कर ढांचे की जटिलताओं को कम करना। अब 2025 में, सरकार ने जीएसटी सुधारों की नई श्रृंखला लागू करते हुए कई वस्तुओं पर कर दरों में कटौती की है।यह कदम सीधे तौर पर महंगाई से जूझ रहे मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग को राहत देने वाला माना जा रहा है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या ये कर कटौती का लाभ वास्तव में आम जनता तक पहुंचेगा? क्या व्यवसायी वर्ग इस राहत को उपभोक्ताओं तक पारदर्शिता के साथ पहुंचाएंगे? और क्या अंतरराष्ट्रीय दबावों जैसे ट्रंप प्रशासन के 50 पर्सेंट टैरिफ फैसलों का कोई प्रभाव इन सुधारों पर पड़ा है?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचना सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती हैं जीएसटी दरों में कटौती से तुरंत उपभोक्ताओं को लाभ मिलना चाहिए, क्योंकि कर घटने पर वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें घटनी चाहिए। लेकिन व्यवहारिक धरातल पर स्थिति इतनी सरल नहीं होती।बाजार में अक्सर देखा गया है कि व्यापारी या निमार्ता अपने मार्जिन को बनाए रखने के लिए कीमतों में उतनी कटौती नहीं करते, जितनी कर दरों में कमी हुई है। उदाहरण के लिए, यदि किसी वस्तु पर पहले 18 पर्सेंट जीएसटी था और अब उसे 12 पर्सेंट या जीरो कर स्लैब में लाया गया है, तो कीमत में 6 पर्सेंट या 18 पर्सेंट की कटौती होनी चाहिए। लेकिन कई बार यह अंतर उपभोक्ताओं तक मात्र 2-3 पर्सेंट ही पहुंचता है। यही कारण है कि आम जनता के मन में भ्रम बना हुआ है कि क्या यह सुधार वास्तव में उनके लिए हैं या केवल उद्योग जगत के लिए।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे जीएसटी सुधार 2025-जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचना सबसे बड़ी चुनौती

साथियों बात अगर हम केंद्रीय वित्तमंत्री के 6 सितंबर 2024 को सख्त रुख और निगरानी के ऐलान की करें तो उन्होंने इन आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट कहा है कि वह व्यक्तिगत रूप से व्यवसायों द्वारा उपभोक्ताओं को लाभ पहुँचाने की प्रक्रिया की निगरानी करेंगी। यह बयान जनता में विश्वास जगाने वाला है, क्योंकि पहली बार किसी केंद्रीयमंत्री ने इतनी सख्ती से कहा है कि वह लाभ आम जनता तक पहुंचाने के लिए प्रत्यक्ष रूप से नजर रखेंगी। उन्होंने साफ कहा है कि 22 सितंबर के बाद बहुत बड़ा सतर्कता अभियान चलाया जाएगा,ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कर कटौती का असर कीमतों पर दिखे।सरकार ने इस निगरानी अभियान को केवल वित्त मंत्रालय तक सीमित नहीं रखा है। सांसदों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में बाजार दरों की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) इनको सख़्ती से अगले एक से डेढ़ महीने तक सतत निरीक्षण का काम सौंपा गया है। सीबीआईसी यह देखेगा कि कर कटौती का असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है या नहीं। इस तरह एक बहु-स्तरीय निगरानी तंत्र बनाया गया है ताकि कहीं भी लापरवाही या हेराफेरी की गुंजाइश न रहे।

साथियों बात अगर हम सरकार के कड़क संदेश की करें तोह्नलाभ न पहुँचाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगाह्न स्पष्ट वक्तव्य कि लाभ पहुंचाने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, बाजार जगत को सीधा संदेश देता है। इससे यह उम्मीद की जा रही है कि व्यवसायिक वर्ग सावधानी बरतेगा और उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने में सहयोग करेगा।यह बयान केवल एक चेतावनी नहीं,बल्कि सरकार की उस गंभीरता का प्रतीक है जो वह जनता को राहत देने के लिए दिखा रही है।

साथियों बात अगर हम उपभोक्ताओं को भी जागृत होने की करें तो,सिर्फ सरकार की निगरानी ही पर्याप्त नहीं है। उपभोक्ताओं को भी जागरूक होना होगा कि वे बाजार में घटे हुए कर दरों का लाभ पा रहे हैं या नहीं। यदि व्यापारी कीमत कम नहीं करता तो उपभोक्ता को शिकायत दर्ज कराने का अधिकार है। भारत में उपभोक्ता अदालतें और हेल्पलाइन मौजूद हैं, लेकिन अक्सर लोग उनका उपयोग नहीं करते। जीएसटी सुधारों का असली फायदा तभी मिलेगा जब जनता भी सक्रिय होकर अपने अधिकारों के लिए खड़ी होगी।डिजिटल बिलिंग और ई-इनवॉयसिंग व्यवस्था जीएसटी सुधारों को और प्रभावी बनाती है।अब हर लेनदेन की डिजिटल रिकॉर्डिंग होने लगी है, जिससे कर चोरी की संभावना कम होती है। इससे यह भी आसान हो जाएगा कि कर दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ता कीमतों में परिलक्षित हो रहा है या नहीं। सरकार को चाहिए कि वह डिजिटल ट्रैकिंग का इस्तेमाल कर कीमतों की वास्तविक स्थिति पर नजर रखे।

साथियों बात अगर हम जीएसटी 1.0 से जीएसटी 3.0 तक का सफर की करें तो,वित्त मंत्री ने खुद स्वीकार किया कि जीएसटी 1.0 (2017) का उद्देश्य राष्ट्र को एकीकृत करना था। इसके बाद जीएसटी 2.0 (2025) का फोकस 'सरलता' पर है, ताकि कर ढांचे को आम व्यवसायियों और जनता के लिए आसान बनाया जा सके। उन्होंने संकेत दिया कि जीएसटी 3.0 भविष्य में और भी व्यापक सुधार लेकर आएगा। संभव है कि इसमें पेट्रोलियम उत्पादों और कुछ अन्य जटिल कर ढांचों को भी शामिल किया जाए। इस तरह भारत की कर व्यवस्था धीरे-धीरे अधिक पारदर्शी और उपभोक्ता- हितैषी बन सकती है।भारत जैसे विशाल देश में महंगाई केवल कर ढांचे की वजह से नहीं, बल्कि आपूर्ति श्रृंखला, वैश्विक तेल कीमतों और मौसमी उतार-चढ़ाव पर भी निर्भर करती है। फिर भी कर कटौती से कुछ हद तक राहत मिलना तय है। यदि व्यवसायी वर्ग ईमानदारी से लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाए तो दाल, चीनी, पैक्ड फूड, कपड़े और घरेलू उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में कमी देखी जा सकती है।

पितृ पक्षः जहां श्रद्धा बनती है ऊर्जा और आशीर्वाद बनता है भाग्य

योगेश कुमार गोयल

हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष (श्राद्ध) को बहुत अहम माना गया है। श्राद्ध का अर्थ होता है 'श्रद्धापूर्वक'। हमारे संस्कारों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने को ही श्राद्ध कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दिवंगत परिजनों को उनकी मृत्यु तिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया जाना जाना ही श्राद्ध है। हिन्दू पंचांग के अनुसार पितृपक्ष की शुरूआत 7 सितम्बर से हुई है और 21 सितम्बर को सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितृपक्ष का समापन होगा। ब्रह्मपुराण के अनुसार उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम जो भी वस्तु उचित विधि द्वारा श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है। पितृ पक्ष को हिन्दू धर्म में 'महालय' या 'कनागत' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तर्पण कर्म और ब्राह्मण को भोजन कराने से पूर्वज प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों को याद कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करते हैं। दरअसल हिन्दू धर्म में मृत्यु के पश्चात पितरों की याद में श्राद्ध किया जाता है और उनकी मृत्यु की तिथि के अनुसार ही श्राद्ध की तिथि निर्धारित की जाती है। पिंडदान करने के लिए हरिद्वार और गया को सर्वोत्तम माना गया है। वैसे हिन्दू धर्म के अलावा ईसाई, इस्लाम और बौद्ध धर्म में भी अपने पूर्वजों को याद रखने की प्रथा है। पश्चिमी जगत में जहां पूर्वजों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाने की प्रथा है, वहीं ईसाई धर्म में व्यक्ति के निधन के चालीस दिनों पश्चात सामूहिक भोज की रस्म की जाती है। इस्लाम में चालीस दिनों बाद कब्र पर फातिहा पढ़ने और बौद्ध धर्म में भी पूर्वजों की याद में कुछ ऐसे ही प्रावधान देखने को मिलते हैं।

हिन्दू धर्म में मान्यता है कि पितृ पक्ष के दिनों में यमराज आत्मा को मुक्त कर देते हैं ताकि वे अपने परिजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। ऐसी ही मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दिनों में पितर नीचे पृथ्वी पर आते हैं और बिना किसी आव्हान के अपने वंशजों के घर किसी भी रूप में जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें तृप्त नहीं किया जाए तो उनकी आत्मा नाराज होकर अतृप्त लौट जाती है। माना गया है कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो जिंदगी मुसीबतों से भर जाती है। इसलिए शास्त्रों में पितरों का श्राद्ध विधिपूर्वक करना जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि यदि पितर खुशी-खुशी वापस जाते हैं तो अपने वंशजों को दिए गए उनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। पितृ पक्ष के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। पितृ पक्ष में सगाई, विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश, परिवार के लिए महत्वपूर्ण चीजों की खरीददारी, नए कपड़े खरीदना, कोई नया कार्य शुरू करना इत्यादि कोई भी शुभ कार्य करना अच्छा नहीं माना जाता। जिंदगी में सफलता के लिए मेहनत, किस्मत, ईश्वरीय कृपा के साथ-साथ पूर्वजों का आशीर्वाद भी बेहद जरूरी होता है और धर्म एवं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्वजों को सम्मान देने से वे प्रसन्न होते हैं तथा पूरे परिवार पर कृपा करते हैं। इसीलिए हमारे दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण-श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों को जल देने की विधि को तर्पण कहा जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में पितृ दोष को अशुभ फल देने वाला माना गया है और शास्त्रों के अनुसार पितृ पक्ष में पितरों का तर्पण करने से पितृ दोष से आने वाली परेशानियां दूर होती हैं तथा पितरों का आशीर्वाद मिलता है। देव ऋण, ऋषि ऋण तथा पितृ ऋण का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है और पितृ पक्ष में माता-पिता के प्रति तर्पण करके श्रद्धा व्यक्त की जाती है क्योंकि पितृ ऋण से मुक्त हुए बिना जीवन निरर्थक माना जाता है। सनातन धर्म के अनुसार देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण से मुक्ति पाए बिना व्यक्ति का पूर्ण कल्याण होना असंभव है। ऋषि ऋण से स्वाध्याय के जरिये, देवऋण से यज्ञ के जरिये और पितृ ऋण से श्राद्ध तथा तर्पण द्वारा मुक्ति प्राप्त हो सकती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्राद्ध पक्ष में पितरों से संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। महर्षि वेद व्यास के अनुसार जो व्यक्ति श्राद्ध द्वारा अपने पितरों को संतुष्ट करता है, वह पितृ ऋण से मुक्त होकर ब्रह्मलोक को जाता है।

महर्षि जाबालि के अनुसार अपने पितरों का श्राद्ध करने वाले व्यक्ति को पुत्र, आयु, आरोग्य, ऐश्वर्य और इच्छित फल की प्राप्ति होती है। श्राद्ध पक्ष के दौरान दिन में सोना, असत्य भाषण, रति क्रिया, सिर और शरीर पर तेल, साबुन, इत्र आदि लगाना, मदिरापान करना, लड़ाई-झगड़ा, वाद-विवाद, अनैतिक कृत्य तथा किसी भी जीवधारी को कष्ट पहुंचाना निषेध माना गया है। पितृपक्ष को लक्ष्मी और ज्ञान की साधना के लिए उत्तम काल माना गया है। पितरों के निमित्त आयोजित किए जाने वाले पितृ पक्ष को आत्मबोध के लिए भी अति उत्तम तथा जीवन के संघर्ष को उत्कर्ष में परिवर्तित करने का समय माना गया है। हिन्दू धर्म ग्रंथों के अनुसार श्रद्धा से किया गया श्राद्ध पूर्वजों तक पहुंचे या न पहुंचे लेकिन यह जीवन में उन्नति और प्रगति के द्वार अवश्य खोल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

फलस्तीन को मान्यता देकर भारी गलती कर रहे कई देश, इस्राइल की चेतावनी- ये हमास को तोहफा देने जैसा

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने हाल के समय में कई देशों द्वारा फलस्तीन को मान्यता देने के एलान की कड़ी आलोचना की है। सार ने इसे बड़ी गलती बताया और चेतावनी दी कि ऐसा करने से क्षेत्र में अशांति आ सकती है और इस्राइल को भी एकतरफा तरीके से कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। तेल अवीव में डेनमार्क के विदेश मंत्री के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गिदोन सार ने कहा कि फलस्तीन को इस तरह से मान्यता देने से शांति प्रयासों को नुकसान पहुंचेगा और यह हमास जैसे संगठनों की हिम्मत बढ़ाएगा।

अगस्त में 145200 अफगान पाकिस्तान से स्वदेश लौटे

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान से अफगानिस्तान लौटने वाले शरणार्थियों की संख्या में पिछले माह जबर्दस्त वृद्धि दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त में 1,45,200 अफगानी स्वदेश लौटे। इनमें से लगभग 55,000 ने अंतिम चार दिनों में वापसी की। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने रिपोर्ट में कहा कि अगस्त में अफगानों की वापसी में 254प्रतिशत बढ़ोतरी हुई जबकि जुलाई की तुलना में निर्वासन में 191प्रतिशत की वृद्धि हुई। चार सितंबर तक 5,31,700 अफगान पाकिस्तान से लौट गए।

लड़की के कपड़े पहनकर टिकटॉक वीडियो बनाने के आरोप में पाकिस्तानी युवक गिरफ्तार

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि वह लड़कियों के कपड़े पहनकर टिकटॉक पर वीडियो पोस्ट करता था। घटना पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की है, जहां के स्वाबी जिले में रहने वाला एक युवक महिलाओं के कपड़े पहनकर वीडियो शूट करता था और बाद में उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट करता था। युवक की पहचान अब्दुल मुगीज के रूप में हुई है। आरोप है कि अब्दुल टिकटॉक वीडियो में महिलाओं के कपड़े पहनकर आपत्तिजनक हरकतें करता था, जिसे लेकर लोगों में भारी गुस्सा था। शिकायतें मिलने के बाद पुलिस ने कई जगह छापेमारी की और अब जाकर आरोपी को पकड़ सकी।

कैनसस सिटी में 50 साल के कैदी की मौत को कोर्ट ने हत्या माना

कैनसस सिटी, एजेंसी। अमेरिका के कैनसस सिटी में वायंडॉट काउंटी जेल में इसी साल 5 जुलाई को हिरासत में लिए गए 50 वर्षीय कैदी चार्ल्स अडैर की मौत हो गई थी। कोर्ट ने इसे हत्या करार दिया है। खबरों के मुताबिक उसे ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पोस्टमार्टम में मौत का कारण %मैकेनिकल एस्फिक्सिया% यानी सांस रुकना पाया गया। मृतक हृदय रोग और शराबजनित लीवर सिरोसिस ने भी पीड़ित था। रिपोर्ट के अनुसार, जेल में स्टाफ से संघर्ष के बाद उसे सेल में लिटाया गया, लेकिन कुछ ही मिनटों बाद वह बेहोश पाया गया, जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया।

थाइलैंड के पीएम पद के लिए अनुतिन को मिली शाही मंजूरी

बैंकॉक, एजेंसी। थाइलैंड के अनुभवी राजनीतिज्ञ अनुतिन चार्नवीराकुल को रविवार को देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शाही मंजूरी मिल गई। दो दिन पहले संसद ने उन्हें इस पद के लिए चुना था। 58 वर्षीय अनुतिन, फ्यू थाई पार्टी के पैतोंगटार्न शिनावात्रा का स्थान लिया। शिनावात्रा को पिछले सप्ताह नैतिकता के उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर पद से बर्खास्त कर दिया गया था।

दीपावली कार्यक्रम में मणिपुर के कलाकारों ने मन मोहा

सिंगापुर, एजेंसी। मणिपुर के एक सांस्कृतिक दल ने सिंगापुर में शनिवार को लिटिल इंडिया परिसर में दीपावली लाइटअप कार्यक्रम में प्रस्तुति दी। इस वार्षिक कार्यक्रम में सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षण्मुगरत्नम और विभिन्न समूहों के 700 प्रतिभागियों ने शिरकत की। इसी के साथ देश में दो महीने तक चलने वाले दीपोत्सव की शुरुआत हुई।

यूक्रेन पर हमले से डोनाल्ड ट्रंप नाराज, रूस पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी

वाशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन मुद्दे को लेकर अमेरिका और रूस के बीच लगातार खींचतान जारी है। कुछ हफ्ते पहले ही अलास्का में हुई ट्रंप और पुतिन की मीटिंग के बाद इस बात के आसार लगाए जा रहे थे कि अब युद्ध खत्म हो जाएगा। लेकिन वक्त के साथ वह आसार भी हवा हो गए। अब राष्ट्रपति ट्रंप एक बार फिर से रूस से ऊपर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहे हैं। उनका यह बयान रूस की तरफ से यूक्रेन पर किए गए एक बड़े हवाई हमले के बाद सामने आया है।

वाइट हाउस के बाहर मीडिया से बात करते हुए ट्रंप से पूछा गया कि क्या हाल में यूक्रेन पर हुए हमले के बाद वह रूस पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहे हैं। इसका जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि वह इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि ट्रंप की तरफ से इस बात पर कोई ज्यादा जानकारी नहीं दी गई कि वह रूस के ऊपर किस तरह के नए प्रतिबंधों की तैयारी कर रहे हैं।

आपको बता दें कि ट्रंप द्वारा यह बयान ऐसे समय में दिया गया है जब रूस की तरफ से यूक्रेन की राजधानी कीव पर जोरदार हमला बोला गया है। 800 से ज्यादा ड्रोन्स, मिसाइलों और रॉकेट्स के जरिए किए गए इस हमले में कीव में बड़े स्तर पर तबाही हुई है। इस हमले में करीब दो लोगों की मौत हो गई है और 15 से

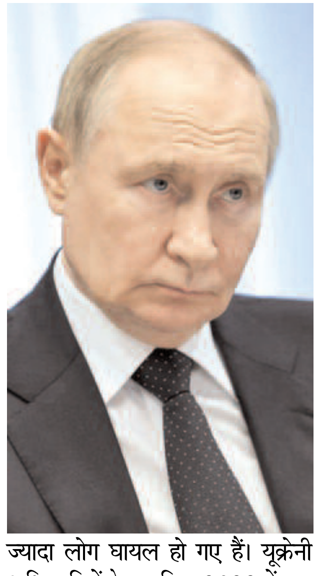

ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद यह कीव के ऊपर सबसे बड़ा रूसी हमला है। पिछले महीने ही अलास्का में ट्रंप को पुतिन की बैठक के बाद रूस लगातार यूक्रेन को निशाना बनाता आ रहा है।

ट्रंप के इस बयान को लेकर दूसरे मायने भी निकाले जा रहे हैं, कुछ घंटों पहले ही अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रूसी तेल खरीदने वाले देशों के ऊपर और प्रतिबंध लगाने के आह्वान किया था। रूसी तेल खरीदने के मामले में भारत दूसरे नंबर पर है, और चीन पर अमेरिका प्रतिबंध लगाने के मूड में नहीं है। इसलिए बेसेंट का यह आह्वान भारत के संबंध में ही प्रतीत होता है। अपने इस आह्वान के पीछे तर्क देते हुए बेसेंट ने कहा था कि अगर ऐसा हो जाता है तो रूस की अर्थव्यवस्था पर इसका काफी बुरा असर पड़ेगा, इससे वह यूक्रेन के साथ बातचीत करने के लिए मजबूर हो जाएगा। यूक्रेन और रूस के मुद्दे को लेकर ट्रंप लगातार कोशिश करते नजर आ रहे हैं। इस मुद्दे और कथित तौर पर अपनी निजी खुन्नस के चलते उन्होंने भारत के साथ भी अपने संबंध खराब कर लिए हैं। भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे ट्रंप अब इस मोर्चे पर भी फेल होते नजर आ रहे हैं। यूरोप के उनके साथी भी उन पर तंज कस रहे हैं। हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने इस मुद्दे पर कहा था कि अगर पुतिन यूक्रेन पर हमले कम नहीं करते या बातचीत के लिए तैयार नहीं होते, तो यह तय है कि उन्होंन एक बार फिर से ट्रंप के साथ ब्लफ कर दिया है।

इरफान अली दूसरी बार बने गुयाना के राष्ट्रपति, शपथ ली

जॉर्जटाउन, एजेंसी। गुयाना की सत्तारूढ़ पीपुल्स प्रोग्रेसिव पार्टी के इरफान अली ने रविवार को तेल-समृद्ध दक्षिण अमेरिकी देश के राष्ट्रपति के रूप में दूसरी बार शपथ ली। चुनाव आयोग ने उनकी जीत की पुष्टि कर दी है। देश की अपेक्षाकृत हालिया तेल संपदा से प्राप्त राजस्व को लोकप्रिय सामाजिक कार्यक्रमों में लगाने के बाद अली ने रविवार को संकल्प लिया कि वह एक विविध अर्थव्यवस्था का निर्माण करेंगे, जो रोजगार पैदा करेगी।

नेपाल और चीन का संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास सागरमाथा फ्रेंडशिप का पांचवां संस्करण रविवार को काठमांडो में शुरू हुआ। नेपाल सेना के अनुसार, 10 दिन चलने वाले इस अभ्यास में आपदा प्रबंधन, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन और आतंकवाद-रोधी अभियानों सहित कई विषयों पर दोनों सेनाओं के बीच अनुभव साझा किए जाएंगे। नेपाल और चीन के बीच यह संयुक्त सैन्य अभ्यास 2017 से शुरू हुआ है और इसे बारी-बारी से दोनों देशों में आयोजित किया जाता है।

वेटिकन सिटी में कार्लो अक्यूटिस पहले मिलेनियल संत बने

वेटिकन सिटी, एजेंसी। वेटिकन सिटी में पोप लियो ने रविवार को एक समारोह में 15 साल के कार्लो अक्यूटिस को कैथोलिक चर्च का पहला मिलेनियल संत घोषित किया। कार्लो की 2006 में ब्लड कैंसर से मौत हो गई थी। वो भगवान के दूत कहे जाते थे।

इस मौके पर दुनियाभर से करीब 70 हजार युवा शामिल हुए। कार्लो का जन्म 1991 में ब्रिटेन में हुआ था और वे इटली में रहे। उन्होंने कंप्यूटर कोडिंग सीखकर धार्मिक वेबसाइट्स बनाईं। उनकी कहानी ने कई युवाओं को प्रेरित किया। पोप लियो ने कार्लो के साथ-साथ 1920 में पोलियो से मरे इटली के पियर जियोर्जियो फ्रासाती को भी संत घोषित किया। फ्रासाती अपनी दानशीलता के लिए मशहूर थे।

सेंट पीटर्स स्क्वायर में पोप लियो ने कहा, हम सभी के पास संत बनने का मौका है। उन्होंने कार्लो के शब्दों को दोहराया, स्वर्ग हमारा इंतजार कर रहा है, और आज अपना सर्वश्रेष्ठ देना जरूरी है।

पोप ने युवाओं से कहा कि वे कार्लो और फ्रासाती से प्रेरणा लें और अपने जीवन को बेहतर बनाएं। यह समारोह पहले अप्रैल में होने वाला था, लेकिन पोप फ्रांसिस की मृत्यु के कारण टल गया। यह पहला मौका था जब पोप लियो ने ऐसा समारोह किया।

लंदन में फलस्तीन समर्थकों का प्रदर्शन, 900 गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। फलस्तीन एक्शन नामक संगठन को आतंकवादी समूह घोषित किए जाने के विरोध में शनिवार को लंदन की सड़कों पर सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया। पार्लियामेंट स्क्वॉयर पर प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प भी हुई, जिसके बाद लगभग 900 से ज्यादा लोगों को पुलिस पर हमले और अन्य सार्वजनिक व्यवस्था उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। ?पुलिस ने बताया कि अधिकारियों को असहनीय दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। उन्हें लात-घूंसों से मारा गया।

ऑस्ट्रेलिया की मशरूम किलर को उम्रकैद की सजा

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की मशरूम किलर को वहां की एक अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा के तहत दोषी महिला को 33 साल बाद ही जमानत मिल सकेगी। ऑस्ट्रेलिया के इस मामले पर पूरी दुनिया की नजर थी क्योंकि जिस तरीके से दोषी महिला एरिन पैटर्सन ने अपने पूर्व पति के माता-पिता की हत्या की थी, उसने पूरी दुनिया को चकित कर दिया था।

क्या है मामला : दरअसल एरिन पैटर्सन ने अपने पूर्व पति के माता-पिता समेत तीन लोगों को जहरीली मशरूम खिलाकर मार डाला था। 50 वर्षीय पैटर्सन को जुलाई में हत्या का दोषी करार दिया गया था और अब सोमवार को अदालत ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई। एरिन ने साल 2023 में अपने पूर्व पति के माता-पिता और अंकल-आंटी को अपने घर खाने पर बुलाया था। इस दौरान एरिन ने खाने में जहरीली मशरूम मिला दी, जिसे खाने से तीन लोगों की मौत हो गई। पूरी दुनिया में यह मामला मशरूम मर्डर के नाम से चर्चित हुआ। अभी तक इन हत्याओं के पीछे की वजह पता नहीं है।

33 साल बाद ही मिल सकेगी एरिन को जमानत : एरिन का दावा है कि उसने अनजाने में खाने में जहरीली मशरूम मिला दी थी। हालांकि अदालत ने उसके दावे को नहीं माना। जिस वक्त महिला ने अपने पूर्व पति के परिवारवालों को जहरीली मशरूम खिलाकर मारा, उस वक्त उसका अपने पति से झगड़ा चल रहा था और बच्चों के खर्च को लेकर दोनों के बीच विवाद था। अदालत के आदेश के तहत 33 साल बाद ही एरिन को जमानत मिल सकेगी और उस वक्त वह करीब 83 साल की हो जाएगी। इस तरह एरिन की बाकी जिंदगी अब जेल में ही गुजरेगी। हालांकि अभी एरिन के पास सजा के खिलाफ अपील के लिए 28 दिन का समय बाकी है।

रूस ने कैंसर के इलाज के लिए नई वैक्सीन बनाई, प्री-क्लिनिकल ट्रायल्स में 100प्रतिशत इफेक्टिव

मास्को, एजेंसी। रूस ने कैंसर के इलाज में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। देश की नई एमआरएनए बेस्ड वैक्सीन एंटरोमिक्स ने प्री-क्लिनिकल ट्रायल्स में 100प्रतिशत प्रभावशीलता और सुरक्षा दिखाई है।

रूस के नेशनल मेडिकल रिसर्च रेडियोलॉजी सेंटर और रूसी एकेडमी ऑफ साइंस के एंगेलहार्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ने मिलकर इस वैक्सीन को विकसित किया है। इस वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल्स की शुरुआत 48 वॉलंटियर्स के साथ की गई थी। इन ट्रायल्स की घोषणा सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (एसपीआईईएफ2025) में 18 से 21 जून को की गई थी।

वैक्सीन कैंसर को रोकने में सक्षम : यह वैक्सीन न केवल कैंसर से लड़ने में सक्षम है, बल्कि भविष्य में कैंसर को रोकने की दिशा में भी एक बड़ा कदम हो सकती है। फेडरल मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी (एफएमबीए) ने घोषणा की है कि यह वैक्सीन अब क्लिनिकल उपयोग के लिए तैयार है। एफएमबीए की प्रमुख वेरोनिका स्क्वॉर्ट्सोवा के अनुसार, एंटरोमिक्स एक एमआरएनए आधारित वैक्सीन है, जो हर मरीज के लिए उनकी व्यक्तिगत आरएनए के आधार पर खास रूप से तैयार की जाएगी। यह वैक्सीन शरीर के इम्यून सिस्टम को सुधारती है ताकि वह कैंसर कोशिकाओं को पहचान कर उन्हें खत्म कर सके। यह वैक्सीन ट्यूमर को छोटा करने और उनकी वृद्धि को रोकने में बेहद प्रभावी साबित हुई है। खास बात यह है कि इसे बार-बार इस्तेमाल करने पर भी कोई गंभीर साइड इफैक्ट नहीं देखे गए, जो इसे कीमोथेरेपी और रेडिएशन जैसे इलाजों से अलग बनाता है।

पहली पर्सनलाइज्ड कैंसर वैक्सीन बन सकती है : एंटरोमिक्स का पहला संस्करण कोलोरेक्टल कैंसर (आंतों का कैंसर) के इलाज के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा, वैज्ञानिक ग्लियोब्लास्टोमा (मस्तिष्क का कैंसर) और मेलेनोमा (त्वचा का कैंसर) के लिए वैक्सीन के अन्य संस्करणों पर काम कर रहे हैं। अब जब क्लिनिकल ट्रायल्स सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं, वैक्सीन को रेगुलेटरी मंजूरी का इंतजार है। अगर यह मंजूरी मिलती है, तो एंटरोमिक्स दुनिया की पहली पर्सनलाइज्ड एमआरएनए कैंसर वैक्सीन बन सकती है। यह वैक्सीन न केवल रूस बल्कि पूरी दुनिया में हजारों लोगों की जान बचा सकती है और कैंसर के इलाज में एक नया युग शुरू कर सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप की हमास को आखिरी चेतावनी, बोले- अगर बंधकों को नहीं छोड़ा तो हालात और भी ज्यादा खराब होंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास को आखिरी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर इजरायली बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो हमास के लिए हालात कठिन और बदतर हो सकते हैं। इतना ही नहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए इजरायल उनकी (ट्रंप की) शर्तों पर राजी हो गया है। अब हमास की बारी है, अमेरिका लगातार हमास के साथ बातचीत कर रहा है। हमास से बंधक बनाए गए सभी लोगों को तुरंत रिहा करने की भी मांग की गई है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखे अपने पोस्ट में ट्रंप ने हमास को कड़े शब्दों में चेतावनी दी। ट्रंप ने लिखा, हम हमास के साथ बहुत गंभीर स्तर पर

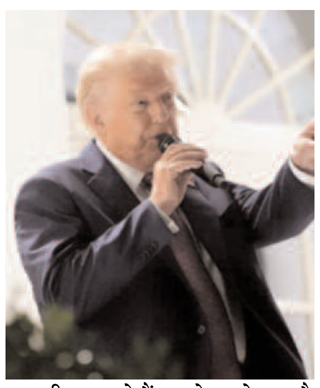

बातचीत कर रहे हैं। हमने उनसे कहा है कि सभी बंधकों को अभी रिहा करो... अगर ऐसा नहीं होता है तो उनकी हालत और भी ज्यादा खराब हो जाएगी। यह हमास के लिए मेरी आखिरी चेतावनी थी। इसके बाद दूसरी नहीं होगी। ट्रंप ने बातचीत के बारे में और जानकारी देते हुए कहा कि हमास कुछ ऐसी मांगे कर रहा है, जो कि ठीक नहीं है। हालांकि ट्रंप ने इस मांगों को बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। गौरतलब है कि ट्रंप का यह बयान अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के उस ऐलान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ट्रंप वाइट हाउस में एक बैठक की अगुआई करेंगे ताकि युद्ध के बाद गाजा के मैनेजमेंट के लिए योजना पर चर्चा हो सके। टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक विटकॉफ ने पहली बार खुलासा किया था कि अमेरिका के पास युद्ध के बाद की स्थिति के लिए कोई योजना है। उन्होंने कहा,कई लोग देखेंगे कि ये योजना कितनी मजबूत और नेकनीयत से बनाई गई है। यह राष्ट्रपति ट्रंप के मजबूत मानवीय इरादों को दिखाती है। हालांकि विटकॉफ ने इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया।

विटकॉफ ने ट्रंप प्रशासन के आधिकारिक रुख को दोहराया कि वे गाजा में बंधकों को लेकर आंशिक समझौतों का विरोध करते हैं। इससे पहले ट्रंप ने भी इस रुख का समर्थन किया था। उन्होंने हमास की ओर से अरब मध्यस्थों के प्रस्ताव को स्वीकार करने के बाद ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया था। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि बंधकों को तभी रिहा किया जाएगा जब हमास को पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा।

जेलों में भुखमरी पर इस्राइल की सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

येरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बीते 23 माह से अधिक समय से हिंसक संघर्ष हो रहा है। गाजा पट्टी में रहने वाले लोग भुखमरी और अभूतपूर्व मानवीय संकट का सामना कर रहे हैं। भारी गोलाबारी के बीच फलस्तीनी जनता तक राहत सामग्री पहुंचाने में भी चुनौतियां सामने आ रही हैं। ताजा घटनाक्रम में इस्राइल की सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को एक अहम फैसले में कड़ी टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि देश की सरकार ने फलस्तीनी कैदियों को %जीवन-निर्वाह करने के लिए पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं कराया।% कोर्ट ने पोषण की स्थिति में तत्काल सुधार लाने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को लगभग दो साल से चल रहे युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार की कार्यप्रणाली में दुर्लभ हस्तक्षेप की तरह देखा जा रहा है।

भारत पर टैरिफ लगाना सही फैसला; जेलेंस्की ने यूएस ऐक्शन को बताया सही, कारण भी गिनाए

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भारत पर अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने के फैसले को सही करार दिया है। उनका कहना है कि अमेरिका ने रूस को ताकत पहुंचाने वाले देश पर यदि सख्ती की है तो उसमें गलत क्या है। एबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की ने चीन, रूस और भारत के नेताओं के एक मंच पर आने पर भी बात की। उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिकी टैरिफ का फैसला बैकफायर कर गया है क्योंकि मोदी, पुतिन और शी जिनपिंग एक मंच पर नजर आए हैं और जुगलबंदी दिखी है। इस पर जेलेंस्की ने कहा कि मैं मानता हूं कि भारत पर टैरिफ लगाने का अमेरिका का फैसला सही है। रूस के साथ कारोबार करने वालों पर पाबंदियां लगाना जरूरी है।

उनसे एक और सवाल पूछा गया कि आपकी मांग है कि रूस पर ज्यादा से ज्यादा पाबंदियां लगें और यूक्रेन को मदद मिले।

इस पर जेलेंस्की ने कहा कि मैं डोनाल्ड ट्रंप सरकार की ओर से उठाए कदमों से खुश हूं। रूस के साथ किसी भी तरह की डील करना सही नहीं है। उस पर पाबंदियों का मैं समर्थन करता हूं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप जानते हैं कि कैसे व्लादिमीर पुतिन को रोका जा सकता है। व्लादिमीर पुतिन का हथियार यह है कि वह दुनिया के कई देशों को तेल और गैस बेचते हैं। उनकी उस ताकत को छीनना होगा। हमने इस सप्ताह मोदी, पुतिन और शी जिनपिंग के बीच मीटिंग देखी। आपने जब मोदी को वहां देखा तो आपको कैसा लगा? क्या आप मानते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से टैरिफ लगाने का फैसला बैकफायर कर गया। इस पर जेलेंस्की ने कहा कि मैं मानता हूं कि भारत पर टैरिफ लगाने का अमेरिका का फैसला सही है। रूस के साथ कारोबार करने वालों पर पाबंदियां लगाना जरूरी है। अलास्का समिट के बारे में पूछे जाने पर वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि मैं वहां नहीं था। जेलेंस्की ने कहा कि इस मीटिंग के जरिए ट्रंप ने पुतिन को वह सब दिया, जो वह चाहते थे। रूसी नेता की लंबे समय से इच्छा रही है कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति से मिलें।

जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप ने उन्हें यह मौका दिया और रेड कार्पेट बिछा कर दिया। वहीं व्लादिमीर पुतिन के मॉस्को आकर वार्ता करने के ऑफर पर जेलेंस्की ने कहा कि वह भी तो कीव आ सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि जब मेरा देश मिसाइलों के साये में हो तो उन्हें दागने वालों की राजधानी में ही कैसे जा सकता हूं। जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें वार्ता ही करनी थी तो जंग के बीच में क्यों नहीं की, जब हम लगातार ऐसी मांग कर रहे थे। यूक्रेनी नेता ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप से मुझे द्विपक्षीय वार्ता का संकेत मिला था। इस पर मैंने कहा था कि हम कैसी भी वार्ता के लिए तैयार हैं। बस मॉस्को जाकर कोई मीटिंग होगी।

रूस ने कीव पर दागे ड्रोन और मिसाइलें, कैबिनेट बिल्डिंग से उठा धुआं; हमले में दो की मौत

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध लगातार बड़ा रूप लेता जा रहा है। इस बीच खबर है कि रूस की ओर से यूक्रेन की राजधानी कीव पर एक बार फिर ड्रोन और मिसाइल दागी गई है। इस हमले में कम से कम दो लोगों के मौत होने की सूचना है। दरअसल, बड़े पैमाने पर रूसी ड्रोन और मिसाइलों ने कीव पर हमला बोला है। इस हमले के बा कीव के कैबिनेट भवन की छत से भी धुआं उठता हुआ देखा गया है। हालांकि, इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि ये धुआं हमले के कारण देखने को मिला या किसी और वजह से निकल रहा था। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, कीव के नगर प्रशासन प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि मृतकों में एक साल का बच्चा भी शामिल है। बच्चे का शव मलबे से निकाला गया है। कीव के मेयर विटालि क्लित्स्को ने बताया कि रूस की ओर से दागे गए ड्रोन का मलबा स्वियातोशिन्स्की जिले के एक आवासीय इमारत और कीव के डार्नितस्की जिले में एक अन्य इमारत पर गिरा। वहीं, इस हमले में 10 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है।

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी से संभव

भारत में सिर और गर्दन का कैंसर एक आम समस्या बनती जा रही है। इन समस्याओं में ओरल यानी कि मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इस कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। हालांकि, शुरुआती निदान के साथ इस कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्य से वेस्टर्न दुनिया की तुलना में भारत में इस कैंसर का सरवाइवल रेट बहुत कम है।

ग्लोबोकैन 2018 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश की 24 प्रतिशत आबादी सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित है, और हर साल इस कैंसर के 2.75 लाख नए मामले रजिस्टर किए जाते हैं। आईसीएमआर की नेशनल कैंसर रेजिस्ट्री प्रोग्राम के डाटा के अनुसार, देश के तीन कैंसर मामलों में से एक बीआईएमएआरयू राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) से संबंधित होता है। 2016 में, भारत में 14.5 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे, जबकी 2017 में यह संख्या बढ़कर 15.17 लाख हो गई। इनमें से 5.75 लाख मामले बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थे। चार बीआईएमएआरयू राज्यों में से एक यूपी में कैंसर के 2.5 लाख मामले देखे गए जो देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। यूपी की बात करें तो इसका मुख्य कारण यह है कि, वहां के लोग पान मसाला और तंबाकू का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं।

पहले का इलाज केवल कैंसर और बीमारी को ठीक करने के लिए किया जाता था, जिसके कारण मरीज को अन्य समस्याओं, जैसे टेढ़ा चेहरा, निशान, टेढ़-मेढ़े दांत, चेहरे के आकार में बदलाव, कंधों में झुकाव आदि से जूझना पड़ता था। टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ आज मिनमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए सिर और कैंसर के चौथे चरण का इलाज भी संभव हो गया है, जिसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। ऐसे कैंसरों के इलाज को बेहतर करने के लिए आज देश में ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) भी उपलब्ध है। इस सर्जरी के परिणाम बेहतर होने के साथ ही मरीज का चेहरा भी खराब नहीं होता है और न ही कोई निशान रह जाते हैं। टीओआरएस के साथ मरीजों के सरवाइवल रेट में भी सुधार आया है।

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी- इलाज के लिए एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी एक नई तकनीक है, जो कैंसर की खतरनाक से खतरनाक सेल्स को भी हटा देता है। रोबोटिक हाथ, बिना कोई चीरा लगाए गर्दन की सभी कैंसर कोशिकाओं को हटा देता है। पहले जुबान के ज्यादा अंदर, यानी कि टॉन्सिल्स तक पहुंचना मुश्किल होता था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ वहां तक पहुंचना भी संभव हो गया है। ये प्रक्रिया न सिर्फ कैंसर के मरीजों के लिए बल्कि सर्जनों के लिए भी एक वरदान साबित हुई है। सर्जरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को रोबोटिक सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है, जिसकी मदद से छोटी से छोटी जगह तक भी आसानी से पहुंच कर इलाज किया जा सकता है। चीरा लगाने की जरूरत न होने के कारण न्यूरोवस्कुलर टिशूज को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, जिससे मरीजों को निगलने में आसानी होती है और अस्पताल से डिस्चार्ज भी जल्दी कर दिया जाता है। सर्जरी के बाद मरीज की देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाता है, जिससे उनमें ब्लीडिंग, इंफेक्शन या कोई और समस्या न हो सके।

टीओआरएस- एक एडवांस तकनीक

रोबोटिक सर्जरी होने के कारण कैंसर के इलाज में बदलाव हुए हैं। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया की मदद से अब ओपन सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। पहले इस प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन देर से निदान के कारण इलाज के परिणाम कुछ खास नहीं होते थे। दुर्भाग्य से, टीओआरएस से पहले सर्जरी पूरी तरह से इनवेसिव (सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाना पड़ता था) हुआ करती थी। चीरे और काट-पीट के कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी मरीजों के चेहरों के आकार खराब हो जाते थे। लेकिन यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया 100 फीसदी सुरक्षित है।

भारत में टीओआरएस का भविष्य कैसा होगा?

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी का इस्तेमाल जुबान, मुंह, गला और सिर व गर्दन के कई अन्य स्थानों के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है। सर्जिकल उपकरणों में प्रगति के साथ, रोबोटिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी प्रकार के ट्यूमर तक पहुंचना संभव हो गया है।

टीओआरएस की मदद से सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज करना बेहद आसान हो गया है, जिसमें न तो आवाज जाने का खतरा होता है और न ही निगलने में परेशानी होती है। इसके अलावा, इस एडवांस सर्जरी की मदद से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके चेहरे पर कोई निशान भी नहीं रहते हैं। देश के कई डॉक्टर इस विकल्प को पसंद कर रहे हैं।

- डॉक्टर समीर कौल

टेस्टी अंगूर के आश्चर्यजनक फायदे

मीठे अंगूर के दाने न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि ये सेहत का खजाना भी है। आपको हेल्दी रखने के साथ ही अंगूर आपकी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इंस्टेंट एनर्जी के लिए भी आप अंगूर का सेवन कर सकते हैं।

- ब्रेस्टफीट कराने वाली महिलाओं को रोजाना करीब 100 ग्राम अंगूर खाना चाहिए। इससे दूध बढ़ता है है।
- कब्ज की वजह से सिरदर्द, चक्कर जैसी समस्याएं हो रही हैं, तो इससे राहत के लिए रोजाना नियमित रूप से 25 ग्राम अंगूर का रस पीएं।
- एसिडिटी होने पर 25-25 ग्राम अंगूर और सौंफ को रातभर 250 मि ली। पानी में भिगोकर रखें। सुबह उसे मसलकर छान लें। फिर उसमें 10 ग्राम शक्कर मिलाकर पीएं। कुछ दिनों तक नियमित रूप से ऐसा करने से एसिडिटी से राहत मिलेगी।

- यदि आपको कमजोरी महसूस हो रही है, तो 25 ग्राम अंगूर खाएं और उसके बाद आधा लीटर दूध पीएं। इससे कमजोरी दूर होगी।
- पेशाब में गर्मी की समस्या होने पर 50 ग्राम काले अंगूर को रातभर ठंडे पानी में भिगोकर रखें। सुबह मसलकर छान लें। फिर इसमें थोड़ा-सा जीरा चूर्ण मिलाकर पीएं। इससे पेशाब की गर्मी दूर होगी।
- पत्थरी दूर करने में अंगूर फायदेमंद होता है। अंगूर के बीज को पीसकर चूर्ण बना लें। इसे फांककर ऊपर से एक ग्लास दूध पीएं। ऐसा करने से पथरी गलकर बाहर आ जाएगी।
- अंगूर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि हार्ट डिसीज, नर्व डिसीज, अलइमर, वायरल और फंगल इंफेक्शन से लड़ने की ताकत देते हैं।
- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, सोडियम, फाइबर, विटामिन ए, सी, ई, के, कैल्शियम, कॉपर, मैग्नीशियम, मैंग्नीज, जिंक और आयरन के गुणों से भरपूर अंगूर में कैलोरी मात्रा बहुत कम होती है।
- शरीर के किसी भी हिस्से से खून निकलने पर एक ग्लास अंगूर के जूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने से खून की कमी दूर हो जाती है और खून बहना बंद हो जाता है।
- अंगूर में ग्लूकोज व विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होता है, इसलिए अंगूर खाने से भूख बढ़ती है और पाचन शक्ति ठीक रखती है। अंगूर आंखों, बालों व त्वचा को भी शाइनी बनाता है।
- अंगूर फोड़े-फुंसियों व पिंपल्स को सुखाने में मदद करता है। अंगूर के रस से गरारे करने से मुंह छालों से राहत मिलती है।

गुड़ और आटे का हलवा

सामग्री

- ¼ कप घी
- 1 कप आटा
- ½ कप गुड़
- इलाइची पाउडर
- 10-15 रेसे केसर
- बादाम
- काजू पिस्ता बारीक कटे हुए

विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसमें घी गरम करें अब पैन में आटा डालें और आटे को घी में खूब भूनें। जबतक आटा थोड़ा सुनहरा न हो जाए तब तक उसे भूनें। इससे आटा पैन में चिपकेगा नहीं। इसके बाद 2 कप पानी में कुछ देर के लिए गुड़ को भिगो दें। जब गुड़ पानी में पिघल जाए तो उस पानी को आटे में डालें। इसके बाद मिश्रण में इलाइची पाउडर, केसर डालें और उसे अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे तब तक पकाएं जब तक यह मिश्रण थिक न हो जाए। अब हलवे को ड्राय फ्रूट्स से गार्निश करें और गरम-गरम खाने के लिए परोसें। आप इस हलवे को 3 से 4 दिन तक फ्रिज में रख कर प्रीहीट करके भी खा सकते हैं।

पनीर रैप

सामग्री

- नीर- 150 ग्राम
- ऑयल-1 बड़ा चम्मच
- प्याज- 1 छोटा
- हरी शिमला मिर्च- 1 मीडियम साइज
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- बीन स्प्राउट्स- 1/2 कप
- सलाद पत्ते- 4 बड़े
- नमक- स्वादानुसार
- Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग- 2 बड़े चम्मच
- वीबा मिंट मेयोनेज- 4 बड़े चम्मच

विधि

इस टेस्टी स्नैक रेसिपी को बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को दो स्ट्रिप्स, प्याज को लंबा-लंबा, शिमला मिर्च को पतली स्ट्रिप्स में काट लें। फिर कड़ाही में तेल गर्म करें। एक बार जब तेल पर्याप्त गर्म हो जाए, तो इसमें प्याज के स्लाइस डालें और आधे मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें हरी शिमला मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, पनीर स्ट्रिप्स, नमक डालकर मीडियम आंच पर 2 मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें बीन स्प्राउट्स मिलाएं और एक और मिनट के लिए फिर से सौते करें। पैन को गैस पर से उतार लें और एक तरफ रख दें। रैप तैयार करने के लिए, पनीर मिश्रण को 2 बराबर भागों में बांटे। वर्कटॉप पर रैप रखें और उसके ऊपर सलाद पत्ता रखें। फिर उस पर समान रूप से वीबा मिंट मेयोनेज का 1 टीस्पून लगाएं और फिर रैप के बीच में पर्याप्त मात्रा में पनीर मिश्रण रखें। फिर इसमें आधा चम्मच Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग मिलाएं। आपका टेस्टी पनीर रैप तैयार है इसे गर्मा-गर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2582

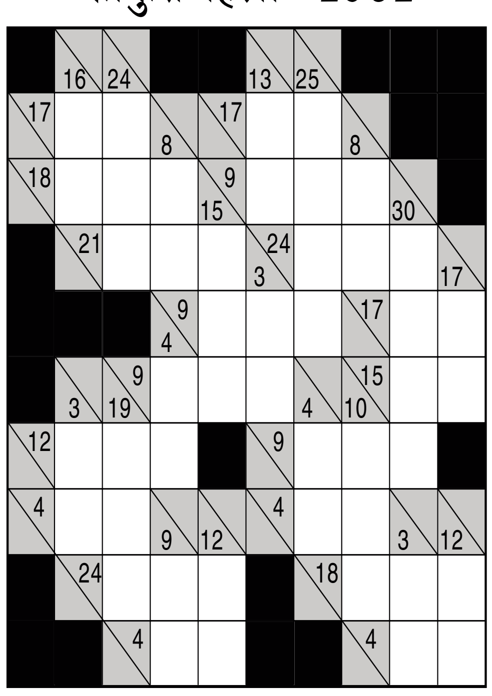

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

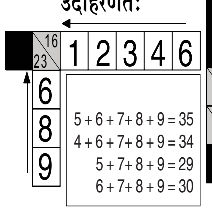

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2581 का हल

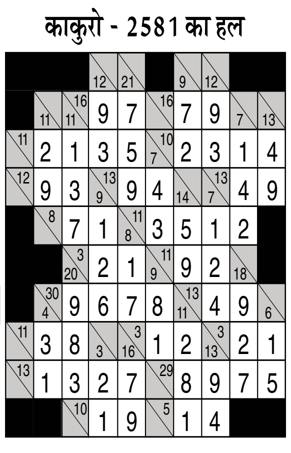

लॉफिंग ज़ोन

उन दोनों की नई-नई शादी हुई थी! पत्नी ने पहली बार खाना बनाया था. खाने में मिर्ची ज्यादा पड़ गई थीं. मगर पति ने पत्नी का दिल रखने के लिये खाने की तारीफ की. बोला - 'तुम बहुत अच्छा खाना बनाती हो !'

'मगर आपकी आंखों से तो पानी छलक रहा है.'

'यह पानी तो खुशी के कारण छलक रहा है.'

'तो थोड़ा और लीजिए न.'

'नहीं ! मैं अधिक खुशी बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगा !' पति ने आंखें पोंछते हुए कहा.

☺ ☺ ☺

दो मित्र अपनी पत्नियों पर आजमाये जाने वाले अपने-अपने नुस्खों का बखान कर रहे थे.

एक मित्र बोला- 'जब मैं अपनी पत्नी को बोर करना चाहता हूँ तब उसे बड़े -से- बड़े काम के लिये धन्यवाद देना बंद कर देता हूँ.'

इस पर दूसरे मित्र ने कहा- 'मेरा रास्ता अलग है. जब मैं अपनी पत्नी को बोर करना चाहता हूँ, तब पड़ोस के शर्मा जी की पत्नी की तारीफ करना आरम्भ कर देता हूँ.'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2582

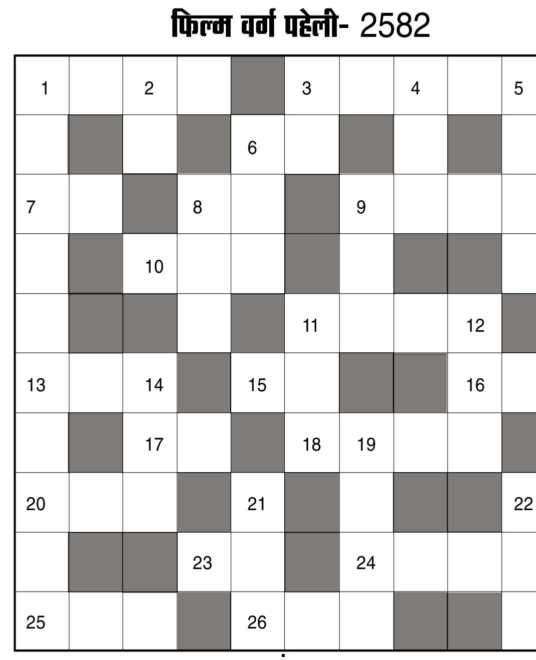

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी ?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2581

म	र्या	दा		ब	व	ड	र		औ
हा		दी	वा	ना		र	ख	वा	ला
न	ई	माँ		र	क्त		वा		द
	श्व		द	स		पा	ले	खाँ	
स	र	ग	म		खा	की			ध
ड़		द		श		जा	न	व	र
क	श्मी	र	की	क	ली		क्षा		ती
			म		ला	खा		ना	
इ	जा	ज	त			मो	ह	श	
श्क		ख्मी		त	ला	शी		ज	ख्म

सूडोकु -2582

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2581 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 2582

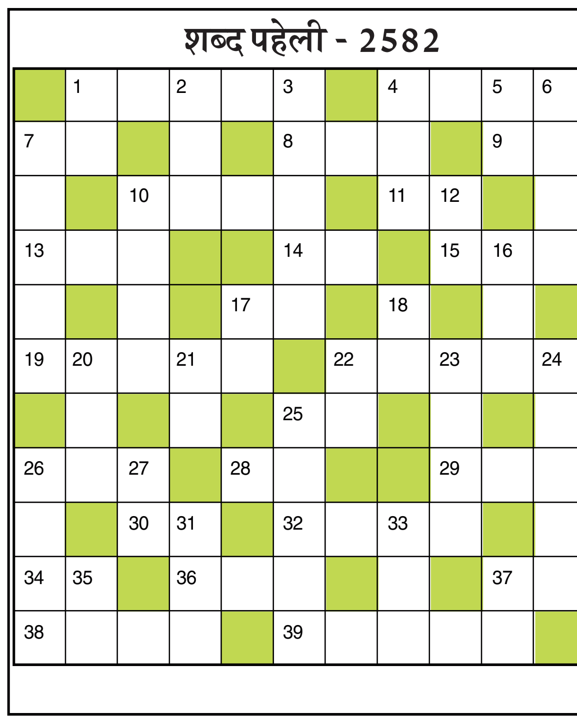

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पदार्थ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली -2581 का हल

यरुशलम आतंकी हमले की प्रधानमंत्री मोदी ने की कड़ी निंदा, कहा- आतंकवाद पर 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर अडिग भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यरुशलम में हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों पर किया गया यह हमला अत्यंत जघन्य है और मानवता के लिए चुनौती है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लिखा, आज यरुशलम में निर्दोष नागरिकों पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करता है और इसकी खिलाफत में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर अडिग है।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदुरप्पा ने किए राम लला के दर्शन

अयोध्या। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदुरप्पा अयोध्या पहुंचे और श्री राम जन्म भूमि मंदिर में दर्शन पूजन किया। राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी ने राम मंदिर परिसर में येदुरप्पा का स्वागत किया। उन्होंने राम दरबार और कुबेर टीला का दर्शन पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अयोध्या आकर उन्हें जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य मिला है। रामलला का दर्शन कर उन्हें आध्यात्मिक शांति और ऊर्जा प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद अयोध्या विश्व स्तर पर धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगी।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने टिफिन बम और बीजीएल सेल आईईडी को किया निष्क्रिय

बीजापुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों द्वारा चेरपाल-पेद्दाकोरमा मार्ग पर शक्तिशाली विस्फोटक को बरामद कर सुरक्षित तरीके से नष्ट भी कर दिया। इसका एक वीडियो भी जारी किया गया। बीजापुर अधीक्षक कार्यालय ने जानकारी दी कि थाना गंगालूर क्षेत्र में डीआरजी बीजापुर और केंद्रीय रिज़र्व पुलिस 222 की संयुक्त टीम इलाके में सर्चिंग अभियान पर निकली थी। इसी दौरान चेरपाल-पेद्दाकोरमा मार्ग पर जवानों की नजर सड़क किनारे बिछाए गए इलेक्ट्रिक तार पर

पड़ी। तलाशी के दौरान एक स्टील के टिफिन बॉक्स में लगभग 10 किलोग्राम का टिफिन बम और 3 किलोग्राम वजन का बीजीएल सेल आईईडी बरामद हुआ। बम निरोधक दस्ते बीजापुर और केरिपु 222 वाहिनी के विशेषज्ञों ने मौके पर पहुंचकर बेहद सावधानी से इस बम को निष्क्रिय कर दिया। पूरे अभियान को सुरक्षित तरीके से अंजाम दिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

एनएफआईआर का 31वां राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न, रेलवे कर्मचारियों की समस्याओं पर हुआ मंथन

नई दिल्ली। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमैन (एनएफआईआर) का 31वां राष्ट्रीय अधिवेशन 2 से 4 सितंबर तक नई दिल्ली के करनैल सिंह स्टेडियम में उत्तरी रेलवे मजदूर यूनियन के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इसमें देशभर के 17 जोन और प्रोडक्शन यूनियनों से जुड़े लगभग 20 हजार कर्मचारी और नेता शामिल हुए। एनएफआईआर के महामंत्री डॉ एम. राघवैया ने मीडिया को अधिवेशन की जानकारी देते हुए बताया कि कि सम्मेलन में रेलवे में निजीकरण का विरोध, नई पेंशन योजना समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना की बहाली, रिक्त पदों पर नियुक्ति, नए पदों पर लगे प्रतिबंध हटाने, कर्मचारियों के स्थगित डीए/डीआर जारी करने और उत्पादकता लिंक्ड बोनस की गणना सीमा समाप्त करने जैसे मुद्दों पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ। इसके साथ ही रेलवे कर्मचारियों की ड्यूटी 10 घंटे से घटाकर 8 घंटे करने, रनिंग स्टाफ के किलोमीटर भत्ते को आयकर से मुक्त करने, नई सुरक्षा संबंधी सेवानिवृत्ति योजना बनाने तथा महिला कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार पर भी चर्चा की गई।

ऑनलाइन सट्टेबाजी में फंसे कर्नाटक के कांग्रेस विधायक पहुंचे जेल

बैंगलोर। अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में ईडी की गिरफ्त में आए चित्रदुर्ग से कांग्रेस विधायक वीरेंद्र पप्पी को स्थानीय जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दरअसल, ईडी ने हजारों करोड़ रुपये के निवेश और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अहम भूमिका निभाने के आरोप में विधायक वीरेंद्र पप्पी को 23 अगस्त को सिक्किम से गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें हिरासत में लेकर गहन पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां सामने आई थी। इसके आधार पर, ईडी के अधिकारियों ने राज्य में विभिन्न स्थानों पर छापे मारे हैं और अवैध निवेश और लेनदेन से संबंधित दस्तावेज़ जब्त किए थे। जांच के शुरुआती चरण में लगभग सात हजार करोड़ रुपये के अवैध लेनदेन का संदेह है।

प्रधानमंत्री मोदी 17 सितंबर को धार जिले में देश के पहले पीएम मित्रा पार्क का करेंगे शिलान्यास

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने जन्मदिन के अवसर पर आगामी 17 सितंबर को मध्य प्रदेश आएंगे। प्रधानमंत्री मोदी धार जिले की बदनावर तहसील के ग्राम भैसोला में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ, सेवा पखवाड़ा तथा यहां देश के पहले पीएम मित्रा पार्क का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क से 1 लाख प्रत्यक्ष और 2 लाख से अधिक अप्रत्यक्ष, कुल मिलाकर 3 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार देर शाम भोपाल स्थित मंत्रालय में प्रधानमंत्री मोदी के 17 सितंबर को धार जिले के ग्राम भैसोला आगमन सहित वहां आयोजित अन्य कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा बैठक को

संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा से प्रदेश के जनजातीय बहुल मालवा अंचल में किसानों को एक बहुत बड़ी सौगात मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश का धार, झाबुआ, उज्जैन और निवाड़ का खरगोन, बड़वानी सबसे बड़ा कपास उत्पादक क्षेत्र है। ऐसे में केंद्र सरकार की ओर से मध्य प्रदेश में कॉटन आधारित बड़े इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना होने जा रही है, यह देशभर में मंजूर 7 पीएम मित्रा पार्क में से पहला पार्क है जिसका भूमि-पूजन होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि धार में पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने वाला गौरवशाली क्षण होगा।

हम सब प्रदेशवासी मिलकर प्रधानमंत्री मोदी के आत्मीय एवं भव्य स्वागत के लिए तैयारी करें। यह दौरा प्रदेश के विकास के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की देश के पहले पीएम मित्रा पार्क के भूमिपूजन अवसर पर मध्य प्रदेश में उपस्थिति हम सबके प्रेरणा भी और आनंद का अवसर भी है, उनकी उपस्थिति में हमें उत्साह देती है।

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का समभावित कटिहार दौरा 10 सितम्बर को, मखाना बोर्ड गठन की संभावनाएं

एजेंसी

कटिहार। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का 10 सितंबर को कटिहार दौरा संभावित है, जिसके तहत वे मखाना किसानों के साथ बातचीत करेंगी और मखाना बोर्ड गठन पर चर्चा कर सकती हैं। इस दौरे में उनके कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। निर्मला सीतारमण हसनगंज प्रखंड के कालसर पंचायत में मखाना की खेती का अवलोकन करेंगी और मखाना किसानों के साथ बातचीत करेंगी। इसके अलावा, वे कटिहार ब्लॉक के छीटा बाड़ी में मखाना प्रसंस्करण इकाई का दौरा करेंगी और मखाना प्रसंस्करण की प्रक्रिया को समझेंगी। वे हसनगंज ब्लॉक के जगन्नाथपुर और रामपुर ग्राम पंचायतों में एफआई संतृप्ति अभियान में भाग लेंगी और ग्रामीणों के साथ बातचीत करेंगी। इसके अलावा, वे कटिहार के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में क्रेडिट

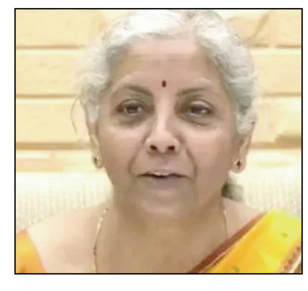

आउटरीच कार्यक्रम में भाग लेंगी और युवाओं के साथ बातचीत करेंगी। निर्मला सीतारमण के इस दौरे से मखाना किसानों और स्थानीय लोगों में काफी उत्साह है। मखाना बोर्ड के गठन से बिहार के किसानों को फायदा होने की संभावना है।

पंजाब की आपदा 'मान निर्मित आपदा' : चुग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुग ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर हमला बोला।उन्होंने कहा कि पंजाब की बाढ़ अब केवल प्राकृतिक आपदा नहीं रही बल्कि यह पूरी तरह ÷मान निर्मित आपदा÷ बन चुकी है। चुग ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने खुलेआम गैर-कानूनी रेत खनन को बढ़ावा दिया, जिसके कारण दरियाई बांध कमजोर हो गए और बाढ़ का कहर गांव-गांव तक फैल गया। उन्होंने कहा कि आज पंजाब के लोग भगवंत मान की नाकामी, अक्षमता और अनुभवहीनता की भारी कीमत चुका रहे हैं।

एक विज्ञप्ति जारी कर तरुण चुग ने कहा कि पंजाब को बर्बादी की ओर ले जाने का कारण भगवंत मान सरकार द्वारा गैरकानूनी खनन को दी गई खुली छूट है। यह प्राकृतिक नहीं बल्कि 'मान मेड डिजास्टर' है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का वास्तविक आंकलन करने के बजाय मान सरकार केवल मुआवज़े के पैकेजों पर शोर मचा रही है, जबकि सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार पहले ही पंजाब के लिए आपदा प्रबंधन कोष में 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि रख चुकी है। चुग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री

अमित शाह स्वयं मुख्यमंत्री मान से बात कर चुके हैं। हर संभव मदद का आश्वासन दे चुके हैं। फिर भी पंजाब सरकार ने न विशेष टीमें गठित कीं और न ही नुकसान का वास्तविक सर्वे करवाया। जिम्मेदारी निभाने के बजाय सरकार केवल राजनीति और दिखावे में लगी हुई है।

चुग ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितम्बर को गुरदासपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे, जहां वे प्रभावित परिवारों और किसानों से सीधे मुलाकात कर राहत कार्यों का जायजा लेंगे। यह प्रधानमंत्री का दौरा इस बात का प्रमाण है कि केंद्र की भाजपा सरकार हमेशा पंजाब के साथ खड़ी है और हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी।

साक्षरता दिवस पर शिक्षा मंत्रालय का समारोह, हिमाचल प्रदेश बना पांचवा पूर्ण साक्षर राज्य

एजेंसी

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने यहां अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस-2025 मनाया, जिसका विषय ÷डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना÷ था। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश को पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया गया। इससे पहले त्रिपुरा, मिजोरम, गोवा और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने वर्चुअल संदेश देते हुए साक्षरता को आत्मनिर्भरता, गरिमा और सशक्तिकरण का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि देश की साक्षरता दर 2011 की 74 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 80.9 प्रतिशत हो गई है। प्रधान ने उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें अब तक तीन करोड़ से अधिक शिक्षार्थियों और 42 लाख स्वयंसेवकों का पंजीकरण हुआ है। 1.83 करोड़ शिक्षार्थियों ने आकलन परीक्षाएं दी हैं, जिनमें 90 प्रतिशत सफलता मिली है। उन्होंने युवाओं और छात्रों से आह्वान किया कि वे इस अभियान को जनांदोलन बनाने में सहयोग करें। शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्यों का सबसे पहले पूर्ण साक्षर होना सराहनीय है। उन्होंने साक्षरता की परिभाषा को डिजिटल, वित्तीय और नागरिक जागरूकता तक विस्तारित करने की आवश्यकता पर बल दिया। चौधरी ने कहा कि भारत ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से वह उपलब्धि हासिल की है, जो अन्य देशों को कई दशक लग सकते थे।

मंत्री ने भविष्य के लिए तीन प्रमुख प्राथमिकताओं की रूप-रेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि स्वयंसेवा की भावना को बनाए रखना, क्योंकि साक्षरता का प्रसार सबसे तेज़ी से तब होता है, जब नागरिक एक-दूसरे की शिक्षा की ज़िम्मेदारी लेते हैं। साक्षरता को कौशल और आजीविका के साथ एकीकृत करना, यह सुनिश्चित करना कि व्यक्तियों को तत्काल और ठोस लाभ प्राप्त हों। साक्षरता की परिभाषा को निरंतर व्यापक बनाना, जिसमें डिजिटल उपकरण, वित्तीय साक्षरता और नागरिकों के अधिकारों और ज़िम्मेदारियों के प्रति जागरूकता शामिल हो।

डॉ. बी. आर. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए चौधरी ने याद दिलाया कि कैसे अंबेडकर अपनी पृष्ठभूमि की चुनौतियों से ऊपर उठकर शिक्षा के सबसे प्रबल समर्थकों में से एक बने। उन्होंने अंबेडकर के इस विश्वास को दोहराया कि साक्षरता के माध्यम से अज्ञानता के चक्र को तोड़ा जाना चाहिए और शिक्षा तक मुफ्त और समान पहुंच आवश्यक है।

अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम ने बागेश्वर आपदा प्रभावित क्षेत्रों के नुकसान का लिया जायज़ा, जल्द भेजेगी विस्तृत रिपोर्ट

एजेंसी

देहरादून। केंद्र सरकार की ओर से गठित उच्च-स्तरीय अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम ने जनपद बागेश्वर के पौंसारी, बैसानी क्षेत्र और जगथाना मोटर मार्ग सहित आपदा प्रभावित इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया। टीम ने आपदा के दौरान हुए नुकसान का जायजा लिया और कहा कि जल्द विस्तृत रिपोर्ट भेजेगी। टीम के सदस्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हेलीपैड लगभग 4 बजे पहुंचे, जहां से वे सीधे पौंसारी के लिए रवाना हुए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं और राहत-पुनर्वास कार्यों की जानकारी ली। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे त्वरित राहत एवं पुनर्वास प्रयासों की तारीफ की और सुरक्षित स्थानों

पर पुनर्वास के लिए अपनी मांग रखी। निरीक्षण के दौरान टीम ने सड़कों, पुलों,सार्वजनिक भवनों, विद्युत एवं जल आपूर्ति लाइनों को हुए नुकसान के साथ-साथ कृषि, फसलों, पशुधन और अन्य स्थानीय आजीविका साधनों की क्षति का जायज़ा लिया। उन्होंने आपदा के समय मूलभूत सुविधाओं की बहाली और भोजन, पेयजल, चिकित्सा सहायता, अस्थायी आश्रयों एवं बचाव कार्यों की भी जानकारी ली। इसके उपरांत अंतर मंत्रालयी केंद्रीय टीम ने जनपद बागेश्वर अन्तर्गत प्राकृतिक आपदाओं से हुई क्षति को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक ली। बैठक में जिलाधिकारी आशीष भटगाई ने आपदा की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों तथा पुनर्वास योजनाओं की विस्तृत जानकारी टीम को दी। प्रस्तुतीकरण के दौरान विभिन्न विभागों की ओर से हुए नुकसान की जानकारी के साथ-साथ ड्रोन शॉट्स के माध्यम से अलग-अलग स्थलों पर हुई क्षति की तस्वीरें और दृश्यावलोकन भी टीम के समक्ष प्रस्तुत किए गए। टीम की ओर से आश्वासन दिया कि सभी पहलुओं का विस्तृत प्रतिवेदन शीघ्र केंद्र सरकार को प्रेषित किया जाएगा, ताकि प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास एवं विकास कार्यों के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

असम भाजपा के कई नेताओं ने थामा कांग्रेस का दामन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के असम के पूर्व विधायक बिनंदा सैकिया, सत्यव्रत कलिता और डॉ. मानसिंह कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने यहां कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई उपस्थित रहे। गोगोई ने कहा, आज असम कांग्रेस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। जो लोग आज कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं, उनके सिद्धांतों में कांग्रेस का मूल भाव झलकता है। असम में

हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार आम आदमी, किसानों, बेरोजगारों और महिला श्रमिकों के हितों की रक्षा करने में विफल रही है। यह सरकार केवल हिमंत बिस्वा सरमा के निजी लाभ के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस असम में जनता की आवाज को बुलंद करने और उनके हितों के लिए संघर्ष करने के लिए प्रतिबद्ध है। नए नेताओं के शामिल होने से पार्टी को और मजबूती मिलेगी।

अमृतसर में पांच नशा तस्कर गिरफ्तार, 8.1 किलो हेरोइन बरामद

एजेंसी

चंडीगढ़। सीमा पार से नार्को-आतंकवाद नेटवर्क को बड़ा झटका देते हुए कमिश्नरेट पुलिस अमृतसर ने सोनी सिंह उर्फ सोनी को उसके चार साथियों समेत गिरफ्तार करके हेरोइन तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के कब्जे से 8.1 किलो हेरोइन बरामद की गई है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि अमृतसर के अजनाला निवासी गुरसेवक सिंह, विशालदीप सिंह उर्फ गोला, गुरप्रीत सिंह और अर्शदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया है। डीजीपी बताया कि इस सिंडिकेट का पाकिस्तान से संबंध था और भारतीय क्षेत्र में हेरोइन की बड़ी खेपें पहुंचाने के लिए ड्रोन का उपयोग किया जाता था। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह सिंडिकेट आगे के नेटवर्क में खेपों को पहुंचाने के लिए होटलों का उपयोग करता था। डीजीपी ने कहा कि हैंडलरों, सप्लाई चेन और वित्तीय नेटवर्क की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है। ऑपरेशन संबंधी विवरण साझा करते हुए पुलिस

कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि पुलिस टीमों ने शहर के बाहरी इलाके से नशा तस्कर सोनी सिंह को 150 ग्राम हेरोइन और ड्रग मनी सहित गिरफ्तार किया था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि सोनी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के छह मामले दर्ज हैं और वह जून महीने में जेल से बाहर आया था। उसने लगभग 30 किलो हेरोइन की खेपें ड्रोन के माध्यम से हासिल की थीं, जो आगे नेटवर्क में सप्लाई की जानी थी। सीपी ने कहा कि सोनी के खुलासे पर उसके साथी गुरसेवक सिंह को 8.037 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि आगे की जांच के बाद बाकी सक्रिय सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारी तथा बरामदगी की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री ने फिजियोथेरेपिस्टों के योगदान को सराहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर फिजियोथेरेपी से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सराहना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी अपने संदेश

में कहा कि फिजियोथेरेपिस्ट लोगों, विशेषकर बुजुर्गों के जीवन में गतिशीलता, गरिमा और बेहतर जीवन गुणवत्ता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों का कार्य समाज की भलाई के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर देशभर के फिजियोथेरेपिस्टों को शुभकामनाएं दीं और उनके कार्य को सराहनीय बताया।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र में विकास कार्यों की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आज दिल्ली सचिवालय में उत्तर-पूर्वी संसदीय क्षेत्र से संबंधित विकास कार्यों और प्रस्तावों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, दिल्ली के महापौर राजा इक़बाल सिंह, एमसीडी स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, विधायक एवं पार्षदों सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान घोषणा की कि दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा को उत्तर-पूर्व संसदीय क्षेत्र का प्रभारी मंत्री नियुक्त किया गया है। वह नियमित रूप से जनप्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर विकास कार्यों की प्रगति पर नजर रखेंगे और जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान को सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गति तेज करने और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए क्षेत्रवार जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार क्षेत्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सांसद, विधायक और पार्षद अपने-अपने प्रस्ताव और समस्याएं लिखित रूप में प्रस्तुत करें, तभी उन पर तेजी से कार्यवाही संभव होगी। इस दौरान उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सभी पार्षद अपने द्वारा प्रस्तावित कार्यों की जानकारी सांसद और विधायक को लिखित में उपलब्ध कराएं, ताकि कार्यों में दोहराव न हो और जिम्मेदारी स्पष्ट बनी रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रस्तावों और फाइलों पर शीघ्र कार्रवाई हो तथा कोई भी फाइल लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है कि हर कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा हो और जनता को उसका प्रत्यक्ष लाभ मिले। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि सीवर, जल आपूर्ति और स्वच्छता जैसी समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जाए और लिखित प्रस्ताव मिलते ही समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर यमुना पार्क सहित कई करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन एक ही दिन में किया जाएगा। यह कदम दिल्ली के विकास को नई गति देगा और लोगों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 18-19 सितंबर को दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों के आरोग्य मंदिरों पर हेल्थ कैंप्स आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए सभी विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली का विकास उनकी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और दिल्ली सरकार तथा जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयास से क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और रोज़गार के नए अवसर सुनिश्चित किए जाएंगे।

डॉ. आरएमएल अस्पताल में रोबोटिक स्कैनिंग लेज़र और डीप ऑस्सीलेशन थेरेपी यूनिट की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान (एबीवीआईएमएस) और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल (डॉ. आरएमएल) अस्पताल में सोमवार को पुराने दर्द, गठिया के इलाज में उपयोगी रोबोटिक स्कैनिंग लेज़र और डीप ऑस्सीलेशन थेरेपी यूनिट की शुरुआत की गई। विश्व फिजियोथेरेपी सप्ताह के आयोजन के तहत दोनों केन्द्रों का उद्घाटन डॉ. आर.एम.एल. अस्पताल के निदेशक डॉ. अशोक कुमार ने किया। इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विवेक दीवान और फिजियोथेरेपी विभाग की प्रमुख डॉ. पूजा सेठी मौजूद थीं। रोबोटिक स्कैनिंग लेज़र थेरेपी यूनिट में लगी मशीन 20 वॉट की शक्ति से गहरे ऊतकों (टिशू) तक असर करती है और दर्द एवं सूजन में राहत देती है। रोबोटिक प्रणाली से इलाज समान और सुरक्षित तरीके से होता है। गठिया, खेल चोट, पुराना दर्द और नसों की समस्याओं में उपयोगी है। साथ ही डीप ऑस्सीलेशन थेरेपी यूनिट यह तकनीक ऊतकों में हल्की तरंगें पैदा करती है।ऑपरेशन के बाद की देखभाल, सूजन और दर्द कम करने में प्रभावी है। साथ ही, लसीका जल निकासी और पुरानी तकलीफ़ों के इलाज में मददगार भी है। इस मौके पर एबीवीआईएमएस के निदेशक डॉ. अशोक कुमार (निदेशक) ने विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि फिजियोथेरेपी केन्द्र बुज़ुर्गों की सेहत संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इन दोनों उत्कृष्ट केन्द्रों के शुरू होने से लोगों को बड़ी संख्या में लाभ होगा। डॉ. पूजा सेठी (प्रमुख, फिजियोथेरेपी विभाग) ने कहा कि फिजियोथेरेपी केवल इलाज नहीं बल्कि बीमारियों से बचाव और स्वस्थ जीवन जीने का एक साधन भी है।यह आयोजन और नई तकनीक का शुभारंभ अस्पताल की पुनर्वास सेवाओं को और मज़बूत बनाएगा, जिससे मरीजों को आधुनिक उपचार का लाभ मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि डॉ. आरएमएल में विश्व फिजियोथेरेपी सप्ताह का आयोजन किया गया। डॉ. पूजा सेठी (प्रमुख, फिजियोथेरेपी विभाग) के नेतृत्व में 1 से 8 सितम्बर 2025 तक विश्व फिजियोथेरेपी सप्ताह का सफल आयोजन किया गया।

एशिया कपः भारतीय टीम आज यूएई के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले ही मैच में संयुक्त अरब अमीरात (युएई) के खिलाफ बड़ी जीत से शुरुआत करना चाहेगी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम इस मैच में एक से अधिक ऑलराउंडरों के साथ उतर सकती है। यहां की पिच से स्पिनरों को सहायता की उम्मीद को देखते हुए दो से तीन स्पिनर उतार सकती है। मुख्य कोच गौतम गंभीर के आने के बाद से ही बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो को ही मजबूत करने के लिए ऑलराउंडरों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे टीम के पास निचले क्रम में भी अच्छे बल्लेबाज उतर रहे हैं। भारतीय टीम यूएई के खिलाफ सही संयोजन उतार कर रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच के लिए अच्छी लय हासिल करना चाहेगी। भारतीय टीम के सामने यूएई काफी कमजोर है ऐसे में टीम प्रबंधन इस मैच में नये प्रयोग भी कर सकता है। वहीं दूसरी ओर यूएई के खिलाड़ियों को इस मैच से अच्छा अनुभव हासिल होगा। उसवके खिलाड़ियों के लिए ये बड़ा अवसर होगा। उसके बल्लेबाजों के लिए जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज का सामना करना और मजबूत भारतीय बल्लेबाजी क्रम को गेंदबाजी करना बड़ी उपलब्धि होगी। इस मैच में भारतीय टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका जितेश शर्मा को मिलना तय नजर आ रहा है। ऐसे में संजू सैमसन को बाहर बैठना होगा। जितेश को अच्छे फिनिशर होने से भी प्राथमिकता मिलेगी।

पारी की शुरुआत शुभमन गिल और आभिषेक शर्मा करेंगे

शीर्ष क्रम में उपकप्तान के तौर पर शुभमन की वापसी के बाद से ही सैमसन को जगह मिलना कठिन नजर आ रहा था। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और वह इसी नंबर पर उतरेंगे। कप्तान सूर्यकुमार यादव तीसरे या चौथे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतर सकते हैं। इसके बाद ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या उतरेंगे। वह एक बेहतरीन तेज गेंदबाज होने के साथ ही अच्छे बल्लेबाज भी हैं। इसके अलावा ऑलराउंडर शिवम दुबे को भी धीमी पिच होने से अवसर

मिल सकता है।

नंबर 7 पर विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश उतरेंगे जबकि आठवें नंबर पर स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल उतरेंगे। वह अच्छे स्पिनर होने के साथ ही बेहतरीन बल्लेबाज भी हैं। बुमराह के अलावा बाएं हाथ के टी20 गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी इस मैच में अवसर मिलने जा रहा है। इस मैच में भारतीय टीम स्पिनर के तौर पर

अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती में से दो को उतार सकता है। अगर टीम प्रबंधन अक्षर के साथ अन्य स्पिनर को अंतिम एकादश में रखता है तो उसके पास कुलदीप और वरुण के रूप में दो अच्छे विकल्प हैं। यूएई के लिए यह टूर्नामेंट अपना कौशल दिखाने का एक बेहतरीन अवसर है। वहीं दूसरी ओर मुहम्मद वसीम की कप्तानी वाली यूएई की टीम इस मैच में अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। यूएई की टीम में भारतीय मूल कई खिलाड़ी भी है जो इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर अपनों को साबित करना चाहेंगे। उसके पास अर्यांश शर्मा जैसा खिलाड़ी है जिससे भारतीय टीम को विशेष रुप से सावधान रहना होगा। अर्यांश एक अच्छा बल्लेबाज और गेंदबाज है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल (वीसी), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, अक्षर पटेल, हार्दिक पंड्या, संजू सैमसन/जितेश शर्मा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह

यूएई = मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान।

एशिया कप मैच से पहले ही भारत-पाक के बीच तनाव, प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों कप्तानों ने नहीं मिलाया हाथ

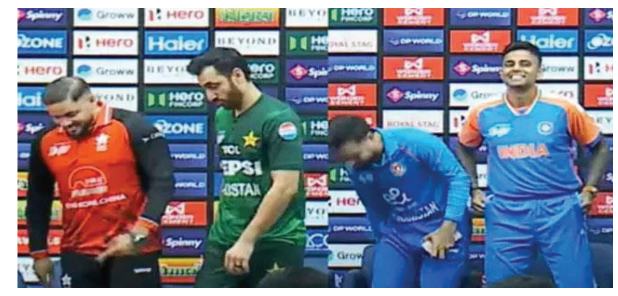

दुबई (एजेंसी)। एशिया क्रिकेट कार्उंसिल (ACC) ने एशिया कप से पहले मंगलवार को पारंपरिक कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जहां सभी 8 प्रतिभागी टीमों के कप्तान 2025 एशिया कप की शुरुआत से पहले मिले। ज्यादातर सवाल पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा और भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से पूछे गए। हालांकि जिस पल की चर्चा पूरे सोशल मीडिया पर हुई, वह वह था जब दोनों भारतीय और पाकिस्तान के कप्तानों ने एक-दूसरे को नजरअंदाज करते हुए हाथ नहीं मिलाया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म होते ही सलमान अपनी सीट से उठे और हांगकांग तथा ओमान के कप्तानों के साथ मंच से उतर गए। दूसरी ओर सूर्यकुमार अफगानिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के कप्तानों के साथ थोड़ी बातचीत के लिए वहीं रुके। सभी ने हाथ मिलाया, गले मिले और फिर मंच से उतर गए।

दिलचस्प बात यह है कि इस साल यह पहली बार नहीं था जब भारतीय खिलाड़ियों का हाथ मिलाना, या हाथ न मिलाना, चर्चा का विषय बना। इससे पहले इसी साल गर्मियों में 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे के दौरान इसी तरह के एक वाकये ने सोशल मीडिया पर विशेषज्ञों और प्रशंसकों के बीच काफी बहस छेड़ दी थी।

ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट के दौरान ऐसा ही हुआ, जब इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने ड्रॉ स्वीकार करते हुए भारत के रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर से हाथ मिलाने की पेशकश की। लेकिन दोनों भारतीय बल्लेबाजों ने इनकार कर दिया और अपने-अपने शतक बनाने के लिए बल्लेबाजी जारी रखी जिसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस हुई। एशिया कप में दोनों कप्तानों के बीच हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस की घटना ने उनके मुकाबले से पहले बढ़ते तनाव की कहानी को और हवा दे दी जिससे 14 सितंबर के लिए माहौल तैयार कर दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का बहु-चर्चित मुकाबला 14 सितम्बर को खेला जाएगा।

एशिया कप में सही संयोजन तलाशने के साथ ही उपकप्तान शुभमन पर भी रहेंगी नजरें

मुम्बई (एजेंसी)। यूएई में आज से शुरु हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। इस टूर्नामेंट में टीम प्रबंधन की नजरें सही संयोजन तलाशने के साथ ही शुभमन गिल पर भी रहेंगी। इसका कारण है कि शुभमन को इस टूर्नामेंट में उपकप्तानी दी गयी है। इससे साफ संकेत है कि भविष्य में उन्हें इस प्रारुप में भी कप्तानी दी जाएगी। वैसे भी वर्तमान कप्तान सूर्यकुमार 34 साल के हो रहे और ऐसे में प्रबंधन भविष्य के लिए नये कप्तान भी तलाशेगा। सूर्यकुमार का हालांकि कप्तान के तौर पर रिकार्ड शानदार रहा है। उनका जीत का रिकॉर्ड 80 फीसदी है। उनका आक्रामक रुख टीम को आगे बढ़ने प्रेरित करता है। वहीं शुभमन को अचानक उपकप्तान बनाने से साफ है कि उन्हें ही भविष्य में टीम की कमान मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उन्हें सभी प्रारुपों के लिए कप्तान बनाना चाहती है। अभी भारतीय टीम सभी प्रारुपों में काफी मजबूत है। वह एक साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीन-तीन टीम टीमें उतारने में सक्षम है। ऐसे में कप्तानी के लिए अलग-अलग खिलाड़ियों को भी आजमाना जरूरी है। सूर्यकुमार की बढ़ती उम्र को देखते हुए ये जरुरी भी है। अगर शुभमन इस दौरे में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उनके भविष्य में टी20 कप्तानी बनने की पूरी संभावना है।

एशिया कप : सभी मैच अबू धाबी में खेलना आदर्श नहीं, मैच से पहले राशिद खान ने शेड्यूल पर उठाए सवाल

दुबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने मंगलवार को साफ तौर पर कहा कि हर मैच के दिन दुबई में रहना और लगभग दो घंटे की यात्रा करके अबू धाबी आना उनकी टीम के लिए 'आदर्श' कार्यक्रम नहीं है। इससे भी बड़ी विडंबना यह थी कि राशिद उसी दिन सुबह यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए जब उनकी टीम उसी शाम अबू धाबी में हांगकांग से भिड़ने वाली है।

राशिद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह आदर्श है - यही बात हम पहले भी (दूसरे कप्तानों के साथ) चर्चा कर रहे थे। अबू धाबी में खेलना और तीनों मैच दुबई में ही बिताना... यह अलग बात है। लेकिन पेशेवर क्रिकेटर होने के नाते, हमें इन बातों को स्वीकार करना होगा।' टी20आई में 170 विकेट लेने वाले राशिद ने यह भी कहा कि एक पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर उन्हें शेड्यूल को भूलकर खेल पर ध्यान केंद्रित

करना होता है। अफगानिस्तान के स्पिन ने कहा, 'एक बार जब आप मैदान में उतरते हैं, तो आप बाकी सब कुछ भूल जाते हैं। दूसरे देशों में, हम अक्सर दो-तीन घंटे की उड़ान भरते हैं और सीधे मैच देखने पहुंच जाते हैं। मुझे याद है कि एक बार मैं बांग्लादेश से अमेरिका गया था और सीधे मैच खेला था।'

श्रीलंकाई कप्तान चरित असलांका ने भी शेड्यूल के बारे में बात की, जिससे जिम्बाब्वे के खिलाफ एक कठिन सीरीज के बाद उनकी टीम को आराम करने और स्वस्थ होने का बहुत कम समय मिला है। उन्होंने कहा, 'अभी मुझे बहुत नींद आ रही है। मुझे लगता है कि मुझे कल इसका जवाब देना चाहिए।' असलांका ने कहा, 'नहीं, मेरा मतलब है कि 6 और 7 सितंबर को जिम्बाब्वे में लगातार दो मैच खेलना वाकई मुश्किल है। और फिर सीधे यहां (दुबई) आना। मुझे लगता है कि हमें कुछ दिन की छुट्टी की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि कोच हमें छुट्टी देंगे।' उन्होंने कहा, 'अपनी फिटनेस का ध्यान रखना जरूरी है। हम सभी जानते हैं कि वहां बहुत गर्मी है। मेरे लिए पहले मैच में तरोताजा रहना और अपना पूरा जोर लगाना बहुत जरूरी है।'

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की तिकड़ी में अभी काफी क्रिकेट बची है : हेजलवुड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है कि आगामी एशेज श्रृंखला में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की खतरनाक तेज गेंदबाजी तिकड़ी आखरी बार एक साथ खेलते हुए दिखेगी। उन्होंने कहा कि तीनों तेज गेंदबाजों में अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेल सकते हैं। इन तीनों तेज गेंदबाजों की उम्र 35 वर्ष के आसपास है। कमिंस कमर में खिंचाव की चोट से जूझ रहे हैं तथा स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है जिसके कारण माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा है। एसईएन रेडियो ने हेजलवुड के हवाले से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं। हर कोई टेस्ट क्रिकेट को पसंद करता है और अगले दो वर्ष में काफी टेस्ट मैच खेले जाने हैं।' उन्होंने कहा, 'अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का एक और चक्र होना बाकी है। इसलिए केवल एशेज ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में अगले दो साल में काफी रोमांचक मैच होने वाले हैं और मुझे लगता है कि हर कोई इनका हिस्सा बनना चाहता है। हमारे पास टेस्ट क्रिकेट को देने के लिए अभी काफी कुछ बचा है।'

रोहित को अस्पताल में देखकर प्रशंसक हुए चिंतित

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा सोमवार देर रात यहां के कोकिलाबन अस्पताल पहुंचे जिसके बाद से ही प्रशंसक चिंतित को गये हालांकि रोहित के अस्पताल पहुंचने का कारण अभी पता नहीं चला है। इसका एक वीडिया भी सामने आया है। इसमें रोहित टी शर्ट पहने और कैप लगाये अस्पताल के अंदर प्रवेश करते हुए दिखे। वीडियो के सामने आने के बाद प्रशंसकों ने उनके अस्पताल आने के कारणों का पता लगाने का काफी प्रयास किस पर कुछ पता नहीं चला। प्रशंसकों ने हालांकि उनके प्रति समर्थन और शुभकामनाएं जतायीं। गौरतलब है कि रोहित के प्रशंसक उनकी काफी समय से खेल में वापसी की राह देख रहे हैं। रोहित ने पहले ही टेस्ट और टी20 को अलविदा कह दिया था और अब वह केवल एकदिवसीय ही खेलते हैं। आईपीएल 2025 और चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही वह खेल के मैदान से दूर हैं। हाल ही में, रोहित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु गए थे, जो उन्होंने पास कर लिया था। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल जीता था। उन्होंने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 67 मैचों में 40.58 की औसत से 4,301 रन बनाए हैं, जिसमें 12 शतक शामिल है। रोहित अब अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे में ही खेलते दिखेंगे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी के साथ किरण जॉर्ज हांगकांग ओपन में आगे बढ़े

हांगकांग (एजेंसी)। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी ने मंगलवार को यहां हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया जबकि किरण जॉर्ज ने क्वालीफाइंग मुकाबला जीतकर पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।

पेरिस विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में अपना दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी पहले दौर के अपने मुकाबले में चीनी ताइपे के चियू शियांग चिए और वांग ची-लिन को 21-13, 18-21, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग की पूर्व नंबर एक जोड़ी मुकाबले के शुरूआती गेम में अच्छी लय में दिखी लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को दूसरे गेम में वापसी करने का मौका दे दिया। तीसरे गेम में सात्विक और चिराग ने हालांकि

अपने चिर-परिचित अंदाज में नेट का शानदार इस्तेमाल करते हुए कुछ दमदार स्मैश लगाकर शानदार वापसी की।

आठवीं वरीयता प्राप्त यह जोड़ी अब जापान के केनया मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा तथा थाईलैंड के पीरचाई सुखफुन और पक्कापोन टीरारत्सुकुल के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी। पुरुष एकल वर्ग में किरण ने क्वालीफायर में लगातार दो जीत हासिल करके मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह बनाई। उन्होंने मलेशिया के चियाम जून वेई को 21-14, 21-13 से हराने के बाद हमवतन एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 21-18, 21-14 से मात दी।

शंकर ने इससे पहले शुरुआती मुकाबले में इंग्लैंड के वांग यू हैंग को 21-10, 21-5 से हराया था। विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर काबिज किरण का अगला मुकाबला सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह से होगा। थारुन मन्नेपल्ली ने दिन का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पूर्व विश्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत को क्वालीफायर के पहले मुकाबले में 28-26, 21-13 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा। 20 साल का यह खिलाड़ी हालांकि अपनी लय बरकरार नहीं रख सका और अगले मैच में मलेशिया के चौथे वरीय जस्टिन होह से 21-23, 13-21, 18-21 से हार गया।

लुइस सुआरेज पर तीन मैचों का अतिरिक्त प्रतिबंध, एक कर्मचारी पर थूकने के कारण एक्शन

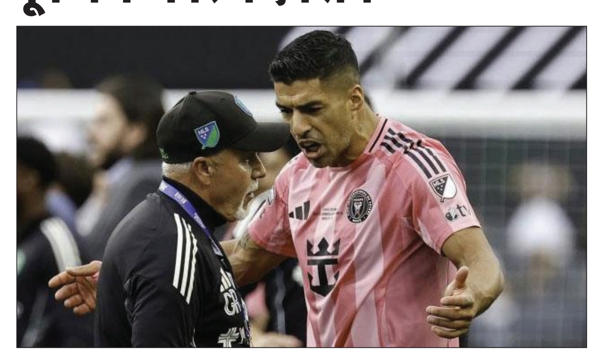

न्यूयॉर्क। इंटर मियामी के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज पर मेजर लीग सॉकर (स्रूरू) ने तीन मैचों का अतिरिक्त प्रतिबंध लगा दिया है। लीग ने सोमवार को बताया कि लीग कप के फाइनल में सिएटल साउंडर्स के एक कर्मचारी पर थूकने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है। लीग ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस प्रतिबंध के साथ 38 वर्षीय खिलाड़ी की सजा कुल 9 मैचों तक बढ़ गई है। टूर्नामेंट आयोजकों ने सुआरेज पर पहले ही छह मैचों का प्रतिबंध लगा दिया था, जिससे वह अगले साल होने वाले लीग कप में नहीं खेल पाएंगे। यह नया प्रतिबंध एमएलएस मैचों पर लागू होता है, जिसका अर्थ है कि वह 13 सितंबर को चार्लोट एफसी, 16 सितंबर को सिएटल और 20 सितंबर को डीसी यूनाइटेड के खिलाफ होने वाले लीग मैचों में नहीं खेल पाएंगे। यह विवाद पिछले महीने हुए फाइनल में मियामी की सिएटल से 3-0 की हार के बाद हुआ था। सुआरेज ने ओबेद वर्गास का गला पकड़ लिया था, जिसके बाद सर्जियो बुस्केट्स ने मिडफील्डर की ठोड़ी पर वार किया था। उरुग्वे के इस फारवर्ड को टीम के साथियों ने तब रोका जब वह साउंडर्स के सुरक्षा निदेशक जीन रामिरेज पर थूक रहे थे। बुस्केट्स और टॉमस एविलेस को इस झड़प में हिंसक व्यवहार के लिए क्रमश- दो और तीन मैचों का प्रतिबंध लगाया गया, जबकि साउंडर्स के सहायक कोच स्टीवन लेनहार्ट को पांच मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया और शेष सीजन के लिए उनके फील्डिंग अधिकार छीन लिए गए। सुआरेज, जिन्हें पहले काटने और नस्लीय दुर्व्यवहार के लिए निलंबन का सामना करना पड़ा था, ने सोशल मीडिया पर माफी मांगी और अपने कृत्य को हताशा से उपजी एक 'गलती' बताया। उन्होंने लिखा, 'यह वह छवि नहीं है जो मैं अपने परिवार या अपने क्लब के सामने पेश करना चाहता हूं।'

लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन में उलझे- पूर्व स्पिनर ने अय्यर की एशिया कप से अंदेखी का कारण बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व लेग स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि श्रेयस अय्यर को भारत की एशिया कप टीम से बाहर करने का फैसला मध्य क्रम में दाएं और बाएं बल्लेबाजों का संयोजन बनाए रखने की रणनीतिक चाल के कारण हुआ। 2024 के लिए BCCI की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर होने के बाद से श्रेयस ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया है। अपनी शानदार फॉर्म के दम पर उन्होंने पंजाब किंग्स को IPL 2025 के फाइनल में पहुंचाया, जो पिछले एक दशक में फ्रैंचाइजी का पहला फाइनल था। इस शानदार लीग में 50 से ज्यादा की औसत से 604 रन बनाने के बाद श्रेयस ने 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाने के लिए खुद को एक मजबूत दावेदार बना लिया। उन्हें भारतीय टीम से और यहां तक कि यात्रा करने वाले रिजर्व खिलाड़ियों से भी नजरअंदाज कर दिया गया, जिससे प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों में आक्रोश फैल गया। जहां पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने प्रबंधन के चयन पर सवाल उठाए हैं, वहीं मिश्रा ने एक ऐसी रणनीतिक रूपरेखा की पहचान की जिसने अय्यर को टीम में शामिल करने के खिलाफ काम किया। मिश्रा के अनुसार, चूंकि 30 वर्षीय अय्यर तीसरे या चौथे नंबर पर खेलते हैं इसलिए बाएं-दाएं संयोजन बनाए रखने की चाहत अय्यर के खिलाफ गई। मिश्रा ने कहा, 'मुझे लगता है कि श्रेयस तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, टीम प्रबंधन ने सोचा होगा कि बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बेहतर होता। एशिया कप एक लंबा टूर्नामेंट है। मुझे लगता है कि श्रेयस बाएं-दाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन में फंस गए।' इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी मिश्रा भविष्य में अय्यर की वापसी को लेकर 100 प्रतिशत आश्वस्त हैं। मिश्रा का मानना है कि ऐसी कई सीरीज हैं जहां अय्यर अपनी क्षमता साबित कर सकते हैं और टीम में अपनी जगह वापस पा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'आने वाले समय में कई सीरीज हैं। उनके पास काफी समय है। मुझे 100 प्रतिशत यकीन है कि वह वापसी करेंगे। शायद इसीलिए वह टीम में नहीं हैं। मुझे नहीं लगता कि वह अपनी खराब फॉर्म की वजह से टीम से बाहर हैं।

मोर्केल ने एशिया कप से पहले कुलदीप की जमकर तारीफ की, कहा- वह एक बहुत ही पेशेवर एथलीट

स्पोर्ट्स डेस्क। टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने एशिया कप 2025 के शुरुआती मैच से पहले कुलदीप यादव की प्रशंसा की। कुलदीप ने पिछले साल टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से सबसे छोटे प्रारूप टी20 में मेन इन ब्लू के लिए नहीं खेला। उन्हें आगामी महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए टीम की 15 सदस्यीय टीम में चुना गया है। बाएं हाथ के स्पिनर को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम में चुना गया था। लेकिन किसी भी मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया। कुलदीप उम्मीद करेंगे कि एशिया कप में ऐसा न हो खासकर इसलिए क्योंकि टूर्नामेंट यूएई में हो रहा है और वहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों की तुलना में स्पिनरों के लिए ज्यादा अनुकूल हैं। मोर्केल ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह एक बेहद पेशेवर खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में खेलने के बाद से उनका रवैया ऐसा ही है। जहां उन्हें बहुत कम खेलने का मौका मिला और अब भी वह वही खिलाड़ी हैं जो ओवर डालते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'और मेरे लिए कुलदीप जैसा कि मैंने कहा उसने अपने करियर में बहुत सारे ओवर फेंके हैं। वह जानता है कि टी20 और सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने के लिए उसे क्या करना है और जैसा कि मैंने कहा हम केवल वही नियंत्रित कर सकते हैं जो हम अभी नियंत्रित कर सकते हैं और वह है जब हम अभी प्रशिक्षण करते हैं और जब हमारे सत्र होते हैं तो यह केंद्रित होता है इसके पीछे एक उद्देश्य होता है और हमारे पास लक्ष्य होते हैं।'

धोनी के कारण मुझे अलग-अगल भूमिकाएं तलाशनी पड़ीं : कार्तिक

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद से ही उनके लिए टीम में जगह बनाना कठिन हो गया। इसी कारण उन्हें अलग-अलग भूमिकाओं में उतरना पड़ा। कार्तिक ने साल 2004 में धोनी से तीन माह पहले भारतीय टीम की ओर से पदार्पण किया था पर शुरुआती कुछ मैचों के बाद ही धोनी के टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह बना ली। जिससे उनके लिए जगह हासिल करना कठिन हो गया था।

हाल ही में एक कार्यक्रम में कार्तिक ने पुरानी बातों को याद कर कहा कि धोनी ने अपने करियर की शुरुआत में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया था। कार्तिक ने कहा, मैंने उन्हें ज्यादा खेलते नहीं देखा था पर केन्या में उस ए सीरीज के दौरान, हर कोई एक खिलाड़ी की चर्चा कर रहा था, क्योंकि वह कुछ नया लेकर आया था। जिस ताकत से वह गेंद को मारता था, लोगों का कहना था कि उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। कुछ तो उनकी तुलना गैरी सोबर्स से भी कर रहे थे, जो अपने लंबे छक्कों के लिए जाने जाते थे। तब धोनी की तकनीक बिल्कुल अलग थी और वह गेंद को इतनी जोर से मार रहे थे जितना लोगों ने पहले कभी नहीं देखा था। उस समय यही चर्चा थी।

कार्तिक ने कहा, उस समय भारत राहुल द्रविड़ को विकेटकीपर के विकल्प के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। लेकिन द्रविड़ ने बाद में ये भूमिका निभाने से इंकार कर दिया था। उन्होंने कहा, मैं केवल अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहता हूं। विकेटकीपिंग करने में मेरा शरीर बहुत मेहनत कर रहा है। इसलिए टीम ने एक अच्छे विकेटकीपर की तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान मुझे विकेटकीपिंग का अवसर मिला पर धोनी के आने के बाद हालात बदल गये। इसके बाद मुख्य विकेटकीपर की जिम्मेदारी उन्हें मिलने लगी। जब वह आए, तो उन्होंने सभी को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया। बहुत जल्द, वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी छा गये थे।

इस क्रिकेटर ने कहा, जब ऐसा कोई खिलाड़ी सामने आता है, तो आपको स्वयं से पूछना चाहिए कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ रूप सामने लाने के लिए क्या कर सकता हूं? इसलिए मैं अलग- अलग भूमिका में आने लगा। कहीं शुरुआती बल्लेबाज की जगह होती तो मैं उसके लिए पहुंच जाता था। इसी तरह मध्य क्रम में कोई जगह खाली होती, तो मैं वहाँ बल्लेबाजी करने का अनुरोध करता और हमेशा टीम में जगह बनाने के तरीके तलाशता रहा पर मेरे लिए उस जगह को बचाए रखना आसान नहीं था। मैं खुद पर इतना दबाव डालता था कि कई बार, मैं उस जगह के साथ न्याय नहीं कर पाता था जिसकी वास्तव में जरूरत थी।

उन्होंने आगे कहा, उस सफर में जो भी आपके सामने आए, उसके साथ तालमेल बिठाने का महत्व सीखा, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन की जरूरत। मैंने लगातार ऐसे काम किए जो ज्यादातर खिलाड़ियों के लिए असहज थे, जैसे अपने करियर के आखिरी पांच सालों में छठे या सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करना। लेकिन मैंने

उस भूमिका को अपनाया और उसमें सफलता पाने के लिए अपनी खूबियों का इस्तेमाल किया।

विद्युत जामवाल की हॉलीवुड डेब्यू फिल्म की शुरू हुई शूटिंग, निभाएंगे यह किरदार

बॉलीवुड अभिनेता विद्युत जामवाल इन दिनों अपनी अपकमिंग हॉलीवुड फिल्म स्ट्रीट फाइटर को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और आधिकारिक तौर से विद्युत जामवाल इस फिल्म से जुड़ चुके हैं। मशहूर वीडियो गेम फ्रैंचाइजी पर आधारित इस फिल्म में कई मशहूर हॉलीवुड सितारों सहित एक बड़ी टीम शामिल है।

आधिकारिक तौर से फिल्म से जुड़े विद्युत पैरामाउंट पिक्चर्स ने लीजेंडरी एंटरटेनमेंट और कैपकॉम के साथ मिलकर शुक्रवार को फिल्म के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर पूरी कास्ट का खुलासा किया। प्रोडक्शन हाउस ने पोस्ट में लिखा अखाड़े में राज बहुत देर तक राज नहीं रहते। स्ट्रीट फाइटर की शूटिंग शुरू हो चुकी है। यह फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टूर्नामेंट शुरू हो गया है! पोस्ट में सभी कलाकारों के नाम के साथ विद्युत जामवाल का भी नाम है।

विद्युत जामवाल का किरदार

मार्शल आर्ट के लिए मशहूर विद्युत जामवाल को स्ट्रीट फाइटर की दुनिया में एकमात्र भारतीय किरदार, धालसिम की भूमिका के लिए चुना गया है। धालसिम एक योगी है, जिसके पास आग उगलने की क्षमता है। वह मूल रूप से एक शांत व्यक्ति है, जो अपने परिवार का पालन-पोषण करने में लगा है। 16 अक्टूबर 2026 को रिलीज होने वाली इस फिल्म से विद्युत जामवाल हॉलीवुड डेब्यू करेंगे।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म स्ट्रीट फाइटर में विद्युत जामवाल के अलावा एंड्रयू कोजी, नोआ सेंटीनो, जेसन मोमोआ, कैलिना लियांग, रोमन रेन्स, ऑरविल पेक, कोडी रोड्स, एंड्रयू शुल्ज, जैक्सन और डेविड डस्टमलचियन जैसे कलाकार होंगे। फिल्म का निर्देशन फिल्म निर्माता किताओ सकुराई कर रहे हैं।

विद्युत जामवाल का काम

विद्युत जामवाल कमांडो और खुदा हाफिज जैसी एक्शन फिल्मों में मुख्य भूमिका निभा चुके हैं। वह आखिरी बार साल 2024 में आई फिल्म क्रैक में नजर आए थे। हालांकि यह फिल्म बहुत अच्छा नहीं कर पाई थी। विद्युत जामवाल अपने जबरदस्त एक्शन के लिए जाने जाते हैं।

'द बंगाल फाइल्स' में सिमरत कौर की दमदार एक्टिंग

विवेक अग्निहोत्री के निर्देशन में बनी द बंगाल फाइल्स सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। फिल्म को यूजर्स द्वारा शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। हालांकि, दर्शकों का सबसे ज्यादा अगर कोई ध्यान खींच रहा है, तो वो हैं सिमरत कौर रंधावा, जो फिल्म में भारती बनर्जी का किरदार निभा रही हैं। अब हर कोई जानना चाह रहा है कि आखिर कौन हैं सिमरत कौर।

पंजाब से आती हैं सिमरत कौर

सिमरत कौर रंधावा का जन्म मुंबई के एक सिख परिवार में हुआ था। कंप्यूटर साइंस में स्नातक करने के बाद सिमरत ने अभिनय की तरफ रुख किया और कॉलेज के दिनों से ही एक्टिंग के कार्यक्रमों में भाग लेने लगीं।

अभिनय करियर की शुरुआत

सिमरत कौर ने अपने करियर की शुरुआत तेलुगु फिल्म से की थी। उनकी पहली फिल्म का नाम था 'प्रेमथो मी कार्तिक', जो एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म थी। इसके बाद सिमरत ने कई तेलुगु फिल्मों में अभिनय किया जिनमें 'परिचयम', 'डर्टी हरि' और 'बंगराजु' शामिल हैं।

म्यूजिक वीडियोज में भी आईं नजर

तेलुगु फिल्मों के अलावा सिमरत कौर पंजाबी म्यूजिक वीडियोज में भी दिखाई दे चुकी हैं, जिनमें हिम्मत संधू द्वारा गाया गया 'बुर्ज खलीफा' और लारा लप्पा, जीजी सिंह की 'लोफर' और मीका सिंह के 'तेरे बिन जिंदगी' जैसे गाने शामिल हैं।

द बंगाल फाइल्स से फिर आईं चर्चा में

सिमरत कौर इस समय द बंगाल फाइल्स में नजर आ रही हैं, जो 5 सितंबर को रिलीज हुई। इस फिल्म में अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी जैसे किरदार नजर आ रहे हैं।

'गदर 2' से खींचा सबका ध्यान

तेलुगु, पंजाबी के अलावा अभिनेत्री ने बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है। सिमरत कोर ने 2023 में रिलीज हुई फिल्म गदर 2 में उत्कर्ष शर्मा की पत्नी और सनी देओल की बहू मुस्कान की भूमिका निभाई थी। इसने भी उन्हें पहचान दिलाई थी। इस फिल्म के बाद एक्ट्रेस ने वनवास में अभिनय किया, जिसमें नाना पाटेकर मुख्य भूमिका में थे, उनके साथ राजपाल यादव, खुशबू सुंदर और अश्विनी कालसेकर भी थीं।

तेजा सज्जा की फिल्म मिराय को लेकर करण जौहर ने किया खास पोस्ट

बॉलीवुड निर्माता और निर्देशक करण जौहर ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर तेजा सज्जा के साथ कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही करण ने फिल्म मिराय को लेकर बताया कि उन्हें इस फिल्म को प्रस्तुत करते हुए बहुत गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है।

करण जौहर और तेजा सज्जा करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर तेजा सज्जा की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म मिराय को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। इन तस्वीरों में तेजा और करण साथ में पोज देते नजर आ रहे हैं। करण ने इन शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, ऐसी फिल्में सिर्फ सेट और लोकेशन से नहीं बनतीं। अक्सर ये एक नजरिए, जुनून और पूरी दुनिया का मनोरंजन करने की अदम्य चाहत से बनती हैं। बिना ज्यादा कहे भी बहुत कुछ कह जाती हैं।

मिराय को लेकर करण जौहर की राय

करण ने आगे लिखा, मिराय एक ऐसी फिल्म है, जिसने मुझे बेहद मंत्रमुग्ध कर दिया है और इसे प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत गर्व और सम्मान का अनुभव हो रहा है। आगे करण जौहर ने लिखा, मिराय 12 सितंबर को दुनिया भर में रिलीज हो रही है और उत्तर भारत में इसे धर्मा प्रोडक्शन रिलीज कर रहा है।

फिल्म मिराय के बारे में

मिराय में तेजा सज्जा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में तेजा के साथ श्रिया सरन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। श्रिया सरन फिल्म 'मिराय' में अंबिका के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म 'मिराय' को कार्तिक गट्टमनेनी ने डायरेक्ट किया है।

वैश्विक मंच पर भूमि पेडनेकर ने किया भारत का प्रतिनिधित्व

भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री भूमि पेडनेकर अक्सर सामाजिक मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए नजर आती हैं। सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर मुखर रहने वाली भूमि अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करती नजर आईं। स्विट्जरलैंड में आयोजित यंग ग्लोबल लीडर्स समिट 2025 में हिस्सा लेने वाली वो पहली भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। ये आयोजन विश्व आर्थिक मंच के तत्वावधान में हुआ, जहां दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों से आए युवा लीडर्स ने वैश्विक चुनौतियों और बदलाव की दिशा में अपने विचार शेयर किए।

भूमि ने भारत का किया प्रतिनिधित्व

भूमि पेडनेकर के करियर को अगर देखें तो उन्होंने हमेशा अपने काम से हटकर भी समाज के लिए योगदान दिया है। फिल्मों में सशक्त किरदार निभाने के अलावा वो लगातार पर्यावरण को लेकर सक्रिय रही हैं। जिनेवा के इस मंच पर उनकी मौजूदगी भारतीय फिल्म जगत के लिए गौरव की बात रही। भूमि ने सोशल मीडिया पर भी अपनी झलकियां साझा कीं, जिनमें वो इस प्रतिष्ठित सम्मेलन का हिस्सा बनती दिखीं। भूमि को लंबे समय से क्लाइमेट वॉरियर कहा जाता है। उन्होंने कई बार टिकाऊ जीवनशैली, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया है। हाल ही में दिल्ली में हुए आई क्लाइमेट समिट 2025 में उन्होंने पॉप कल्चर और जलवायु परिवर्तन को जोड़ते हुए कहा था कि फिल्मों और कला के जरिए जागरूकता पैदा करना बेहद जरूरी है। उनका मानना है कि जब तक लोकप्रिय संस्कृति में बदलाव नहीं आएगा, तब तक समाज पर स्थायी असर डालना मुश्किल है।

पॉप कल्चर से बदलाव की कोशिश

भूमि का कहना है कि फिल्मों के पात्रों और कहानियों में भी यह दिखना चाहिए कि व पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार जीवन जी रहे हैं। उनका विश्वास है कि अगर सिनेमा में बदलाव लाया जाए तो उसका असर आम लोगों की सोच पर पड़ेगा। इसी सोच के चलते उन्होंने क्लाइमेट वॉरियर पहल शुरू की थी, जो आज एक आंदोलन का रूप ले रही है।

भूमि पेडनेकर का वर्कफ्रंट

भूमि के करियर वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने बॉलीवुड में आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म दम लगाके हईशा के साथ शुरुआत की थी। उनकी हालिया कुछ फिल्मों में भीड़ (2023), अफवाह, भक्षक और द लेडी किलर शामिल हैं।

अच्छे एक्टर्स को सराहा जाना जरूरी, लोग अब मुझे झंडे काका बोलना शुरू कर देंगे

मनोज बाजपेयी इस वक्त अपनी नई फिल्म इंस्पेक्टर झेंडे को लेकर चर्चा में हैं, जो हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म के साथ-साथ मनोज बाजपेयी की एक्टिंग की भी खूब तारीफ हो रही है। वह जल्द ही राम गोपाल वर्मा की पुलिस स्टेशन में भूत और शेखर कपूर की मासूम 2 में भी नजर आएंगे।

सत्या का भीखू म्हात्रे आपके लिए टर्निंग पॉइंट रहा, अब आप 30 साल बाद दोबारा राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म पुलिस स्टेशन में भूत कर रहे हैं। ये करिश्मा कैसे हुआ?

असल में, सत्या के री रिलीज होने के बाद एक दिन रामू जी (राम गोपाल वर्मा) का मैसेज आया कि सत्या ने मुझे इतना प्रेरित किया कि मुझे फिर वैसी फिल्म बनानी है। कुछ दिन बाद उन्होंने एक कहानी भेजी, जो बहुत ही आउट ऑफ बॉक्स और क्रेजी थी। वह हॉरर कॉमेडी जॉनर में थी, जो मैंने कभी छुआ नहीं था तो मेरे लिए यह एक बहुत बड़ा मौका था, एक अपने मेंटॉर के साथ काम करने का और दूसरे हॉरर कॉमेडी जॉनर में हाथ आजमाने का, तो मैंने कर लिया।

राम गोपाल वर्मा पिछले कई सालों से जैसी फिल्में बना रहे हैं, आपको लगता है कि उनके भीतर का फिल्ममेकर अभी बचा है?

बचा ही नहीं, बहुत ज्यादा है। अभी आप उनसे मिलेंगी तो आपको भी अंदाजा हो जाएगा। जिस राम गोपाल वर्मा की आप बात कर रही हैं, वो आप 12-14 साल की कर रही हैं और हर आदमी के जीवन में कुछ साल ढलान आता है। रामू जी ने भी वह उतार देखा, पर आज लगता ही नहीं है कि वह इधर के 14 साल वाले रामू हैं। मुझे वो भीखू म्हात्रे वाले दौर के रामू लगे। वही आग, वही जुनून। हमारा एक शेड्यूल खत्म हो गया और उनकी काबिलियत देखकर मैं दंग रह गया। आज की तारीख वह आदमी सिर्फ फिल्म और शॉट के बारे में ही सोच रहा है। उनके सोशल मीडिया एक्स पर जाइए, तो कई महीने के बाद उन्होंने स्ट्रे डॉग्स को लेकर अपनी राय दी थी, वरना इन से भी वह अब गायब ही रहते हैं।

शूल और भोसले में पुलिस की यादगार भूमिका करने के बाद इंस्पेक्टर झेंडे को नया रंग देने के लिए मशक्कत करनी पड़ी?

बिल्कुल मेहनत लगी। इस तक पहुंचने में हमको काफी समय लगा। शूटिंग से पहले 15-20 दिन रीडिंग और कई तरह की तैयारी की। लेकिन आप जिन फिल्मों का जिक्र कर रही हैं, इसकी दुनिया उनसे एकदम ही अलग है। इसका समय, परिस्थिति, यह इंसान बिल्कुल अलग है। मैंने अब तक जो भी किरदार किए हैं, मधुकर झेंडे उससे पूरा उलटा है।

आपकी सीरीज द फैमिली मैन का तीसरा सीजन भी आने वाला है, जिसमें अबकी जयदीप अहलावत भी दिखेंगे। आप लोगों की बॉन्डिंग कितनी मजबूत हुई?

जयदीप अहलावत बहुत ही होनहार एक्टर हैं। पाताल लोक में उन्होंने बहुत ही अच्छा काम किया था। वो हों, विजय वर्मा हों या सनी हिंदुजा, ये एक्टर जब भी कुछ अच्छा काम करते हैं तो मेरी उनसे बात होती है। इनका काम मुझे काफी पसंद आता है और मेरा मानना है कि एक अच्छे एक्टर्स को फोन करके बोलना कि तुमने अच्छा काम किया, यह बहुत जरूरी है। ये इंडस्ट्री के वो होनहार और काबिल एक्टर्स हैं, जो इंडस्ट्री की दशा और दिशा बदलेंगे और जयदीप में वो काबिलियत है।

इंस्पेक्टर झेंडे इंटरनैशनल किलर चार्ल्स शोभराज को दो बार पकड़ने वाले मधुकर झेंडे की बायोपिक है। ऐसी फिल्मों में अक्सर बैड बॉयज नायक से ज्यादा चर्चा पा जाते हैं?

मैं इससे बिल्कुल सहमत नहीं हूं। वो आकर्षक तो होते हैं और फिल्म में इस रोल में जिम सर्भ ने अद्भुत काम किया है, मगर यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप एक किरदार को कैसे निभाते हैं। मुझे लगता है कि इंस्पेक्टर झेंडे देखने के बाद लोग मुझे झेंडे काका बोलना शुरू कर देंगे। जैसे, द फैमिली मैन का श्रीकांत है, उसका नाम भी तो सबके दिल और जुबान पर चढ़ा तो पॉजिटिव किरदार भी अगर राइटर अच्छे से लिखे, डायरेक्टर अच्छे से डायरेक्ट करे और एक्टर अच्छे से परफॉर्म करे तो वे उतने ही आकर्षक लगेंगे, जितने कि बैड बॉयज।

आप शेखर कपूर की कल्ट फिल्म मासूम का सीक्वल भी कर रहे हैं। आपको लगता है ऐसी आइकॉनिक फिल्मों को छेड़ा जाना चाहिए?

अब वो तो शेखर कपूर की ही फिल्म है। उन्हीं की कृति है और वही दोबारा बना रहे हैं तो वह जैसे चाहे, बनाएं। मैंने अपनी पहली फिल्म (बैंडिट क्वीन) उनके साथ की है। जब मैं थिएटर में काम कर रहा था, तब उन्होंने मुझे कास्ट किया था तो उन्होंने कहा कि इसमें एक किरदार करना है तो मैंने बोला, बिल्कुल सर, आप जब बोलेंगे मैं आ जाऊंगा, लेकिन यह बातचीत वहीं तक है। अभी उससे आगे बात नहीं हुई है।

रंगबिरंगे फूलों की घाटी

मनाली

आग बरसाते जून के महीने में पहाड़ी वादियों की ठंडक तन और मन को बेहद आराम देती है। यदि आप ठंडे और शांत माहौल की तलाश में हैं तो भी मनाली आपको खूब भाएगा। यही सोचकर भारी संख्या में पर्यटकों ने पहाड़ों का रुख कर लिया है। आप भी कहीं जाने की बात सोच रहे हैं तो आपके लिए हिमाचल प्रदेश का मनाली एक अच्छी जगह साबित हो सकती है। आप एडवेंचर के शौकीन हैं तो आपके लिए यहां ट्रैकिंग, माउंटेनियरिंग, स्कीइंग, पैरा ग्लाइडिंग आदि की व्यवस्था मिल जाएगी।

प्रकृति ने मनाली को खुले हाथों से नूर बख्शा है। कुल्लू घाटी के प्रमुख पर्यटक स्थल मनाली में आकर हर कोई अपने आपको स्वर्ग में पाता है। हरी भरी वादियों ऊंचे-नीचे पहाड़ों पर दूर-दूर तक दिखाई देते देवदार के छोटे-बड़े पेड़ प्राकृतिक सौंदर्य को दोगुना कर देते हैं। इनके बीच घुमावदार पहाड़ी पगडंडियों पर चलते लोगों को देखकर खुद भी ट्रैकिंग का मन कर आता है।

दिल्ली से लगभग साढ़े पांच सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मनाली को रंगबिरंगे फूलों की घाटी भी कहा जाता है। दिसंबर के महीने में यहां हरियाली दूर-दूर तक देखने को नहीं मिलती। कारण है कि पहाड़ों, पेड़ों और घरों पर बर्फ की सफेद चादर जो फैली होती है।

गर्मी के मौसम में यहां का तापमान 10 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। लेकिन सर्दी के मौसम में ज्यादातर दिनों में सात डिग्री से नीचे पहुंच जाता है। यहां आने के लिए गर्मी के लिहाज से मार्च से जून और ठंड के लिहाज से अक्टूबर से फरवरी के महीने ज्यादा ठीक रहते हैं।

देखने लायक खास स्थल :

कुल्लू घाटी का असली सौंदर्य मनाली में ही देखने को मिलता है। यहां देखने और घूमने के लिहाज से बहुत से मशहूर स्थल हैं। यहां की सुरमई शाम अलसाती भोर का मजा ही कुछ और है।

कोठी : मनाली से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है कोठी। यहां से पहाड़ों का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। यहां बीस नदी का तेजी से बहता ठंडा पानी अदभुत नजारा पेश करता है।

राहला फॉल्स, मनाली सैंचुरी : कोठी से दो किमी की दूरी पर बीस नदी पर राहला फॉल्स स्थित है। यहां 50 मीटर की ऊंचाई से गिरता झरने का पानी सैलानियों को खूब लुभाता है। मनाली सैंचुरी में पर्यटक कैपिंग के लिए पहुंचते हैं।

सोलन वैली : यहां से 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोलन वैली सैलानियों को खासी आकर्षित करती है। यहां ट्रैकिंग, स्कीइंग और माउंटेनियरिंग के कैंप आयोजित किए जाते हैं। 10 से 14 फरवरी के बीच यहां सालाना विंटर कार्निवाल का आयोजन किया जाता है।

रोहतांग भी है मनाली के पास : मनाली के आस-पास के इलाकों में सैलानियों के लिए बहुत कुछ बिखरा पड़ा है। प्रकृति ने यहां आने वालों के लिए अपना खजाना दोनों हाथों से खोल दिया है। पहाड़ियों पर बने छोटे-छोटे घर और इनके आस-पास फैली हरियाली मन को लुभाती है। यहां से 51 किमी की दूरी पर मशहूर पर्यटक स्थल रोहतांग पास स्थित है। यहां हर साल हजारों की संख्या में सैलानी घूमने के लिए आते हैं।

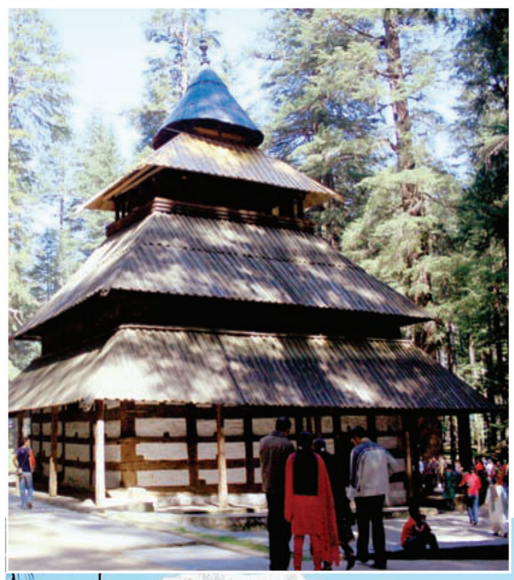

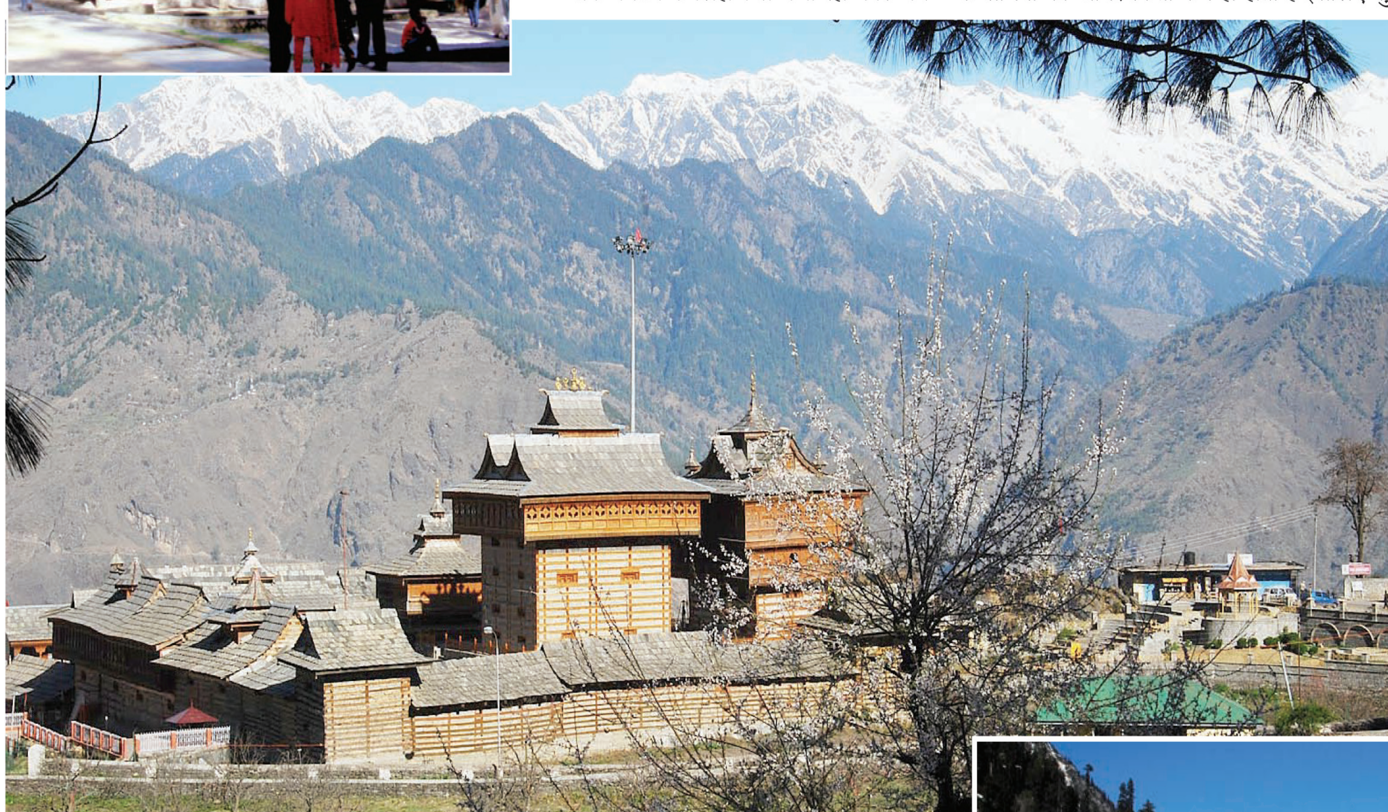

अद्भुत पर्यटक स्थल सराहन घाटी

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और किन्नौर जिले की सीमा पर बसा सराहन स्वर्ग का एहसास कराने वाला एक सुंदर और अद्भुत पर्यटक स्थल है जो सराहन घाटी के नाम से भी जाना जाता है। यह क्षेत्र कई वर्षों तक पर्यटन के लिहाज से बचा रहा मगर अब पिछले कुछ वर्षों से इस तरफ पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है।

इसलिए अब सरकार ने भी इसे पर्यटन के लिए लिहाज से उपयुक्त समझा है। यह शहर समुद्रतल से 7,589 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इतिहास में इसको बुशहर नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त 51 शक्तिपीठों में से एक भीमाकाली माता का मंदिर भी इसी शहर में है। हिंदू और बौद्ध वास्तुशिल्प से निर्मित यह मंदिर लगभग 2,000 वर्ष पुराना है, मगर इसका जीर्णोद्धार कर इसको पुनः वही आकार दिया गया है।

पत्थरों और लकड़ी के इस्तेमाल से बना यह मंदिर शत-प्रतिशत भूकंपरोधी है। मंदिर के प्रांगण में खड़े होकर आप हिमालय को साक्षात निहार सकते हैं। इस मंदिर के नजदीक ही आपको एक पक्षी-विहार है जिसमें यहां के राज्य-पक्षी मोनाल सहित लगभग हर प्रकार के पहाड़ी पक्षी हैं। सरकार और स्थानीय लोगों के प्रयासों से रास्तों के दोनों तरफ लगाए गए तरह-तरह के फूल लहराते हुए पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

सराहन से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर यदि घाटी से थोड़ा नीचे उतरेंगे तो वहां आपको सतलज नदी का मनोहारी दृश्य मिलेगा। इसके अतिरिक्त सराहन से कुछ ही दूरी पर कामरू का ऐतिहासिक किला, चितकुल घाटी और बस्पा नदी जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी हैं जहां आप आसानी आ-जा सकते हैं।

शहर अत्यधिक बड़ा न होने के कारण यहां यातायात के साधनों की आवश्यकता कम ही होती है इसलिए कुछ स्थानों पर पैदल भी घूमा जा सकता है। फिर भी यहां टैक्सी, बस आदि की सुविधा आसानी से मिल जाती है और महंगी भी नहीं है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सरकार ने यहां आम से खास तक, सभी के बजट के अनुसार होटल और रेस्ट हाउस आदि का भी विशेष प्रबंध किया है।

यहां आने के लिए सर्दियां उचित समय नहीं है क्योंकि इस मौसम में यहां पर तापमान शून्य से भी नीचे ही रहता है। यहां आने के लिए मार्च से जून और सितंबर से अक्टूबर का समय बहुत ही अच्छा समय है। दिन के समय यहां का तापमान लगभग 30 से 32 डिग्री तक रहता है। मगर रात को ठंड बढ़ जाती है।

यदि अपनी गाड़ी से जा रहे हैं तो ध्यान दें कि शिमला से राष्ट्रीय राजमार्ग 22 से होते हुए रास्ते में थेयोग, नारकंडा, रामपुर और जैओरी नामक कुछ छोटे-छोटे पर्यटन स्थल भी आते हैं जहां आपको पेट्रोल पंप की सुविधा मिलेगी। शिमला से सराहन के बीच लगभग 180 किलोमीटर के इस रास्ते पर जब आप निकलेंगे तो आपका सामना देवदार के घने जंगलों, कई सारे छोटे-बड़े झरनों, खेतों एवं छोटे-छोटे अनेक गांवों से होगा।

इन गांवों से होकर जाने पर आपको उनके पारंपरिक पहनावे और संस्कृति की भी झलक देखने को मिलेगी। सराहन जाने के लिए सड़क मार्ग ही है जो शिमला से टैक्सी, जीप या बस द्वारा भी जाया जा सकता है। यह दूरी लगभग 6-7 घंटे में आसानी से तय की जा सकती है।

यह रास्ता अधिकतर सतलुज नदी के किनारे से गुजरता है, इसलिए इसकी तेज धारा आपको एक नए संगीत की से रू-ब-रू कराएगी। इसके अतिरिक्त जैसे-जैसे आप सराहन के नजदीक पहुंचेगे वैसे-वैसे आपको मार्ग के किनारे अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियां भी नजर आने लगेंगी।

कैसे पहुंचे : मनाली जाने के लिए सड़क मार्ग से अपनी गाड़ी से या फिर बस सेवा ली जा सकती है। हवाई यात्रा करनी है तो लगभग 50 किमी से टैक्सी लेनी होगी।

यात्रा पैकेज :

यदि आने-जाने और ठहरने का कोई झंझट नहीं पालना चाहते तो कई तरह के पैकेज भी उपलब्ध हैं। तीन दिन और रात ठहरने के लिए अलग-अलग होटल में प्रति जोड़ा 11,500 रुपए से 15 हजार रुपए में ठहरना, हर दिन नाश्ता, लंच और डिनर आदि हो जाता है। 23 हजार रुपए में ठहरने, खाने के साथ लोकल साइट सीइंग, डिस्कोथेक, कॉकटेल और स्टीम या सोना बाथ की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। हिमाचल प्रदेश पर्यटन द्वारा खुद भी कई तरह की स्कीम दी जा रही हैं जो आप ले सकते हैं।